THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 280 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.2 2082 सोमवार, 5 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आज से मिलेंगे गणतंत्र दिवस परेड-2026 के टिकट

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी को होने वाली परेड के लिए टिकटों की बिक्री का ऐलान कर दिया है। एक बयान के मुताबिक 77वें गणतंत्र दिवस की मुख्य परेड, बीटिंग रिट्रीट की फुल ड्रेस रिहर्सल और मुख्य बीटिंग रिट्रीट समारोह के टिकटों की बिक्री 5 जनवरी से शुरू होगी। बिक्री 14 जनवरी तक जारी रहेगी। टिकट रोज सुबह 9 बजे से तब तक खरीदे जा सकते हैं जब तक आवंटित कोटा खत्म नहीं हो जाता। टिकटों की कीमत 20 से 100 रुपए है। बीटिंग रिट्रीट की फुल ड्रेस रिहर्सल के लिए टिकट 20 रुपए में जबकि बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए टिकटों की कीमत 100 रुपए है।

बनारस में जोश हाई रहेगा : पीएम मोदी

❊ जेन जेड के हाथों में तिरंगा देख गर्व होता है ❊ वर्चुअली चैंपियनशिप का उद्घाटन किया

वाराणसी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी में 72वीं नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने प्लेयर्स को काशी की कहावत सुनाई। कहा- हमारे बनारस में कहा जाता है, 'बनारस के जानय के चाहत हऊवै तो बनारस आवै के पड़ी'। यानी, बनारस को जानना है तो आपको बनारस आना पड़ेगा। आप सब अब बनारस आ गए हैं, तो बनारस को जान भी जाएंगे।

मोदी ने कहा- देश के 28 राज्यों की टीमें यहां जुटी हैं। आप सभी एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बहुत सुंदर तस्वीर पेश कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में बनारस का जोश हाई रहेगा। हमें बहुत गर्व होता है, जब जेन जेड को खेल के मैदान में तिरंगा फहराते देखते हैं।

इससे पहले, सीएम योगी ने कहा- पिछले 11 सालों में सबने एक नए भारत को देखा है, भारत को बदलते देखा है। देश में एक नई खेल संस्कृति को पनपते देखा है। 2014 में पीएम मोदी ने 'खेलो इंडिया' की शुरूआत की। अब खेल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास का अभिन्न हिस्सा है। काशी में हो रही वॉलीबॉल चैंपियनशिप में देशभर की 58 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यूपी की ओर से पुरुष टीम के कप्तान श्रेयांस सिंह (यूपी पुलिस) हैं, जबकि महिला टीम की कप्तानी प्रियंका (यूपी पुलिस) कर रही हैं। उद्घाटन मैच यूपी और बिहार की पुरुष टीम के बीच खेला जा रहा है। यूपी को 43 साल बाद नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। इससे पहले 1984 में इसका आयोजन हुआ था। उद्घाटन से पहले खिलाड़ियों ने सिगरा स्टेडियम में मार्च पास्ट किया, जहां 'सारे जहां से अच्छा' की देशभक्ति धुन गूंजती रही।

चैंपियनशिप में बनारस का जोश हाई रहेगा

पीएम मोदी ने कहा- बनारस में कुश्ती, अखाड़े, नौका दौड़, कबड्डी जैसे कई खेल मशहूर हैं। बनारस ने कई राष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। बीएचयू, यूपी कॉलेज, काशी विद्यापीठ जैसी संस्थाओं के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर छाए रहे हैं। मुझे विश्वास है कि नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में बनारस का जोश हाई रहेगा। आप सभी खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाने वाले दर्शक मिलेंगे। काशी की आतिथ्य परंपरा को जीने का अवसर भी मिलेगा।

पीएम का भोजपुरिया अंदाज, कहा- बनारस के जानय के चाहत हऊवै तो...

पीएम मोदी ने कहा- आज यहां देश के 28 राज्यों की टीमें जुटी हैं। आप सब एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बहुत सुंदर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं। हमारे बनारस में कहा जाता है- बनारस के जानय के चाहत हऊवै तो बनारस आवै के पड़ी... आप सब अब बनारस आ गए हैं, तो बनारस को जान भी जाएंगे। हमारा बनारस खेल प्रेमियों का शहर है।

मोदी बोले-भारत का प्रदर्शन लगातार बढ़ रहा है

पीएम मोदी ने कहा- वॉलीबॉल साधारण खेल नहीं है। नेट के इस पार-उस पार। दोनों तरफ संतुलन और सहयोग का खेल है। इस खेल में संकल्प शक्ति भी दिखती है। हम तभी सफल होते हैं, जब अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाते हैं। हमारा देश भी इसी से आगे बढ़ रहा है।

स्वच्छता से डिजिटल पेमेंट, एक पेड़ मां के नाम से लेकर विकसित भारत के निर्माण तक हम देश के लिए काम कर रहे हैं। भारत की ग्रोथ और हमारी इकोनॉमी की प्रशंसा हो रही है। यह आत्मविश्वास खेल के मैदान में भी दिखता है। हम साल 2014 के बाद से देख रहे हैं कि अलग-अलग खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बढ़ रहा है। हमें बहुत गर्व होता है, जब जेन जेड को खेल के मैदान में तिरंगा फहराते देखते हैं। एक समय था जब खेलों को लेकर सरकार में उदासीनता का भाव था। इसलिए खिलाड़ियों में भी अपने भविष्य को लेकर आशंका रहती थी।

'तमिलनाडु सबसे भ्रष्ट सरकार'

अमित शाह ने कहा अब एनडीए सरकार बनेगी, गृहमंत्री ने तमिल में बोल ना पाने पर माफी मांगी

चेन्नई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर पूरे भारत में कहीं सबसे भ्रष्ट सरकार है, तो दुर्भाग्य से वह तमिलनाडु में है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे साफ दिख रहा है कि अप्रैल 2026 में तमिलनाडु में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ये बातें रविवार को तमिलनाडु के पुडुक्कोट्टई में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन की यात्रा के समापन समारोह के दौरान कहीं। उन्होंने इससे पहले रैली में आए लोगों से कहा कि मैं माफी चाहता हूं कि तमिल में नहीं बोल पा रहा। शह ने आगे कहा- मैं तमिलनाडु की पवित्र भूमि को प्रणाम करके अपना भाषण शुरू करता हूं। आने वाले चुनावों में, भाजपा एआईएडीएमके और हमारी सहयोगी पार्टियों के साथ मिलकर कांग्रेस और डीएमके को आखिरी टक्कर देने के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने जा रही है। डीएमके सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है। 2024 और 2025 भारतीय जनता पार्टी के लिए जीत के साल थे। 2026 में, तमिलनाडु और बंगाल में एनडीए सरकार को भारी बहुमत से बनाना है। स्टालिन की पार्टी ने यह प्रोपेगेंडा शुरू किया है कि एनडीए तमिल भाषा के खिलाफ है। आज मैं तमिलनाडु के लोगों को बताना चाहता हूं कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने उम्मीदवारों को तमिल भाषा में आईएएस और आईपीएस परीक्षा देने की इजाज़त देने की प्रक्रिया शुरू की।

तमिलनाडु में परिवारवाद को खत्म करने का समय आ गया है। पहले करुणानिधि, फिर स्टालिन, और अब उदयनिधि, मुख्यमंत्री बनने का यह सपना सच नहीं होगा। तमिलनाडु में महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं है। तमिलनाडु सरकार का एकमात्र मकसद मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि को मुख्यमंत्री बनाना है। तमिलनाडु सरकार ने तमिलनाडु को कचरागाह बना दिया है। दूसरे राज्यों का खतरनाक बायोमेडिकल कचरा तमिलनाडु की पवित्र नदियों में फेंका जा रहा है। तमिलनाडु में उन्होंने हिंदुओं और उनके धर्म के खिलाफ अपमान की एक सीरीज शुरू कर दी है।

'हालात चिंताजनक, बातचीत से हो समाधान'

> वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई को लेकर बोला भारत

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला में हालिया राजनीतिक और सुरक्षा घटनाक्रम को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि भारत स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा व भलाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सभी संबंधित पक्षों से अपील करता है कि वे मौजूदा मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से संवाद के माध्यम से करें, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि किसी भी तरह की हिंसा या टकराव से हालात और बिगड़ सकते हैं। वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का विषय है। भारत सरकार वहां की बदलती स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। भारत ने वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा और भलाई के प्रति अपना समर्थन दोहराया है और सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से संवाद के जरिए करें, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। काराकास स्थित भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के संपर्क में है और जरूरत पड़ने पर हर संभव मदद करता रहेगा। गौरतलब है कि भारत ने शनिवार रात अपने नागरिकों को वेनेजुएला की स्थिति को देखते हुए वहां गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी थी। मंत्रालय ने यह परामर्श वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका द्वारा पकड़े जाने से जुड़े घटनाक्रम के मद्देनजर जारी किया था।

विदेश मंत्रालय ने वेनेजुएला में मौजूद सभी भारतीयों से भी अत्यधिक सावधानी बरतने और अपनी आवाजाही सीमित रखने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम को देखते हुए भारतीय नागरिकों को वहां सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सख्ती से सलाह दी जाती है। बयान में कहा गया, जो भारतीय किसी भी कारण से वेनेजुएला में हैं, उन्हें अत्यधिक सतर्क रहने, अपनी गतिविधियां सीमित रखने और काराकास स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।

पोंगल से पहले सीएम स्टालिन की बड़ी सौगात

राशन कार्ड धारकों को 3000 नकद, उपहार सेट का भी एलान

चेन्नई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पोंगल पर्व से पहले तमिलनाडु सरकार ने राज्य के लाखों परिवारों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने चावल राशन कार्ड धारकों को 3,000 रुपये की नकद सहायता देने की घोषणा की है। यह लाभ श्रीलंकाई तमिल पुनर्वास शिविरों में रहने वाले परिवारों को भी मिलेगा। सरकार का उद्देश्य है कि लोग पारंपरिक तमिल फसल उत्सव पोंगल को पूरे उल्लास और सम्मान के साथ मना सकें। विज्ञप्ति में बताया गया कि पोंगल तमिल संस्कृति का गौरवशाली पर्व है, जिसे सदियों से तमिल समाज सूर्य, प्रकृति, पशुधन और किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए मनाता आ रहा है। इस अवसर को खास बनाने के लिए सरकार सभी पात्र परिवारों को पोंगल उपहार सेट भी देगी। पोंगल उपहार सेट के तहत राज्य सरकार चावल परिवार कार्ड धारकों और श्रीलंकाई तमिल पुनर्वास शिविरों में रहने वाले परिवारों को 1 किलो भूरा चावल, 1 किलो चीनी और एक पूरा गन्ना उपहार स्वरूप देगी। इस योजना से कुल 2 करोड़ 22 लाख 91 हजार 710 परिवारों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा, पोंगल पर्व के अवसर पर वितरित की जाने वाली धोती और साड़ियां राज्य के सभी जिलों में पहले ही भेजी जा चुकी हैं, ताकि त्योहार से पहले लाभार्थियों तक ये सामग्री पहुंचाई जा सके। पोंगल उपहार सेट और 3,000 रुपये की नकद सहायता पर कुल 6,936 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आएगा। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पोंगल पर्व से पहले सभी उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से नकद सहायता, उपहार सेट और वस्त्र समय पर वितरित किए जाएं।

आईसीजी को मिलेगा पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप'

> रक्षा मंत्री करेंगे राष्ट्र को समर्पित

गोवा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल की ताकत में जल्द ही बड़ा इजाफा होने जा रहा है। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 5 जनवरी को तटरक्षक बल के पहले स्वदेशी रूप से तैयार प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को बेड़े में शामिल करेंगे।

क्या है पोत की खासियत :

इस 114.5 मीटर लंबे विशाल पोत के निर्माण में 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। 4,200 टन वजनी इस जहाज की गति 22 समुद्री मील से अधिक है और यह बिना रुके 6,000 समुद्री मील तक का सफर तय करने में सक्षम है। यह पोत समुद्री प्रदूषण नियमों को लागू करने, समुद्री कानूनों के पालन, खोज और बचाव कार्यों तथा भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगा।

तटरक्षक बल ने क्या कहा :

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने दिसंबर में औपचारिक रूप से इसे तटरक्षक बल को सौंपा था। तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह दो प्रदूषण नियंत्रण पोतों में से पहला है। उन्होंने जहाज का एक वीडियो भी साझा किया, जिसे इसे आईजीसी का सबसे बड़ा और उन्नत पोत बताया गया है। तटरक्षक बल के अनुसार, यह पोत तेल के रिसाव की जांच करने वाली मशीनों और रासायनिक डिटेक्टरों से लैस है। इसमें 30 मिमी की सीआरएन-91 तोप, एकीकृत अग्नि नियंत्रण प्रणाली वाली दो रिमोट-संचालित बंदूकें, स्वदेशी एकीकृत ब्रिज प्रणाली और स्वचालित बिजली प्रबंधन प्रणाली जैसी अत्याधुनिक तकनीक मौजूद है। साथ ही, इसमें आग बुझाने की उच्च क्षमता वाली बाहरी प्रणाली भी लगी है। अधिकारियों का कहना है कि इस जहाज के शामिल होने से भारत की समुद्री प्रदूषण से निपटने की क्षमता बढ़ेगी और रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में देश मजबूत होगा।

ओडिशा के ढेंकनाल में पत्थर खदान में धमाका : दो मजदूरों की मौत

ढेंकनाल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के ढेंकनाल में एक पत्थर खदान में धमाका हुआ है, जिसके चलते हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई। ढेंकानाल के जिलाधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। ढेंकनाल के गोपालपुर में अवैध पत्थर खदान में यह धमाका हुआ। ढेंकानाल के कलेक्टर आशीष पाटिल ने बताया कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सिर्फ दो लोग खदान में थे और दो शव बरामद हुए हैं। एक मृतक बालासोर का निवासी था और दूसरा क्योंझार या मयूरभंज का निवासी था। दोनों की पहचान की जा रही है।

अवैध रूप से हो रहा था खनन :

हादसा शनिवार देर रात का है। जैसे ही घटना के बारे में जानकारी हुई, स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और इलाके की घेराबंदी कर वहां लोगों की आवाजाही रोक दी गई। शुरूआती जांच में पता चला है कि खदान में विस्फोट करने के लिए जरूरी मंजूरी नहीं ली गई थी और अवैध रूप से खनन किया जा रहा था। जांच में पता चला है कि जिस खदान में हादसा हुआ, वहां धमाके की मंजूरी बीते साल सितंबर में ही खत्म हो गई थी और इस खदान की लीज भी दिसंबर 2025 में खत्म हो गई। जिलाधिकारी पाटिल ने बताया कि जिन लोगों के नाम खदान की लीज थी, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी क्योंकि लीज की अवधि पूरी होने के बावजूद खदान में विस्फोट और खनन किया जा रहा था। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में चल रहीं अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई कड़ी की जाएगी। विपक्ष के नेता और पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, ढेंकनाल में एक पत्थर खदान में धमाके के चलते मजदूरों के फंसने से दुखी हूं। पता चला है कि हादसे में मजदूरों की मौत हुई है।

'जिसकी लाठी उसकी भैंस'

> मादुरो की गिरफ्तारी पर शशि थरूर ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ राजनयिक शशि थरूर ने वैश्विक राजनीति की मौजूदा स्थिति पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर को बीते कुछ वर्षों से लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है और आज दुनिया में 'ताकत ही सही' का सिद्धांत हावी होता जा रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में शशि थरूर ने लिखा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून और यूएन चार्टर को अब केवल कागजों तक सीमित कर दिया गया है। उनके मुताबिक, मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में कानून के बजाय ताकत का बोलबाला दिखाई देता है। थरूर ने इशारों-इशारों में कहा कि आज की दुनिया में 'जंगल का कानून' चल रहा है, जहां शक्तिशाली देश अपने हितों के लिए नियमों को तोड़ने से नहीं हिचकते। उन्होंने इसे अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए खतरनाक संकेत बताया। थरूर ने यह टिप्पणी लेखक कपिल कोमिरेड्डी की पोस्ट के जवाब में की, जिसमें अमेरिका की कार्रवाई को लेकर दोहरे मानदंडों की बात कही गई थी।

दरअसल, शनिवार को अमेरिका ने बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करते हुए वेनेजुएला पर बमबारी की और लंबे समय से सत्ता में रहे वामपंथी नेता निकोलस मादुरो को सत्ता से हटा दिया। इसके बाद मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन पर ड्रग्स और हथियारों से जुड़े मामलों में मुकदमे चलाए जाने हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निकोलस मादुरो पर अमेरिका ने 50 मिलियन डॉलर का इनाम घोषित कर रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मादुरो की हथकड़ी और आंखों पर पट्टी वाली तस्वीर साझा करते हुए दावा किया कि उन्होंने इस पूरे ऑपरेशन को फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट में टीवी शो की तरह लाइव देखा। वहीं, वेनेजुएला की विपक्षी नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो ने इसे देश के लिए आजादी का क्षण बताया। उन्होंने 2024 के चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार को तुरंत राष्ट्रपति पद संभालने की मांग की। हालांकि, ट्रंप ने मचाडो को लेकर कहा कि उन्हें वेनेजुएला में पर्याप्त समर्थन और सम्मान हासिल नहीं है।

जयपुर-मुंबई एअर इंडिया फ्लाइट का फ्यूल लीक हुआ

रनवे पर जाते वक्त पायलट को खराबी का सिग्नल मिला, यात्रियों को दूसरे प्लेन से भेजा गया

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया। एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-622 में फ्यूल लीकेज की वजह से टेकऑफ रोक दिया गया। यह फ्लाइट शाम 7:55 बजे जयपुर से मुंबई के लिए रवाना होने वाली थी और एयरक्राफ्ट रनवे की ओर बढ़ रहा था।

इसी दौरान तकनीकी सिस्टम में खराबी का अलर्ट मिला, इसके बाद पायलट और ग्राउंड स्टाफ ने तुरंत टेकऑफ रोक दिया। वहीं, सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित बाहर निकाला गया और उन्हें वापस टर्मिनल बिल्डिंग में ले जाया गया। अचानक हुई इस घटना से यात्रियों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों के मुताबिक जांच करने पर एयरक्राफ्ट के इंजन से फ्यूल लीकेज की पुष्टि हुई है।

बूंदी पैदल जा रहे लोगों पर ट्रक पलटा, 3 की मौत

बूंदी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बूंदी में पैदल जा रहे लोगों पर रूई (कपास) से भरा बेकाबू ट्रक पलट गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। 9 घायल हो गए। एक्सीडेंट देहीखेड़ा थाना इलाके में पापड़ी लबान में दोपहर करीब 2:35 बजे हुआ। हादसे के बाद घायल दर्द से तड़पते रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रक के नीचे और रूई के ढेर में दबे घायलों को बाहर निकाला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। ये सभी 12 लोग चौथ का बरवाड़ा में माता के दर्शन करने पैदल जा रहे थे। हादसा स्थल चौथ का बरवाड़ा से करीब 55 किलोमीटर दूर है। लाखेरी पापड़ी ओवरब्रिज के पास हुए इस हादसे के बाद लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने ट्रक और रूई में आग लगा दी। सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन भी किया।

सबरीमाला मंदिर से चोरी 6 करोड़ का सोना कहां गया

> इंटरनेशनल रैकेट-अंडरवर्ल्ड के शामिल होने का शक
> गवाह-सबूत भी लेकिन चार्जशीट नहीं

तिरुवनंतपुरम, 4 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के सबरीमाला मंदिर से चोरी हुए 4.5 किलो सोने को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। एसआईटी जांच में ऐसे सबूत मिले हैं, जिसके बाद अब ये मामला मंदिर के द्वारपालकों की मूर्तियों से सोना चोरी होने तक ही सीमित नहीं है। केरल पुलिस का दावा है कि चोरी में मंदिर प्रशासन और कई रसूखदार राजनीतिक चेहरे शामिल हो सकते हैं। इसमें बड़े इंटरनेशनल मूर्ति तस्करी रैकेट और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के शामिल होने का भी शक है।

अब सवालों के घेरे में वो लोग हैं, जिनकी निगरानी में ये गड़बड़ी पता चली। 12 दिसंबर को केरल के स्पेशल कोर्ट ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व चेयरमैन और सीपीआई(एम) नेता ए. पद्मकुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। वहीं 17 दिसंबर को मंदिर बोर्ड से जुड़े एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर श्रीकुमार को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि मंदिर के गर्भगृह के मुख्यद्वार और द्वारपालकों की मूर्तियों से सोने की परतें हटाकर बाहर भेजी गईं।

केरल पुलिस ने एक एनआरआई शख्स को भी गिरफ्तार किया है, जिसने पूछताछ में तमिलनाडु के डिंडीगुल में रहने वाले डी मणि और केरल निवासी उन्नीकृष्णन पोट्टी को चोरी का मास्टरमाइंड बताया। वहीं, केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर का आरोप है कि एलडीएफ सरकार के कार्यकाल में मंदिर की 4 पंचलोहा मूर्तियों को बाहर निकालकर इंटरनेशनल क्रिमिनल नेटवर्क को बेच दिया गया।

अब तक इस मामले में टीडीबी के पूर्व चेयरमैन पद्मकुमार सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि केस में अब तक चार्जशीट फाइल नहीं हो पाई है। इस मामले में केरल और तमिलनाडु के दो गोल्ड कारोबारी भी रडार पर हैं।

आरपीएफ जवान को लगी गोली, गंभीर रूप से घायल

कठुआ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कठुआ जिले के गोविंदसर रेलवे स्टेशन पर रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के एक जवान को उसकी सर्विस रिवॉल्वर से दुर्घटनावश गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, घायल जवान की पहचान दिनेश कुमार पुत्र उत्तम चंद (निवासी- गुढ़ा सतुरा, हीरानगर) के तौर पर हुई है। आरपीएफ के कॉन्स्टेबल के बाएं कंधे में गोली लगी है। यह गोली उसकी सर्विस रिवॉल्वर से उसे लगी, जिसके बाद जवान को तुरंत इलाज के लिए जीएमजी जम्मू में भर्ती कराया गया। हालांकि, गोली कैसे लगी? इस बारे में अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला की जवान का सर्विस रिवॉल्वर पहले से लोड था और गलती से फायर हो गया। फिलहाल, इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

ड्रोन और साइबर तकनीक से लैस होंगे एनसीसी कैडेट्स

इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर में भी निभाएंगे खास भूमिका

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ़ ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेकर भारतीय सेनाओं ने ड्रोन तकनीक पर खास ध्यान देना शुरू किया है। सेना के हर बटालियन में ड्रोन प्लाटून तैयार किया जा रहा है। वही वायुसेना और नौसेना भी इस पर जबरदस्त फ़ोकस कर रही है। लिहाजा इस दिशा में दुनिया का सबसे बड़ा युवा संगठन नेशनल कैडेट कोर भला कहां पीछे रहत। अब इसको लेकर नेशनल कैडेट कोर भी बड़ी तैयारी कर रहा है।

एनसीसी का क्या लक्ष्य

एनसीसी का अहम लक्ष्य है कि देश के युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाए। इसके लिए एनसीसी देशभर में चार से पांच रीजनल ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर बनाने जा रही है, जहां कैडेट्स को ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। दिल्ली में एनसीसी रिपब्लिक डे कैंप-2026 के दौरान एनसीसी के डायरेक्टर

जनरल लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स के मुताबिक ड्रोन ट्रेनिंग अब एनसीसी के प्रमुख फोकस एरिया में शामिल कर लिया गया है।

जंग में ड्रोन की अहम भूमिका

यह बात किसी से छुपी नही है कि हाल के सैन्य अभियानों में ड्रोन की भूमिका सामने आई है। साथ मे आने वाले दिनों में ड्रोन वॉरफेयर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। इसी को देखते हुए यह ट्रेनिंग सेना के सहयोग से दी जाएगी, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित कैडेट्स सेना की मदद कर सकें। ड्रोन टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव के तहत कैडेट्स को ड्रोन उड़ाने के साथ-साथ उसकी असेंबली, रखरखाव और उपयोग की जानकारी दी जाएगी। पहले उन्हें ड्रोन और यूएवी की बुनियादी समझ दी जाएगी, फिर सेफ्टी नियम, उड़ान के सिद्धांत और एयरोडायनामिक्स सिखाए जाएंगे।

साइबर वॉरियर्स तैयार किए जाएंगे

ट्रेनिंग के दौरान कैडेट्स को ड्रोन उड़ाने से पहले सिमुलेटर पर अभ्यास कराया जाएगा। इसके बाद में उनको असली ड्रोन उड़ाने का मौका मिलेगा। इससे कैडेट्स का आत्मविश्वास और तकनीकी कौशल बढ़ेगा। इतना ही नही एनसीसी डीजी के मुताबिक मौजूदा सुरक्षा जरूरत को देखते हुए ड्रोन के साथ-साथ एनसीसी साइबर सुरक्षा पर भी फोकस कर रही है।

सभी 20 लाख कैडेट्स को साइबर से जुड़ी बेसिक ट्रेनिंग दी जाएगी। पहले चरण में 10,000 साइबर वॉरियर्स तैयार किए जाएंगे, जिन्हें देश की पहली साइबर डिफेंस लाइन के रूप में देखा जा रहा है।

इनफॉरमेशन वॉरफेयर में होगी भूमिका

खास ट्रेनिंग के बाद इन्हें एक राष्ट्रीय डेटाबेस से जोड़ा जाएगा, ताकि साइबर खतरे की स्थिति में ये देश की मदद कर सकें। इसके अलावा एनसीसी सूचना युद्ध यानी इनफॉरमेशन वॉरफेयर पर भी काम करेगी। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और गलत सूचनाओं को रोकने में भी कैडेट्स की भूमिका होगी।

इस बार गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने 2406 कैडेट्स दिल्ली आए हैं। 1948 में जब एनसीसी की शुरुआत हुई तब इसकी संख्या करीब 20 हज़ार थी जो अब बढ़कर करीब 20 लाख तक पहुंच चुकी हैं। इसमें लगभग 40 फीसदी गर्ल्स कैडेट्स है।

बेटे को अमेरिका भेजने के लिए बेची ट्रैक्टर-ट्रॉली, एजेंट ने भेज दिया दुबई

अंबाला, 4 जनवरी (एजेंसियां)। शहर। गांव भानोखेड़ी के एक किसान ने अपने ट्रैक्टर-ट्राली बेचकर रुपये जुटाए, ताकि वह अपने बेटे को अमेरिका भेज सके। लेकिन एजेंट ने लाखों रुपये लेकर भी उसे अमेरिका भेजने के बजाय दुबई से वापस बुला लिया। पुलिस ने गांव बकनौर के सरपंच कप्तान सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। गांव भानोखेड़ी के रणजीत सिंह ने बताया कि फरवरी 2021 में वह अनाज मंडी अंबाला शहर में अपने आढ़ती की दुकान पर था, जहां कप्तान सिंह ने उससे पूछा कि उसके कितने बच्चे हैं। कप्तान सिंह ने उसे बताया कि वह बच्चों को विदेश भेजता है। इसके बाद रणजीत और उसके रिश्तेदार जसविंद्र सिंह ने कप्तान सिंह से 45 लाख रुपये में अमेरिका भेजने की बात की। रणजीत ने 5 मार्च 2021 से लेकर 20 जनवरी 2022 तक कुल 12 लाख 50 हजार रुपये कप्तान सिंह को दिए। 12 जनवरी 2022 को उसके बेटे जसमीत सिंह को दिल्ली एयरपोर्ट से दुबई भेजा गया, जहां उसे तीन महीने रखा गया।

'भाजपा ने महात्मा गांधी और भगवान राम का नाम प्रोपेगैंडा के लिए इस्तेमाल किया': सुरजेवाला

भुवनेश्वर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मनरेगा की जगह नया वीबी जी राम जी कानून लाने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर एक बार फिर तीखा हमला बोला। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा न तो महात्मा गांधी और न ही भगवान राम का सम्मान करती है बल्कि सिर्फ प्रोपेगैंडा फैलाने के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करती है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने ये बात कही।

सुरजेवाला ने कहा, बीते 11 वर्षों में महात्मा गांधी के चश्मे प्रोपेगैंडा फैलाने के लिए बखूबी इस्तेमाल किए गए हैं, लेकिन उनके सिद्धांतों को नजरअंदाज कर दिया गया। इसी तरह से भाजपा ने भगवान राम के नाम पर सत्ता हासिल

की, लेकिन उनके सिद्धांतों को अनदेखा किया। इसी तरह से भाजपा सरकार चलाती है। सुरजेवाला ने दावा किया कि मनरेगा कानून और विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन कानून के चलते 50 लोगों के जीवन पर अच्छा असर पड़ा। सुरजेवाला ने दावा किया कि मनरेगा कानून की जगह जो नया कानून लाया गया है, उससे दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के 12.5 करोड़ गरीब लोग प्रभावित होंगे और अगर उनके परिवारजनों को भी मिला लिया जाए तो यह आंकड़ा 50 करोड़ तक पहुंचेगा। सुरजेवाला ने बताया कि मनरेगा मांग आधारित व्यवस्था थी, जिसमें कोई भी व्यक्ति पंचायत से काम मांग सकता था। सुरजेवाला ने कहा, 'अगर उस व्यक्ति को कुछ दिनों के भीतर पंचायत से काम नहीं मिलता था तो उसे मजदूरी दी जाती थी।

वहीं नए कानून के तहत पीएम मोदी ने तय किया है कि सबकुछ दिल्ली से तय होगा। दिल्ली में बैठे लोग तय करेंगे कि किस राज्य, जिले और गांव को कितना काम मिलेगा!'

युवक की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा

भोपाल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 32 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक नर्स मृतक को रिवाइव करने के लिए सीपीआर देने का प्रयास कर रही है। उसके अलावा वार्ड में ना कोई डॉक्टर व अन्य स्टाफ है। यही वीडियो परिजन ने बना कर शेयर किया है। बरखेड़ी निवासी 32 वर्षीय विशाल जोगी हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित अक्षय अस्पताल में भर्ती था। शनिवार शाम से उसकी स्थिति बिगड़ने लगी थी। परिजनों का आरोप है कि उनके बार बार कहने पर भी कोई सीनियर डॉक्टर नहीं आया। वहीं, अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि यह सभी आरोप गलत हैं। जब परिजनों ने हंगामा शुरू किया तो पुलिस को सूचना दी गई थी। थाने से मिली जानकारी के अनुसार, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'ये महाराष्ट्र को यूपी-बिहार बना रहे हैं'

ठाकरे बदर्स ने शिवसेना भवन में जारी किया वचन नामा, किए वादे

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार का दिन ऐतिहासिक रहा। राज ठाकरे ने 20 साल बाद शिवसेना भवन में कदम रखा। दरअसल, बीएमसी चुनाव 2026 के लिए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने गठबंधन किया है। इसी मौके पर दोनों नेताओं ने संयुक्त घोषणापत्र जारी किया और मुंबई के विकास को लेकर कई बड़े वादे किए। राज ठाकरे ने साफ कहा कि मुंबई का महापौर मराठी ही होगा।

राहुल नार्वेकर पर उद्धव का हमला

घोषणापत्र जारी करने के दौरान उद्धव ठाकरे ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि नार्वेकर अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं और खुद संरक्षण लेकर दूसरों का संरक्षण छीन रहे हैं। उद्धव ने चुनाव आयोग से उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की और कहा कि अध्यक्ष को निष्पक्ष रहना चाहिए।

बीजेपी और सत्ता पर तीखे सवाल

उद्धव ने कहा कि कई मंत्री अभी भी अपने काफिले के साथ प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से अपील की कि सत्ता के दबाव में न आएं। उद्धव ने आरोप लगाया कि 15,000 करोड़ के बजट में से 3 लाख करोड़ का ठेका कांट्रैक्टरों को दिया गया है और अब इन पैसों का इस्तेमाल चुनाव में किया जा रहा है।

राज ठाकरे का बयान

राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र को यूपी और बिहार जैसा बनाया जा रहा है। उन्होंने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि जब मुंबई में फडणवीस और शिंदे को कोई नहीं जानता था, तब से कोस्टल रोड का काम चल रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए और कहा कि अगर दम है तो फॉर्म भरते समय मौजूद अधिकारियों के मोबाइल रिकॉर्ड जांचे जाएं।

पंजाब में धर्मग्रंथों की बेअदबी पर जल्द बनेगा सख्त कानून

दोषी को आखिरी सांस तक जेल

चंडीगढ़, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी को रोकने के लिए जल्द ही एक बेहद सख्त कानून लागू किया जाएगा। इस संबंध में गठित विधानसभा की सेलेक्ट कमेटी अपनी रिपोर्ट शीघ्र सरकार को सौंपेगी। यह जानकारी आम आदमी पार्टी के संयुक्त सचिव और प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने दी। पन्नू ने बताया कि प्रस्तावित कानून सभी धर्मों के पवित्र ग्रंथों पर समान रूप से लागू होगा। इसके तहत किसी भी धर्मग्रंथ की बेअदबी करने पर दोषी को आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी,

जबकि बेअदबी की कोशिश करने पर 3 से 5 साल तक की जेल का प्रावधान होगा। कानून की खास बात यह है कि इसमें आरोपी को न तो जमानत मिलेगी और न ही किसी तरह के राजीनामे की अनुमति होगी। आप नेता ने कहा कि यह कानून इतना कठोर होगा कि भविष्य में कोई भी धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी करने का साहस न कर सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राज्य स्तरीय कानून होगा और इसे जल्द ही विधानसभा में अंतिम रूप दिया जाएगा यह बयान श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज द्वारा पंजाब सरकार से बेअदबी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग के बाद आया है। पन्नू ने कहा कि सरकार ने अकाल तख्त जत्थेदार के सुझाव को स्वीकार किया है।

गौरतलब है कि 15 जुलाई 2025 को पंजाब सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब, गीता, बाइबल और कुरान जैसे पवित्र ग्रंथों की बेअदबी रोकने के लिए पंजाब पवित्र ग्रंथ अपराध निवारण बिल 2025 विधानसभा में पेश किया था। बाद में इस बिल को सभी दलों के सदस्यों वाली सेलेक्ट कमेटी के पास भेज दिया गया था, जो अब अपनी रिपोर्ट सौंपने वाली है।

हुबली में 13 साल की बच्ची के साथ दरिंदगी, हिरासत में तीन नाबालिग लड़के पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

हुबली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के हुबली में एक 13 साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के मामले में तीन नाबालिग लड़कों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कर्नाटक पुलिस ने शनिवार को हुबली में यौन उत्पीड़न के आरोप में 14 से 15 वर्ष की उम्र के तीन नाबालिग लड़कों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस के अनुसार नाबालिग लड़कों ने लड़की के साथ एक सप्ताह से ज्यादा समय तक यौन उत्पीड़न किया। लड़की के माता-पिता दिन के समय घर से बाहर रहते थे, इसी दौरान घटना को अंजाम दिया गया। हुबली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त एन शशिकुमार ने बताया कि एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न और मारपीट की शिकायत दर्ज की गई है। तीनों आरोपी नाबालिग हैं और उनकी उम्र 14 से 15 वर्ष के बीच है। हमने उन्हें हिरासत में ले लिया है।

पंजाब में कांग्रेस 80 नेताओं का काटेगी टिकट

प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग ने सीएम फेस पर भी दिया बयान

चंडीगढ़, 4 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में हलचल तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर राजा वडिंग ने साफ कहा है कि इस बार 117 सीटों में से 80 सीटों पर नए चेहरों को टिकट दिया जाएगा। इसका मतलब है कि 2022 में चुनाव लड़ चुके कई नेताओं के टिकट कट सकते हैं। राजा वडिंग ने कहा कि यह प्रस्ताव वे राहुल गांधी के सामने रखेंगे और इन सीटों पर पहली बार चुनाव लड़ने वाले युवा नेताओं को मौका मिलेगा। अमरिंदर राजा वडिंग के अनुसार, कांग्रेस पार्टी इस चुनाव में नई ऊर्जा और युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाना चाहती है। उन्होंने बताया कि जिन नेताओं ने पिछले चुनाव में पार्टी का प्रतिनिधित्व किया, उन्हें इस बार प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। यह रणनीति स्पष्ट रूप से युवा नेताओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। इस फैसले से पार्टी के अंदर हलचल और चर्चाओं का माहौल बढ़ गया है।

सीएम पद का फैसला केवल राहुल गांधी और खडगे करेंगे

इसके अलावा, अमरिंदर राजा वडिंग ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर भी साफ शब्दों में टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि स्वयं घोषित व्यक्ति कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकता। इस अधिकार का फैसला केवल राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे करेंगे। वडिंग ने लिखा कि जो भी नेता स्वयं को मुख्यमंत्री घोषित करके दावेदारी करेगा, वह पार्टी की नाराजगी झेल सकता है और कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएगा।

चरणजीत सिंह चन्नी पर बयान और प्रतिक्रिया

अमरिंदर राजा वडिंग के इस बयान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को निशाना बनाया गया। चन्नी के भाई डॉ। मनोहर सिंह ने कहा कि राजा वारिंग सही हैं और सोशल मीडिया पर खुद को मुख्यमंत्री के रूप में पेश करना गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि चन्नी ने ऐसा कुछ नहीं किया, लेकिन वर्तमान में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में चन्नी ही एकमात्र उम्मीदवार हैं। अंततः, मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला केवल विधायक करेंगे।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवक की हत्या

विदिशा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। विदिशा की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। युवती से छेड़छाड़ का विरोध करने पर आरोपियों ने नंदू उर्फ शुभम चौबे (22) को चाकू से गोद डाला। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। वारदात के बाद आसपास मौजूद लोगों ने शुभम को अस्पताल पहुंचाया।

इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुभम एयर कंडिशनर सुधारने का काम करता था। पुलिस के मुताबिक नंदू चौबे करैया खेड़ा रोड निवासी चुन्नी और उसके साथियों को एक युवती से छेड़छाड़ करने से रोका था। मामला थाने तक नहीं पहुंचा था। शनिवार रात करीब 8 बजे चुन्नी अपने साथियों के साथ बाइक से इंद्रप्रस्थ कॉलोनी पहुंचा और शुभम को बाहर बुलाया और वारदात को अंजाम दिया।

मनरेगा नहीं, भ्रष्टाचार बचाओ आंदोलन...

शिवराज सिंह बोले- कांग्रेस को राम, ग्राम और काम से परेशानी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मनरेगा को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कल कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ आंदोलन का ऐलान किया है, लेकिन यह मनरेगा बचाओ नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार बचाओ संग्राम है। कांग्रेस को राम, ग्राम और काम से परेशानी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में भ्रष्टाचार है। मनरेगा में मशीनों, ठेकेदारों से काम कराकर जेब भरने का काम किया गया। एक ही सड़क दो-तीन बार बन रही थी।

नहरों की सफाई के नाम पर पैसे डकारा जा रहा था और 80 साल उम्र से ज्यादा लोग मनरेगा में काम कर रहे थे। शिवराज सिंह चौहान ने सवाल किया कि 8848 करोड़ रुपए मोदी सरकार में दिए गए। 2 लाख करोड़ कांग्रेस शासन में मनरेगा में गए। क्या स्थायी संपत्ति बनाएं हुआ? उन्होंने कहा कि 60 साल से ज्यादा उम्र के 30 प्रतिशत से ज्यादा मजदूर और 80 साल से ऊपर के लोग मनरेगा में काम कर रहे हैं।

शिवराज सिंह चौहान का कांग्रेस पर हमला

शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस झूठ की दुकान है। कांग्रेस सुनती आधा है और झूठ पूरा फैलाती है। कहा जा रहा है मजदूरों को काम नहीं मिलेगा, लेकिन मनरेगा से 'वीबीजी राम जी' बेहतर है। इसलिए इसलिए कांग्रेस के पेट में दर्द हो रहा है। करप्शन बंद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 'वीबीजी राम जी' कानून में 100 की जगह 125 दिन काम की गारंटी है। देर से मजदूरी पर दंड का प्रावधान किया गया है। इस कानून में मजदूरों को प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ-साथ गांव में विकास के कार्य हो। इस पर भी नजर रखी गई है। उन्होंने कहा कि अब गांव के भाई-बहन तय करेंगे कि गांव का विकास कैसे होगा। सरपंच विकसित गांव और पंचायत का प्लान तय करेंगे।

संसद में जब चर्चा हुई तो राहुल गांधी कहां थे?

केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि जब संसद में चर्चा हुई थी तो नेता विपक्ष राहुल गांधी कहां थे? क्यों राहुल गांधी संसद में नहीं थे? क्यों राहुल ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया? उन्होंने कहा कि कांग्रेस की दिक्कत यही है कि भ्रष्टाचार की संभावनाएं समाप्त हो गई। आरोप लगाओ और भाग जाओ, यही कांग्रेस की आदत है। विकसित भारत वीबीजी राम जी एक बड़ा रिफॉर्म है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद तय नहीं कर पा रही है कि क्या करें? इस कानून को लेकर भ्रम न फैले।

इसके लिए बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यक्रम का ऐलान करेंगे। हम जनता के बीच जाएंगे। सही जानकारी रखेंगे। कांग्रेस का मूल विकास विरोधी है। हर विकास का विरोध करना और देश को आगे बढ़ने पर विरोध करना कांग्रेस का काम है। इंदौर मामले पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ये मामला देख रही है।

अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

नेपाली नागरिक के पास मिला इतना चरस, कीमत उड़ा देगी होश

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान महेश (46) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 10.97 किलोग्राम हाई-ग्रेड चरस बरामद की है, जिसकी कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। यह बरामदगी दिल्ली पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है, जिसने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज कर दिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार नेपाली नागरिक महेश नियमित रूप से नेपाल से दिल्ली तक अवैध मादक पदार्थों की खेप पहुंचाने और वितरण करने के धंधे में संलिप्त था। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहा था और इसका नेटवर्क नेपाल से शुरू होकर भारत में विभिन्न स्थानों तक फैला हुआ था। दिल्ली पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पुलिस का मानना है कि इस गिरोह का संबंध बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की तस्करी से है

गिग वर्कर्स को लेकर केंद्र सरकार ने उठाए ये कदम, राघव चड्ढा ने जमकर की तारीफ

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में पिछले कई दिनों से गिग वर्कर्स खासे चर्चा में हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले ये 31 दिसंबर की शाम से हड़ताल पर जाने वाले थे। हालांकि इनकी मांगों को कंपनियों ने मान लिया। यही वजह है कि ये हड़ताल पर नहीं गए। अब केंद्र सरकार ने भी गिर्ग वर्कर्स के लिएड्राफ्ट सामाजिक सुरक्षा नियम जारी किए हैं। राघव चड्ढा ने इसे गिग वर्कर्स के काम को 'मान्यता, सुरक्षा और सम्मान' देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। राघव चड्ढा ने नए लेबर कोड के तहत गिग वर्कर्स के लिए ड्राफ्ट सोशल सिक्योरिटी नियम जारी करने के लिए केंद्र सरकार की तारीफ की।

उन्होंने कहा कि यह उनकी कड़ी मेहनत को "मान्यता, सुरक्षा और सम्मान" देने की दिशा में पहला कदम है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने इस हफ्ते की शुरुआत में कथित तौर पर कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी (सेंट्रल) रूल्स, 2025 नाम से ड्राफ्ट नियम जारी किए, जिसमें गिग वर्कर्स को विभिन्न सोशल सिक्योरिटी लाभों और सुरक्षा उपायों के लिए योग्य होने के मानदंडों के बारे में बताया गया है।

राघव चड्ढा ने गिग वर्कर्स को लेकर क्या कहा?

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सभी गिग वर्कर्स और डिलीवरी पार्टनर्स को बधाई। आपके लिए अच्छी खबर है। केंद्र सरकार के ड्राफ्ट सोशल सिक्योरिटी नियम आपके काम को मान्यता, सुरक्षा और सम्मान देने की दिशा में पहला कदम हैं। भले ही प्लेटफॉर्म (ज़ोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, आदि) ने आपकी बात नहीं सुनी, लेकिन इस देश के लोगों और सरकार ने सुनी।

यह एक छोटी जीत है, लेकिन एक महत्वपूर्ण जीत है। राघव चड्ढा लंबे समय से गिग वर्कर्स के अधिकारों के लिए बोलते रहे हैं, यहां तक कि कई बार संसद में भी इस बारे में उन्होंने बात की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, "ये ड्राफ्ट नियम सिर्फ इसलिए नहीं बनाए गए कि मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया, बल्कि यह इसलिए हुआ क्योंकि आप सभी ने भी अपनी आवाज उठाई। कंपनियों और प्लेटफॉर्म ने आपकी बात नहीं सुनी, लेकिन सरकार ने सुनी, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए।

संसद में रखी थी राघव ने बात

चड्ढा ने कहा कि नए नियमों के तहत, गिग वर्कर्स को कानूनी रूप से मान्यता दी जाएगी और उन्हें एक यूनिक पहचान दी जाएगी। हाल ही में संसद सत्र में, आप राज्यसभा सदस्य ने भारत के गिग वर्कर्स के "दर्द और दुख" के बारे में बात की थी। जो बहुत ज़्यादा दबाव में और कभी-कभी खराब मौसम की स्थिति में काम करते हैं।

सुविचार: धन गया तो कुछ नहीं गया, स्वास्थ्य गया तो थोड़ा सा गया, अगर चरित्र गया तो सब कुछ ही चला गया

केटी रामाराव का कांग्रेस और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला

> नदी जल मुद्दों पर तेलंगाना से विश्वासघात का लगाया आरोप

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर जोरदार हमला बोलते हुए सत्तारूढ़ पार्टी पर नदी जल मुद्दों और शासन व्यवस्था में तेलंगाना की जनता को बार-बार धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के साथ दशकों से हुए अन्याय के लिए कांग्रेस नेताओं को फांसी की सजा मिलनी चाहिए, जबकि मौजूदा कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है।

रविवार को तेलंगाना भवन में पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव की नदी जल और कांग्रेस का विश्वासघात विषय पर प्रस्तुति से पहले केटी रामाराव ने कहा कि विधानसभा में मर्यादाओं का लगातार उल्लंघन हो रहा है, जिसके लिए सदन के नेता के रूप में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का आचरण जिम्मेदार है। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ मुख्यमंत्री द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को अविवेकी और अपमानजनक बताया। केटी रामाराव ने कहा कि चंद्रशेखर राव वह नेता हैं जिन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन के लिए अपनी जान जोखिम में डाली और सूखाग्रस्त क्षेत्रों की तस्वीर बदल दी। इसके विपरीत, रेवंत रेड्डी सत्ता के नशे में चूर होकर संयम खोते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी बीआरएस प्रमुख के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं क्योंकि वे बेसिन, सिंचाई परियोजनाओं और न्यायाधिकरणों के बीच का अंतर तक नहीं समझते। वे कांग्रेस नेताओं को दिवंगत एन.टी. रामाराव द्वारा दी गई 'अंगूठे के आकार के आदमी' की उपाधि के पूरी तरह योग्य हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा चंद्रशेखर राव और हरीश राव को फांसी देने संबंधी टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए केटी रामाराव ने सवाल किया, अगर तेलंगाना के साथ विश्वासघात के लिए किसी को सजा दी जानी चाहिए, तो तेलंगाना को बार-बार धोखा देने वाली कांग्रेस को कितनी बार फांसी दी जानी चाहिए? उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी समेत कांग्रेस नेताओं ने रोजगार सृजन, कृषि ऋण माफी और पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण जैसे अहम वादों से मुंह मोड़ लिया है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि हरीश राव की प्रस्तुति ने अंतरराज्यीय नदी जल मुद्दों पर कांग्रेस द्वारा दशकों से किए जा रहे विश्वासघात और उसके दोहरे रवैये को उजागर कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर तेलंगाना के हितों के विरोधी ताकतों से गठजोड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेतृत्व की राजनीतिक अपरिपक्वता, अक्षमता और भ्रष्टाचार के कारण राज्य को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

चंद्र ग्रहण 3 मार्च को, तिरुमला मंदिर दस घंटे बंद रहेगा

तिरुमला, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वेंकटेश्वर स्वामी के तिरुमला मंदिर के द्वार 3 मार्च को चंद्र ग्रहण के कारण दस घंटे से अधिक समय के लिए बंद रहेंगे। चंद्र ग्रहण 3 मार्च को होगा और लगभग 3.5 घंटे तक चलेगा, सुबह 3:20 बजे से 6:47 बजे तक। परंपरा के अनुसार, ग्रहण से छह घंटे पहले मंदिर के द्वार बंद कर दिए जाते हैं। इस प्रकार तिरुमला मंदिर के द्वार 3 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 7:30 बजे तक बंद रहेंगे।

श्रद्धालुओं को शुद्धि और अन्य शुद्धिकरण अनुष्ठानों के बाद 3 मार्च को शाम 8:30 बजे के बाद दर्शन की अनुमति दी जाएगी। चंद्र ग्रहण के कारण, टीटीडी ने अस्तादला पदपद्माराधना सेवा, कल्याणोत्सवम, उंजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम और सहस्र दीपालकर सेवा रद्द कर दी है।

राज्यपाल ने आईएनएस हिमगिरि और सबमरीन का दौरा किया

पूर्वी नौसैनिक कमांड की परिचालन तत्परता और स्वदेशी क्षमता की सराहना

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शनिवार को विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना के अग्रणी बेड़े के स्वदेशी निर्मित एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस हिमगिरि और एक कलवरी क्लास सबमरीन का दौरा किया।

राज्यपाल के इस दौरे का उद्देश्य राज्य सरकार के नेतृत्व और देश की समुद्री रक्षा सेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग को उजागर करना और भारतीय नौसैनिक इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करना था। राज्यपाल को मंचों पर रहते हुए इकाइयों की परिष्कृत बहु-कार्य क्षमता, अत्याधुनिक स्टेल्थ डिजाइन और उन्नत एकीकृत युद्ध प्रणाली के बारे में विस्तृत ब्रीफिंग दी गई, जो आधुनिक समुद्री युद्ध में प्रभावी निगरानी और प्रभुत्व बनाए रखने में सक्षम हैं। राज्यपाल को भारतीय नौसेना में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसे देश की युद्धक प्लेटफार्म डिज़ाइन और उत्पादन क्षमता की परिपक्वता का संकेत माना गया। 'आत्मनिर्भरता' पर यह जोर भारतीय नौसेना की भविष्य के लिए तैयार बल निर्माण और घरेलू नवाचार तथा औद्योगिक साझेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दौरे के समापन पर राज्यपाल ने पूर्वी नौसैनिक कमांड और पूर्वी बेड़े की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति गहरी सराहना व्यक्त की।

संक्रांति पर ओआरआर टोल पर भीड़ कम करने के लिए बूस्टर बैरियर की व्यवस्था

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहार के दौरान अपने गृहनगर जाने वाले लोग आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के टोल प्लाजा पर लंबी कतारों से बच सकते हैं।

त्योहारों में शहर से बाहर जाने वाले वाहनों की संख्या बढ़ने के कारण सामान्य दिनों की तुलना में टोल पर भारी भीड़ हो जाती है। इस समस्या से निपटने के लिए हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल) ने शमशाबाद, बेंगलुरू और पेद्दा अंबरपेट टोल प्लाजा पर बूस्टर बैरियर लगाने का निर्णय लिया है। प्रत्येक टोल पर दो अलग-अलग लेन फास्टैग उपयोगकर्ताओं के लिए चिन्हित की गई हैं, जिससे वे बिना रुके टोल पार कर सकेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, शमशाबाद टोल प्लाजा पर सामान्य दिनों में 30-35 हजार वाहन गुजरते हैं, लेकिन त्योहारों में यह संख्या तीन घंटे के भीतर 1,50,000 से अधिक हो जाती है। पेद्दा अंबरपेट टोल पर सामान्य दिनों में 20 हजार वाहन गुजरते हैं, जबकि त्योहारों में यह बढ़कर 90 हजार हो जाता है। बेंगलुरू टोल पर भी वाहनों की संख्या तीन गुना बढ़ जाती है।

इस बीच, आर एंड बी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से आग्रह किया है कि 9 से 14 जनवरी और 16 से 18 जनवरी तक हैदराबाद से विजयवाड़ा और वापसी के लिए वाहनों की निर्बाध आवाजाही की अनुमति दी जाए और पंथंगी, कोरलापहाड़ और चिलकल्लू में टोल न लिया जाए।

निम्स में दो युवाओं में वीपीसी का सफल इलाज

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में डॉक्टरों ने दो युवा रोगियों में वेंट्रिकुलर प्रीमेच्योर कॉन्ट्रैक्शन (वीपीसी) का सफलतापूर्वक इलाज किया है। वीपीसी एक ऐसी हृदय संबंधी समस्या है, जिसमें दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है और मरीज को अतिरिक्त धड़कन महसूस होती है।

एनआईएमएस के कार्डियोलॉजी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर और यूनिट-I के प्रमुख डॉ.ओ. साई सतीश के नेतृत्व में हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम ने उन्नत 3डी इलेक्ट्रो-एनाटॉमिकल मैपिंग और रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (आरएफए) तकनीक का उपयोग कर इस समस्या का इलाज किया।

पहली मरीज 31 वर्षीय युवती थी, जो पिछले लगभग पांच वर्षों से बार-बार होने वाले वीपीसी से पीड़ित थी। इस कारण उसके बाएं वेंट्रिकल की कार्यक्षमता काफी कमजोर हो गई थी और दिल सही ढंग से रक्त पंप नहीं कर पा रहा था। गर्भावस्था के दौरान अतालता और दिल की कमजोरी के कारण उसे गंभीर खतरे का सामना करना पड़ा और गर्भपात कराना पड़ा।

दूसरा मरीज 20 वर्षीय युवक था, जो पिछले छह महीनों से सांस फूलने की समस्या से जूझ रहा था। जांच में उसके दिल में गंभीर एलवी डिसफंक्शन पाया गया और वीपीसी का स्तर लगभग 40 प्रतिशत था। बेहतर और स्थायी इलाज के लिए उसने एनआईएमएस के कार्डियोलॉजी विभाग से संपर्क किया।

डॉक्टरों के अनुसार, अत्याधुनिक 3डी मैपिंग तकनीक से अतालता के केंद्र की सटीक पहचान संभव हुई, जिसके बाद रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन के माध्यम से दोनों मरीजों का सफल इलाज किया गया। इलाज के बाद दोनों की हालत में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

कामाटिपुरा में व्यक्ति की हत्या, दो हिरासत में

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार शाम कामाटिपुरा के पुराने शहर में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, अमित सिंह (38) को पोचम्मा मंदिर रोड पर चाकू से हमला किया गया।

गंभीर रूप से घायल अमित को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, अमित की पत्नी नेहा ने आरोप लगाया कि रवि और कुछ अन्य लोगों ने उनके पति को मंदिर बुलाया और फिर उन पर हमला किया।

साइबराबाद पुलिस ने 3 पीड़ितों को बचाया

विशेष अभियान में दर्ज किए कई मामले

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस महिला एवं बाल सुरक्षा विंग ने 27 दिसंबर, 2025 से 2 जनवरी, 2026 तक आयोजित सप्ताहभर के विशेष अभियान के दौरान महत्वपूर्ण प्रवर्तन और जागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस के. श्रीजना के अनुसार के अनुसार मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) ने इस अवधि में रात्रि छापेमारी की, जिसमें तीन पीड़ितों को बचाया गया और तीन मामलों में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो अश्लीलता ट्रैफिक (रोकथाम) अधिनियम (पीआईटीए) के तहत दर्ज थे। छापेमारी के दौरान छह ट्रांसजेंडर भी पकड़े गए। इसी दौरान साइबराबाद शी टीमों ने 147 मूक संचालन किए, जिसमें 45 लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील कृत्यों के दौरान रंगे हाथ पकड़ा गया। 52 मामलों में मामूली दर्ज की गई और शेष अपराधियों को समझाया गया।

उन्होंने कहा कि शी टीमों को विभिन्न शिकायत चैनलों के माध्यम से 26 शिकायतें भी प्राप्त हुईं। परिवार कल्याण पहल के अंतर्गत, पुलिस ने 22 परिवारों को पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए परिवार परामर्श केंद्र और सीडीईडब्लू केंद्रों के माध्यम से पुनर्मिलन कराया। इसके अतिरिक्त, एएचटीयूऔर शी टीमों ने साइबराबाद कमिश्नरेट में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें 3,101 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डीसीपी ने बताया कि जागरूकता कार्यक्रमों में मानव और बाल तस्करी, छेड़छाड़, सोशल मीडिया उत्पीड़न, साइबर धमकी, साइबर धोखाधड़ी, बाल विवाह, बाल मजदूरी, पीछा करना, भिक्षाटन और बाल अधिकार जैसे मुद्दों पर जानकारी दी गई। आपातकालीन हेल्पलाइन जैसे महिला हेल्पलाइन 181, बाल हेल्पलाइन 1098, डायल 100 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 की जानकारी भी साझा की गई।

यह अभियान राजनीती से प्रेरित : नवीन राव

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सनसनी पैदा करने वाले फोन टैपिंग मामले में रविवार को एक महत्वपूर्ण विकास हुआ। विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने इस मामले की जांच को तेज कर दिया है। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सज्जनार के नेतृत्व में जारी नोटिस के जवाब में बीआरएस एमएलसी नवीन राव जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए उपस्थित हुए।

सूत्रों के अनुसार एसआईटी अधिकारियों ने नवीन राव से उनके संबंधों और उन व्यक्तियों के बारे में पूछताछ की, जिनके साथ उन्होंने कथित रूप से इस मामले में सहयोग किया। मिली जानकारी के अनुसार, एसआईटी की पूछताछ के दौरान नवीन राव किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उन्होंने प्रणीत राव और श्रवण कुमार से संबंध होने के आरोपों को खारिज किया, जो इस फोन टैपिंग मामले में आरोपी हैं। बीआरएस एमएलसी ने कहा कि उनके खिलाफ यह अभियान राजनीतिक प्रेरित है और इसका उद्देश्य उनकी साख को नुकसान पहुंचाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आरोपियों से कोई संबंध नहीं है और न ही उन्होंने उनसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई संपर्क किया है। नवीन राव ने जोर देकर कहा कि वह सिद्ध कर सकते हैं कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। एसआईटीअधिकारियों ने नवीन राव का बयान रिकॉर्ड किया। इसके अलावा जानकारी मिली है कि एसआईटी जल्द ही बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तथा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के.टी. रामाराव से भी इस मामले में पूछताछ करने की तैयारी कर रही है। दोनों को नोटिस जल्द ही जारी किए जाने की संभावना है।

स्थानीय चुनाव लड़ने के लिए दो बच्चों के नियम को खत्म करने वाला विधेयक पास

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा ने शनिवार को एक विधेयक पारित कर स्थानीय निकाय चुनावों लड़ने के लिए उम्मीदवारों के दो बच्चे वाले नियम को खत्म कर दिया। इस नियम के तहत दो से अधिक बच्चे वाले लोग स्थानीय निकाय चुनाव नहीं लड़ सकते थे। पंचायत राज मंत्री दानासारी अनसूया सीतक्का ने तेलंगाना पंचायत राज (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश करते हुए कहा कि दो बच्चों का नियम 1994 में जनसंख्या नियंत्रण के लिए लाया गया था, ताकि 1980 और 90 के दशक में जनसंख्या विस्फोट से जुड़ी खाद्य सुरक्षा, बेरोजगारी और गरीबी की चुनौतियों से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने करीब 30 साल बाद जनसंख्या नीति की समीक्षा की है। इसमें सामने आया कि वर्तमान में तेलंगाना के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रजनन दर 1.7 है, जो प्रतिस्थापन दर से कम है।

तेलंगाना मेडिकल काउंसिल में गैर-डॉक्टर सदस्य बढ़ाने के आदेश का डॉक्टरों ने किया विरोध

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा मेडिकल काउंसिल में चार गैर-डॉक्टर सदस्यों की संख्या बढ़ाने के आदेश का चिकित्सा जगत में विरोध बढ़ता जा रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), तेलंगाना इकाई ने इस आदेश को लोकतांत्रिक भावना के खिलाफ बताया और इसे तुरंत वापस लेने की मांग की।

तेलंगाना टीचिंग गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीटीजीडीए) ने कहा कि गैर-डॉक्टर सदस्यों की संख्या बढ़ाने से डॉक्टरों के प्रतिनिधित्व और निर्णय लेने के अधिकार कमजोर होंगे। इससे मेडिकल काउंसिल के प्रभावी कामकाज, पेशेवर निगरानी और स्वायत्तता पर नकारात्मक असर पड़ेगा। टीटीजीडीए का कहना है कि चिकित्सा परिषद का नेतृत्व मुख्य रूप से डॉक्टरों द्वारा होना चाहिए, क्योंकि पेशेवर विनियमन सबसे अच्छी तरह उन्हीं द्वारा सुनिश्चित किया जा सकता है, जिनके पास विशेषज्ञता और रोगी देखभाल की जिम्मेदारी होती है।

महिलाओं को जनसंख्या के आधार पर विधानसभाओं में आरक्षण मिले : श्रीनिवास गौड़

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्य मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़, कर्नाटक राज्य परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी, शिक्षा मंत्री मधु बांगारप्पा और सांसद श्रीनिवास पूजारी ने रविवार को बेंगलुरू में एक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित "कर्नाटक महिला नारी शक्ति राज्य स्तरीय सम्मेलन" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि भले ही भारत को स्वतंत्रता मिले लगभग 80 साल हो गए हैं, महिलाएं आज भी रोज़ अपमान, बलात्कार और हमलों का सामना करती हैं। उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि महिलाओं के लिए बने कानून होने के बावजूद उनका सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने मांग की कि महिलाओं के खिलाफ अनियोजित घटनाओं, बलात्कार, दहेज उत्पीड़न और अन्य ऐसे मामलों के लिए त्वरित न्यायालय स्थापित किए जाएं और दो महीने के भीतर न्याय सुनिश्चित किया जाए, साथ ही कड़े दंड दिए जाएं। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं कुल जनसंख्या का 50 प्रतिशत हैं, तो उन्हें 50 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन उन्होंने अफसोस जताया कि विधानसभाओं में केवल 33 प्रतिशत आरक्षण ही लागू किया गया है। उन्होंने इसे तुरंत लागू करने और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आवश्यक कानून बनाने और लागू करने की मांग की, ताकि महिलाओं को वास्तविक स्वतंत्रता मिल सके। उन्होंने आशा व्यक्त की कि देश के सभी राज्यों में ऐसे महिला सम्मेलन आयोजित किए जाएं ताकि महिलाओं में जागरूकता फैलाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे सम्मेलन महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और समान अधिकारों पर चर्चा करने का मंच प्रदान करते हैं और महिलाओं की शक्ति को मजबूत करने में योगदान देते हैं।

बस की टक्कर से जिम ट्रेनर युवती की मौत

संगारेड्डी, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को रामचंद्रपुरम में बीएचईएल बस डिपो के पास हुई सड़क दुर्घटना में एक युवती जिम ट्रेनर की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बस ने उसके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी।

पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान उमामहेश्वरी (26) के रूप में हुई है, जो बीरामगुडा स्थित एक निजी जिम में फिटनेस प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत थीं। हादसे में उन्हें सिर में गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सिकंदराबाद निगम के गठन तक हम लड़ते रहेंगे : पूर्व मंत्री तलसानी

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से विशाल रैली निकालने का ऐलान

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और विधानसभा में डिप्टी फ्लोर लीडर तलसानी श्रीनिवास यादव ने रविवार को घोषणा की कि 11 जनवरी को सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाले सातवें विधानसभा क्षेत्र और कैंटोनमेंट क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और नेताओं के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी।

रविवार को उन्होंने अपने कैंप ऑफिस, वेस्ट मारेडपल्ली में सनत नगर और कैंटोनमेंट क्षेत्रों के प्रमुख पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि 17 जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से 10 हजार लोगों की विशाल रैली निकाली जाएगी, जिसमें सिकंदराबाद नगर निगम के गठन की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह रैली क्लॉक टावर, पटनी और पैराडाइज सर्कल होते हुए एमजी रोड पर महात्मा गांधी की मूर्ति पर समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि 11 जनरी की बैठक में इस विशाल रैली को सफल बनाने के उपाय और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बैठक में सभी पार्टियों के जनप्रतिनिधियों और नेताओं, बुद्धिजीवियों, शिक्षित व्यक्तियों, कॉलोनी और झुग्गी समितियों, व्यापार और उद्योग संगठनों को आमंत्रित किया जाएगा। श्रीनिवास यादव ने चेतावनी दी कि वे ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण सिकंदराबाद क्षेत्र की पहचान को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, सीमांकन प्रक्रिया के तहत राज्य सरकार ने आउटर रिंग रोड के भीतर स्थित 20 नगरपालिकाओं और 7 निगमों को जीएचएमसी में मिला दिया, जिसमें पहले 150 डिवीज़न थे, जिन्हें बढ़ाकर 300 कर दिया गया। सरकार इन 300 डिवीज़नों के साथ तीन निगम बनाने की तैयारी कर रही है, जबकि सिकंदराबाद क्षेत्र, जिसका इतिहास 220 साल से अधिक का है, उपेक्षित रह गया है। जुड़वां शहरों की पहचान है हाइड्राबाद और सिकंदराबाद। ऐसे ऐतिहासिक क्षेत्रों को बिना गंभीर विचार और किसी से राय लिए कैसे विभाजित किया जा सकता है। उन्होंने रेवंत रेड्डी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार भूल गई है कि यह एक लोकतांत्रिक देश में है और यह मानती है कि वह एक राजशाही शासन में है। उन्होंने सिकंदराबाद क्षेत्र के इतिहास और जनता की राय को नजरअंदाज कर लिए जा रहे एकतरफा निर्णयों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि सरकार सिकंदराबाद की पहचान और इतिहास को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि नगर निगम के नाम पर सिकंदराबाद निगम स्थापित होने तक वे सरकार पर दबाव बनाने के लिए विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके आंदोलन में सभी पार्टियों के जनप्रतिनिधि, समान विचारधारा वाली पार्टियां, कॉलोनी और झुग्गी समितियां, मजदूर, व्यवसाय और व्यापार संघ शामिल होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिकंदराबाद निगम की स्थापना तक वे गैर-हिंसक तरीकों से चरणबद्ध संघर्ष करेंगे। बैठक में लश्कर जिला उपलब्धि समिति के अध्यक्ष गुर्रम पवन कुमार गौड़, पूर्व निगम अध्यक्ष गज्जेला नागेश, पूर्व कैंटोनमेंट बोर्ड उपाध्यक्ष महेश्वर रेड्डी, रामगोपालपेट डिवीज़न अध्यक्ष अत्तिली श्रीनिवास गौड़ और मोण्डा मार्केट डिवीज़न के नेता उपस्थित थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, AMAR SINGH, S/o. Mr. SUMMERI SINGH, Father of HARSHVARDHAN SINGH, Residing at D-4/22, DAE Housing Colony, ECIL Post, Hyderabad-500062, Telangana. My Son name changed from HARSHVARDHAN to HARSHVARDHAN SINGH & DOB is 11/03/2014 vide Affidavit No. 42AA 338868 dt.30-12-2025

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ट्रक से टकराई तीर्थ यात्रियों से भरी बस, बाल-बाल बची 55 लोगों की जान

जमुई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। खैरा बाजार में रविवार अहले सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। तीर्थ यात्रियों से भरी एक बस सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी भी यात्री को जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, कुछ तीर्थ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जिनका इलाज खैरा स्थित अस्पताल में चल रहा है। हादसे में बस का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के समय खैरा बाजार और आसपास के इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि कोहरे के कारण ट्रक की लाइट और इंडिकेटर स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दी, जिससे यह दुर्घटना हुई। बस में सवार तीर्थ यात्री भीमसेन ने बताया कि वे आगरा के रहने वाले हैं

आईआरसीटीसी घोटालाः लालू प्रसाद यादव पहुंचे एचसी

ट्रायल कोर्ट के आदेश को दी चुनौती

पटना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कथित आईआरसीटीसी घोटाला मामले में बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले पर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की कोर्ट 5 जनवरी को सुनवाई करेगी। दरअसल, 13 अक्टूबर को, राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने लालू यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए थे। तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप है। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि पूर्व रेल मंत्री लालू यादव और उनके परिवार ने रेलवे के प्रमुख रहने के दौरान एक निजी फर्म को ठेके देने के लिए रिश्वत के रूप में प्रमुख भूमि और शेयर लिए।

रेल मंत्री रहने के दौरान आईआरसीटीसी में किया घोटाला

आरोपों के अनुसार, 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में लालू यादव के कार्यकाल के दौरान, रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटलों को एक हेरफेर की गई टेंडर प्रक्रिया के जरिए सुजाता होटल नामक कंपनी को पट्टे पर दिया गया था। बदले में, करोड़ों की ज़मीन को उसके बाजार मूल्य के बहुत कम दाम पर लालू की पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव से कथित रूप से जुड़ी एक कंपनी को ट्रांसफर कर दिया गया था। तो वहीं यादव परिवार ने जांच पर सवाल उठाया है और कहा है कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। उनका कहना है कि मामला राजनीति से प्रेरित है।

सरकारी खजाने का हुआ नुकसान

13 अक्टूबर को पारित आदेश में राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा कि यह प्रथम दृष्टया निष्कर्ष पर पहुंचा है कि लालू यादव को प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी थी और उन्होंने होटलों के ट्रांसफर को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया। कोर्ट ने कहा कि निविदा प्रक्रिया में भौतिक संशोधन थे। यह एक अलग संभावना के रूप में सामने आया है कि बिक्री के समय, भूमि के पार्सल को कम आंका गया था और फिर यह लालू यादव के हाथों में आ गया। यह देखा गया कि लालू यादव के इन कार्यों से सरकारी खजाने को बहुत नुकसान हुआ।

ट्रायल कोर्ट ने क्या कहा था?

कोर्ट ने कहा कि काफी लोग एक साजिश में शामिल थे, इसके अलावा, कोर्ट ने जोर देकर कहा कि पूरी प्रक्रिया निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की आड़ में क्रोनी कैपिटलिज्म के बराबर है। कोर्ट ने कहा कि पूरा ट्रांज़ैक्शन पहली नजर में धोखाधड़ी वाला है, और आरोपी को इस स्टेज पर बरी नहीं किया जा सकता है। इसके बाद ट्रायल कोर्ट ने लालू, राबड़ी और तेजस्वी पर आरोप तय कर दिया।

अब इस मामले को लेकर लालू दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे हैं।

पार्सल के बहाने 12वीं के छात्र का अपहरण, न्यूड वीडियो बनाकर मांगी फिरौती

पटना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कृष्णापुरी थाना क्षेत्र में 12वीं के एक छात्र को पार्सल देने के बहाने अपहरण कर उसके साथ मारपीट व आपत्तिजनक दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोपितों ने छात्र का नग्न वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। उसे जान से मारने की धमकी भी दी है। इस मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरु कर दी है। घटना दोपहर करीब एक बजे की है। एक हास्टल में रहकर पढ़ाई करने वाले छात्र के पास एक अनजान काल आया। कहा कि पार्सल आया है।

जैसे ही छात्र नीचे पहुंचा वहां पहले से मौजूद चार युवकों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों में पीड़ित का एक पुराना सहपाठी भी शामिल था। विरोध करने पर अपराधियों ने पिस्टल सटाकर उसे जबरन गाड़ी में बैठा लिया। एसके पुरी स्थित एक अपार्टमेंट की छत पर ले गए। अपार्टमेंट की छत पर आरोपितों ने छात्र के साथ अमानवीय व्यवहार किया। उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। कपड़े उतारकर वीडियो बनाया गया।

संभल में गांववालों ने खुद ही गिरा दी मस्जिद, बुलडोजर एक्शन से पहले हटाया गया मलबा

संभल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के संभल जिले में सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर गांव में प्रशासन एक्शन से पहले ही ग्रामीणों ने रात में ही मदीना मस्जिद को जमींदोज कर दिया। बुडलोडर एक्शन से पहले ही लोगों ने आधी रात को मस्जिद तोड़कर गिरा दी। प्रशासन के बुल्डोजर आने से पहले ही मस्जिद को तोड़ दिया गया और पूरा मलबा भी साफ कर दिया गया। संभल के सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर गांव में करीब 439 वर्ग मीटर जमीन है। चकबंदी प्रक्रिया के तहत साल 2000 में गांव के गरीब परिवारों को आवास आवंटन के लिए इस जमीन को सुरक्षित किया गया था, लेकिन 2005 के लगभग इस जमीन पर कब्जा करके अवैध मस्जिद का निर्माण कर दिया। 14 जून 2025 की लेखपाल की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर राजस्व संहिता की धारा 67 के अंतर्गत मुतवल्ली हाजी शमीम को सुनकर कार्यवाही की गई।

जब मस्जिद नहीं टूटी तो रविवार की सुबह 10 बजे 31 अधिकारियों के दलबल के साथ बुलडोजर के जरिए इस अवैध मस्जिद को प्रशासन जमीदोज करने आता, लेकिन उससे पहले ही रात को लोगों ने बुलडोजर के जरिए दो मंजिला मदीना मस्जिद को खुद ही गिरा दिया और मलबा भी यहां से साफ कर दिया। हालांकि इस गांव में और मस्जिद से जुड़े हुए लोग कोई भी कैमरे पर बात करने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन यह साफ हो गया है कि प्रशासन के बुलडोजर के जरिए मस्जिद तोड़ने से पहले ही मस्जिद से जुड़े लोगों ने खुद ही पूरी रात में दो मंजिला मस्जिद को गिरा दिया। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि शनिवार तक जिस जगह पर मदीना मस्जिद हुआ करती थी। वहां पर अब सिर्फ खाली जमीन है। इस जगह पर नमाज अदा की जाती थी, जहां पर वजू किया जाता था ,वह सारी जगह से अतिक्रमण हटाकर जमीन को समतल कर दिया गया है और मलबा भी हटा दिया गया है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 7 दिवसीय दौरे पर पहुंचे मथुरा

मथुरा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत रविवार सुबह तेलंगाना सुपरफास्ट ट्रेन से मथुरा पहुंचे। सात दिवसीय प्रवास के दौरान मोहन भागवत वृंदावन के केशव धाम में तीन दिन तक संघ की बैठक को संबोधित करेंगे। केशव धाम में आयोजित बैठक में संगठन के कई पदाधिकारी और मंत्री शामिल हो रहे हैं। इसके बाद 8 से 10 जनवरी तक मोहन भागवत संगठन के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

मथुरा पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत।

बताया गया कि वृंदावन के केशव धाम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महत्वपूर्ण बैठक (5 से 7 जनवरी) होने जा रही है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 और संगठन के कई अहम बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत को आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक 5 जनवरी से वृंदावन के केशव धाम में शुरू होगी। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों, कई मंत्रियों के अलावा प्रचारक भी शामिल होंगे। आरएसएस प्रमुख की बैठक को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसको लेकर सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस टीम रविवार को ही केशव धाम में पहुंचकर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत रविवार सुबह तेलंगाना सुपर फास्ट ट्रेन से मथुरा जंक्शन पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर कुछ पदाधिकारियों की मौजूदगी में उनका स्वागत किया गया। इसके बाद काफिला वृंदावन के लिए रवाना हो गया। बताया जा है कि केशव धाम में आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक में मीडिया के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि गोपनीय बैठक के माध्यम से 2027 के विधानसभा चुनाव समेत कई बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

होने वाली बड़ी साली पर आया दूल्हे का दिल! खरमास में ही कर ली शादी

अरवल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बड़ी बहन से शादी तय थी। अप्रैल का डेट दोनों परिवार वालों ने फिक्स किया था। इस बीच होने वाले दामाद की, होने वाली पत्नी और उसकी छोटी बहन से मोबाइल पर बातचीत होती थी। मगर, होने वाले जीजा का साली पर दिल आ गया। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों ने आव देखा न ताव खरमास में ही शादी रचा ली। बिहार के अरवल जिले से रिश्तों के उलझाव और प्रेम की ये दिलचस्प कहानी सामने आई है। कुर्था थाना क्षेत्र के भतूबिगहा निवासी आदित्य कुमार की शादी सबलकसराय की एक लड़की से तय हुई थी। तीन महीने पहले धूमधाम दोनों परिवार वालों ने धूम-धाम से इंगेजमेंट किया था। अब दोनों परिवार अप्रैल में होने वाली शादी की तैयारियों में जुटा था। लेकिन इसी बीच दूल्हे का दिल अपनी होने वाली बड़ी साली पर आ गया। मोबाइल पर शुरू हुई बातचीत धीरे-धीरे गहरे प्रेम में बदल गई। समाज और लोक-लाज की परवाह किए बिना, दोनों ने भागकर शादी करने का फैसला किया।

सांसद डिंपल यादव की एडिटेड फोटो सोशल मीडिया पर की वायरल

साइबर क्राइम थाने में दर्ज हुई एफआईआर

कानपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मैनपुरी सांसद डिंपल यादव की एडिटेड फोटो सोशल मीडिया में वायरल करने का मामला सामने आया है। समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीन यादव ने फेसबुक पेज इंडियन स्टोरी के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। क्राइम ब्रांच ने आईडी बनाने वाले की तलाश शुरू कर दी है। प्रवीन यादव की ओर से साइबर क्राइम ब्रांच थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक 27 दिसंबर 2025 को सोशल मीडिया पर इंडियन स्टोरी नाम की आईडी से सांसद डिंपल यादव और उनकी पुत्री की एडिटेड आपत्तिजनक फोटो वायरल की गईं।

आरोप है कि फोटो सांसद की भावनाओं को आहत करने और बदनाम करने की नीयत से वायरल की गई। साइबर क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर सतीश यादव ने बताया कि फोटो वायरल करने वाले पर महिला के निजी पलों में ताकझांक करने, गोपनीयता का उल्लंघन और अश्लील तस्वीर वायरल करने की एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी की जानकारी के लिए टीम लगा दी गई है। आईडी की जानकारी कराई जा रही है। शिकायतकर्ता से अन्य

गोरखपुर में सील हो चुके निजी अस्पताल में गर्भवती की मौत, तोड़फोड़

गोरखपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान सुबह महिला की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की। सूचना पर पहुंची गुलरिहा पुलिस ने किसी तरह स्थिति को संभाला। घटना के बाद अस्पताल संचालक और स्टाफ मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि जिस अस्पताल में यह घटना हुई है उसे तीन वर्ष पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सील किया था। महराजगंज जिले के श्यामदेउरवां स्थित लखिमा गांव के सुनील कुमार ने गुलरिहा पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी रीतू प्रसव के लिए अपने मायके परसौना आई हुई थी। सुबह करीब नौ बजे प्रसव पीड़ा होने पर मायके पक्ष के लोग उसे तरकुलहां चौराहे पर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। सुनील कुमार का आरोप है कि अस्पताल पहुंचते ही संचालक ने इलाज शुरू करने से पहले 40 हजार रुपये जमा करा लिए। कुछ देर बाद रीतू की हालत बिगड़ने लगी। इस पर परिजनों ने डाक्टरों से स्थिति की जानकारी मांगी, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। आरोप है कि हालत गंभीर होने पर अस्पताल संचालक ने बिना परिजनों को बताए ही पत्नी को अपने निजी वाहन में बैठाया और बीआरडी मेडिकल कालेज के गेट पर छोड़कर फरार हो गया। परिजनों के अनुसार, तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। मौत की जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। वे वापस अस्पताल पहुंचे और हंगामा करते हुए तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना मिलने पर सीओ गोरखनाथ और गुलरिहा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को मिली बड़ी जिम्मेदारी, प्रियंका गांधी की करेंगे मदद

सहारनपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी के तहत स्क्रीनिंग कमेटियां गठित की हैं। असम के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता पार्टी महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को सौंपी गई है। इसी कमेटी में सहारनपुर लोकसभा से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को सदस्य बनाया गया है, जो असम में संगठन और उम्मीदवार चयन से जुड़े कामों में प्रियंका गांधी की मदद करेंगे। यह फैसला पार्टी की रणनीतिक तैयारियों का अहम हिस्सा माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना और सही उम्मीदवारों का चयन करना है।

असम स्क्रीनिंग कमेटी में इमरान मसूद की भूमिका

असम के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी में प्रियंका गांधी वाड्रा चेयरपर्सन हैं, जबकि सदस्य के तौर पर सप्तगिरी शंकर उलाका, इमरान मसूद और डॉ। सिरिवेला प्रसाद को शामिल किया गया है। इमरान मसूद को संगठनात्मक अनुभव और चुनावी रणनीति की समझ के कारण यह जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय इमरान मसूद का अनुभव असम जैसे महत्वपूर्ण राज्य में कांग्रेस की रणनीति को धार देगा।

टीएस सिंहदेव को भी मिली अहम जिम्मेदारी

तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी की कमान वरिष्ठ नेता टीएस। सिंह देव को सौंपी गई है। उनके साथ यशोमती ठाकुर, जी।सी। चंद्रशेखर और अनिल कुमार यादव सदस्य के रूप में शामिल हैं। पार्टी ने सिंह देव को यह जिम्मेदारी देकर साफ संकेत दिया है कि अनुभवी नेताओं को चुनावी रणनीति में प्रमुख भूमिका दी जा रही है।

अन्य राज्यों के लिए भी बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटियां

कांग्रेस ने केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल के लिए भी अलग-अलग स्क्रीनिंग कमेटियों का गठन किया है। केरल में मधुसूदन मिस्त्री को चेयरपर्सन बनाया गया है, जबकि सैयद नसीर हुसैन, नीरज डांगी और अभिषेक दत्त सदस्य हैं। पश्चिम बंगाल के लिए बी।के। हरिप्रसाद चेयरपर्सन हैं और उनके साथ डॉ। मोहम्मद जावेद, ममता देवी और बीपी। सिंह को जिम्मेदारी दी गई है।

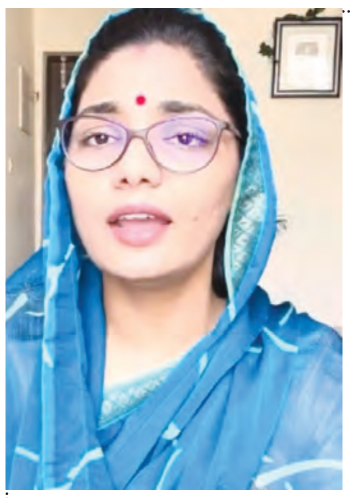

बयान दर्ज कराने पहुंचीं लोक गायिका नेहा को लौटाया

लखनऊ पुलिस बोली- फिर बुलाएंगे

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर शनिवार रात लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली बयान दर्ज कराने पहुंचीं। यहां करीब 2 घंटे रहीं, लेकिन पुलिस ने बिना बयान लिए ही उन्हें लौटा दिया। घर जाते समय नेहा ने कहा- पुलिस ने बताया है कि किसी महिला का बयान रात में दर्ज नहीं कर सकते। ऐसे में उन्हें फिर से नोटिस देकर बुलाया जाएगा। जब भी नोटिस दिया जाएगा, तो हम बयान दर्ज कराने आएंगे। इससे पहले खबर आई थी कि बयान दर्ज कराने आईं नेहा सिंह राठौर को हिरासत में लिया गया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा था- चौकीदरवा कायर बा। इसके बाद वाराणसी और लखनऊ में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। करीब 15 दिन पहले हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने उनको बयान देने के लिए नोटिस भेजा था। उस समय नेहा ने तबीयत का हवाला दिया था। शुक्रवार को फिर उनको नोटिस भेजा गया। इसके बाद रात पति के साथ कोतवाली पहुंचीं।

इस पूरे मामले पर हाईकोर्ट के अधिवक्ता मोहित शर्मा ने कहा कि नेहा सिंह राठौर एक चर्चित चेहरा हैं। उन्हें यह जानकारी रही होगी कि शाम ढलने के बाद किसी महिला को न हिरासत में लिया जा सकता है और न ही उसका बयान हो सकता है। वकीलों से सलाह के बाद रणनीति के तहत नेहा सिंह राठौर रात करीब हजरतगंज कोतवाली पहुंचीं।

इसपर नेहा ने कहा था- इस वक्त मेरे साथ क्या और क्यों हो रहा है। मैं इस सरकार से सवाल पूछ रही हूं। लेकिन, सरकार के पास मेरे सवालों का कोई जवाब नहीं है। बदले में मुझे गालियां दिलवाई जा रही हैं। 400 शिकायतें नहीं 4 लाख एफआईआर करवा दीजिए, आपसे नहीं डरूंगी।

22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को लेकर नेहा ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए थे। सरकार पर सवाल उठाए थे। इन पोस्टों से आहत होकर अभय प्रताप सिंह ने हजरतगंज कोतवाली में नेहा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने और देश की अखंडता को तोड़ने वाली पोस्ट की है। अभय प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि नेहा सिंह राठौर की हरकतें सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और अशांति पैदा करने के उद्देश्य से की गई थीं। उन्होंने दावा किया कि राठौर की पोस्ट, जिन्हें पाकिस्तान में व्यापक रूप से शेयर किया गया, का इस्तेमाल पड़ोसी देश के मीडिया द्वारा भारत की आलोचना करने के लिए किया जा रहा था, जिससे देश की छवि को नुकसान पहुंच रहा था।

मामला दर्ज होने के बाद नेहा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था- पहलगाम हमले के जवाब में सरकार ने अब तक क्या किया है? क्या आपने मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की है? अगर हिम्मत है, तो जाकर आतंकवादियों के सिर वापस लाओ!

भावुक हुआ राष्ट्रकथा का मंचः 'दबदबा' सुन खुद को रोक सके बृजभूषण सिंह, मंच पर ही बहने लगे आंसू

गोंडा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के गोंडा में नंदिनी नगर में राष्ट्र कथा चल रही है। इसके दूसरे दिन का कार्यक्रम उस समय भावनात्मक हो गया, जब मंच पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के आंसू छलक पड़े। सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज ने अपने संबोधन के बीच राजनीतिक दबदबे की चर्चा की तो 'दबदबा' शब्द सुनकर बृजभूषण शरण सिंह भावुक हो गए। उनकी आंखों से अश्रुधारा बह निकली।

हालांकि फिर वह संभले और पास में रखी रूमाल से आंखें पोंछी और कथा सुनने लगे। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रकथा की व्यास गद्दी से सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज ने बच्चों और श्रद्धालुओं को संबोधित करना शुरू किया। मंच से राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया। इसी दौरान उन्होंने बृजभूषण शरण सिंह के संघर्षों और प्रभाव का जिक्र किया। इस पर पूर्व सांसद अपने पुराने दिनों और राजनीतिक संघर्षों को याद करके भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। उनकी आंखें छलक पड़ीं। बताया गया कि इस घटना के बाद करीब एक घंटे तक बृजभूषण शरण सिंह भावनात्मक रूप से उसी अवस्था में बैठे रहे।

इस दौरान सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज ने कहा कि 'यहां इनका बाप बैठा है, मेरा भी दबदबा था, है और रहेगा।' घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया तो यह वायरल हो गया। कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु और समर्थक भी इस दृश्य से कुछ देर के लिए भावुक नजर आए।

जेल में बंद पूर्व सपा विधायक दीपनारायण यादव पुलिस रिमांड पर

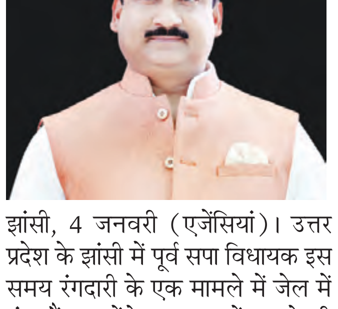

झांसी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी में पूर्व सपा विधायक इस समय रंगदारी के एक मामले में जेल में बंद हैं। उन्होंने कुछ हफ्तों पहले ही एमपी-एमएलए कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। रंगदारी और डकैती के मामले में वे एक महीने से ज्यादा समय तक फरार रहे हैं। बीते दिन शनिवार को कोर्ट ने पुलिस को सपा विधायक की रिमांड सौंप दी। हालांकि ये रिमांड महज 8 घंटे की ही थी। झांसी में पूर्व सपा विधायक दीप नारायण यादव को रंगदारी के एक मामले में 8 घंटे की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस उनसे 19,000 की शेष रंगदारी राशि बरामद करेगी।

यह मामला नवंबर 2024 में प्रेम सिंह पालीवाल की शिकायत पर दर्ज हुआ था। यादव पहले ही सरेंडर कर चुके हैं और गैंगस्टर एक्ट के तहत उनकी 20 करोड़ से अधिक की संपत्ति भी कुर्क की जा चुकी है।

सोमवार को लागू होगी रिमांड

कोर्ट ने यह रिमांड मोठ पुलिस को मामले से जुड़े कुछ हज़ार रुपये बरामद करने के लिए दी गई है। उन्होंने बताया कि रिमांड सोमवार को लागू होगी। यादव और दो अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, लूट, डकैती और 32,000 रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। यादव के एक करीबी सहयोगी अशोक गोस्वामी को जमानत मिल गई है, जबकि दूसरा आरोपी अनिल यादव अभी भी हिरासत में है। पुलिस ने बताया कि गोस्वामी से 8,000 रुपये और अनिल यादव से 5,000 रुपये बरामद किए गए हैं। इसके बाद बाकी रकम की रिकवरी के लिए पूर्व विधायक की रिमांड के लिए कोर्ट में एक एप्लीकेशन दायर की गई।

अतिरिक्त जिला सरकारी वकील राजेंद्र रावत ने बताया कि मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने सोमवार को पुलिस को आठ घंटे की सशर्त रिमांड दी उन्होंने बताया कि रिमांड अवधि के दौरान, यादव को बाकी 19,000 रुपये बरामद करने की कोशिश में उनके पैतृक गांव बुधावली ले जाया जाएगा। यह मामला 20 नवंबर को भुजोद गांव के रहने वाले प्रेम सिंह पालीवाल की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि 2 नवंबर को पूर्व विधायक और उनके साथियों ने उनके साथ मारपीट की,

मैराथन दौड़ में तीसरा स्थान...लेकिन जीत का जश्न मनाने से पहले ही हार्ट अटैक से मौत

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर तालासरी तालुका के वेवजी में लोक भारती संस्था के भारती अकादमी अंग्रेजी स्कूल में एक आश्चर्यजनक घटना घटी। स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें आयोजित मैराथन दौड़ में तीसरा स्थान पाने वाली 15 वर्षीय छात्रा की कुछ की देर में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने अनुसार दौड़ पूरी करने के बाद दिल का दौरा पड़ने से लड़की की मौत होने की संभावना है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा और अभी कुल क्लियर नहीं कहा जाता सकता है। केवल हार्ट अटैक आने की संभावना जताई जा रही है। छात्रा की मौत होने से सीमावर्ती क्षेत्रों के उम्बारगांव और तालासरी तालुका में शोक की लहर है।

बीजेपी विधायक जनार्दन रेड्डी क्यों चाहते हैं जेड श्रेणी की सुरक्षा

सिद्धारमैया से लेकर अमित शाह तक को लिखा पत्र

बल्लारी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेल्लारी जिले के बीजेपी विधायक जी जनार्दन रेड्डी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अलग-अलग चिट्ठियां लिखीं। उन्होंने अपने लिए तुरंत जेड -श्रेणी की सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बल्लारी में उन पर पहले से प्लान किया गया जानलेवा हमला हुआ था। 1 जनवरी को वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण के लिए उन्होंने बैनर लगाने को लेकर हुए झगड़े का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई थी। जनार्धन रेड्डी समेत कई लोगों पर इस झगड़े के सिलसिले में केस दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में रेड्डी ने कहा कि नए साल के दिन उनके बल्लारी आवास पर हुआ हमला कोई सामान्य राजनीतिक झगड़ा नहीं था, बल्कि बल्लारी कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी और उनके साथियों की तरफ से पहले से प्लान किया गया और सिस्टमैटिक जानलेवा हमला था।

'पुलिस ने नहीं की कार्रवाई'

पूर्व मंत्री ने स्थानीय पुलिस पर कार्रवाई न करने और लापरवाही का सीधा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी जान को खतरा ज्यादा बड़ा खतरा है। घटनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि दोपहर करीब 2 बजे, भरत रेड्डी के समर्थकों ने उनके घर के बाड़े के अंदर गैर-कानूनी तरीके से बैनर लगाने की कोशिश की और पुलिस के दखल के बाद उन्हें भगा दिया गया। जनार्दन रेड्डी ने आरोप लगाया कि शाम करीब 5.30 बजे भरत रेड्डी के करीबी साथी सतीश रेड्डी 40-50 हथियारबंद लोगों के साथ, बोतलें, पत्थर, लाठियां और जानलेवा हथियार लेकर उनके परिसर में घुस गए, कंपाउंड के अंदर बैठ गए और खुलेआम धमकियां दीं। जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी रही। रेड्डी के मुताबिक, जब वह गंगावती से लौटे तो शाम करीब 7 बजे हिंसा बढ़ गई

विधायक पर लगाया आरोप

जनार्दन रेड्डी ने आरोप लगाया कि विधायक नारा भरत रेड्डी के कहने पर, सतीश रेड्डी और उसके आदमियों ने सीधा हमला किया, जिसके दौरान एक प्राइवेट बंदूकधारी ने उन्हें और उनके घर को निशाना बनाते हुए करीब आठ राउंड फायरिंग की। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा और किस्मत से, मैं बाल-बाल बच गया। उन्होंने कहा कि पुलिस स्थिति को कंट्रोल करने में नाकाम रही। जनार्दन ने बताया कि रात करीब 9 बजे, भरत रेड्डी खुद सैकड़ों समर्थकों के साथ एसपी सर्कल के पास पहुंचे। इनके पास लाठियां, पत्थर और पेट्रोल बम थे। इससे उन्होंने जिसे 'आतंक-शैली का हमला' बताया, वह शुरू हो गया।

'कर्नाटक में चल रहा है जंगल राज'

घटना के दौरान, बंदूकधारी की अंधाधुंध फायरिंग में कथित तौर पर राजा शेखर की जान चली गई, जिसके बाद पुलिस ने व्यवस्था बहाल करने के लिए आंसू गैस, हवाई फायरिंग और लाठीचार्ज का सहारा लिया। रेड्डी ने अपने लेटर में अपने और अपने परिवार के लिए तुरंत 'जेड कैटेगरी या उसके बराबर हाई-लेवल पुलिस सुरक्षा की मांग की। उन्होंने भरत रेड्डी, सतीश रेड्डी और उनके साथियों के खिलाफ हत्या के मामले दर्ज करने और ड्यूटी में लापरवाही के लिए पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की।

इस घटना को कर्नाटक में 'जंगल राज' का सबूत बताते हुए, रेड्डी ने चेतावनी दी कि अगर सुरक्षा की कमी के कारण उन्हें या उनके परिवार को कोई और नुकसान होता है, तो राज्य सरकार 'सीधे तौर पर जिम्मेदार' होगी।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले का भारत में भी विरोध, पप्पू यादव ने ट्रंप को बताया युद्धोन्मादी

पटना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर की गई सैन्य कार्रवाई को लेकर बिहार के सांसद पप्पू यादव ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ट्रंप एक युद्धोन्मादी, अहंकारी और मानवता विरोधी नेता हैं। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अगवा किया है। जिससे विश्व शांति को गंभीर नुकसान पहुंचा है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि ट्रंप युद्धोन्मादी अहंकारी मानवता विरोधी है। किसी भी संप्रभु देश पर इस तरह का हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने इसे आतंकवादी मानसिकता करार देते हुए कहा कि पूरी दुनिया को ऐसे रवैये का विरोध करना चाहिए। पप्पू यादव ने अमेरिका के लोकतंत्र और शांति में विश्वास रखने वाले नागरिकों से भी अपील की कि वे इस कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाएं और ऐसे फैसलों का विरोध करें। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार आधी रात के बाद वेनेजुएला की राजधानी काराकास धमाकों से दहल उठी।

स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 1:50 बजे शहर के अलग-अलग इलाकों में कम से कम सात बड़े धमाकों की आवाज सुनी गई। इन धमाकों के बाद पूरे शहर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस सैन्य अभियान की पुष्टि की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर बड़े पैमाने पर हमला किया है और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो तथा उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाया गया है। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद पप्पू यादव ने कहा कि ऐसी कार्रवाइयां दुनिया को युद्ध और अस्थिरता की ओर धकेल रही हैं। उन्होंने कहा कि शक्ति के बल पर किसी देश की सरकार को गिराना या उसके नेताओं को पकड़ना मानवता के खिलाफ अपराध है।

विशेष सचिव ईशा प्रिया पर उत्पीड़न और गालियां देने का आरोप, काम करने को तैयार नहीं कर्मचारी

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पर्यटन विभाग के कर्मचारियों ने विशेष सचिव ईशा प्रिया पर उत्पीड़न और गालियां देने का आरोप लगाया है। विशेष सचिव पर्यटन विभाग ईशा प्रिया के पास प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम का अतिरिक्त चार्ज भी है। इस संदर्भ में प्रमुख सचिव अमृत अभिजात को लिखे पत्र में सात कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि विशेष सचिव पिछले कई माह से उनका उत्पीड़न कर रही हैं।

पर्यटन विभाग व सरकार की जनहितकारी योजनाओं के क्रिन्यावयन के लिए अभी तक वे उत्पीड़न बर्दाश्त कर रहे थे, लेकिन अब पर्यटन विभाग में काम करना शारीरिक व नैतिक रूप से संभव नहीं है। मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी मामला लाया जा रहा है। इस बारे में विशेष सचिव ईशा प्रिया ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार किया है। वहीं इस बारे में पर्यटन विभाग के महानिदेशक राजेश कुमार का कहना है कि वह चित्रकूट में हैं, उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है। प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि विशेष सचिव उन्हें रोजाना पर्यटन निदेशालय बुलाकर उनका उत्पीड़न करती हैं। कर्मचारियों ने यह आरोप भी लगाया कि विशेष सचिव कई मौकों पर गंदी गालियां देती हैं। विरोध करने पर प्रतिकूल प्रविष्टि की धमकी देती हैं, इसलिए पर्यटन विभाग का कोई भी कर्मचारी इन परिस्थितियों में यहां काम करने का इच्छुक नहीं है।

आरोप है कि वहां निदेशालय के अन्य कर्मचारियों के सामने ही सचिवालय के अधिकारियों के साथ अत्यंत खराब और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है। पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि विशेष सचिव कई अवसरों पर अधिकारियों को गंदी गालियां भी देती हैंऔर प्रतिकूल प्रविष्टि देने की धमकी देकर डराती-धमकाती हैं। सचिवालय संघ के समर्थन के साथ लिखे गए इस पत्र में मांग की गई है कि पर्यटन विभाग के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को तत्काल उनके मूल विभाग यानी सचिवालय प्रशासन विभाग में भेजा जाए। कर्मचारियों का कहना है कि अपमानजनक परिस्थितियों में यहां कार्य करने के बिल्कुल भी इच्छुक नहीं हैं। उन्होंने अनुरोध किया है कि उनके स्थान पर ऐसे अधिकारियों को तैनात किया जाए जो इतना अपमान सहने में सक्षम हों।

नशे के खिलाफ संगरूर पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, 30 हजार प्रतिबंधित कैप्सूल और 60 किलो भुक्की के साथ 5 गिरफ्तार

संगरूर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। नशे के खिलाफ आरंभ की गई मुहिम के तहत पुलिस ने विभिन्न जगहों पर छापामारी व गश्त दौरान कई व्यक्तियों से नशीले पदार्थ बरामद किए। थाना चीमा पुलिस के सहायक थानेदार नेक सिंह ने नाकाबंदी दौरान दो व्यक्तियों को गिरफ्तार करके उनके पास से 30 हजार प्रतिबंधित कैप्सूल व 20 बोतल शराब बरामद की। नेक सिंह ने बताया कि नाकाबंदी दौरान कार सवार संजू कुमार निवासी वार्ड नंबर-2 बुढ़लाडा व दीपक चंद निवासी वार्ड नंबर-11 बुढ़लाडा को रोककर तलाशी ली गई।

कार में से 30 हजार प्रेगाबालिन सिगनोर कैप्सूल व 20 बोतल नाजायज शराब बरामद की गई। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। इसके अलावा थाना छाजली से सहायक थानेदार प्रेम सिंह ने इलाके में गश्त दौरान मैहलां से खड़ियाल रोड पर एक सड़क किनारे स्विफ्ट कार खड़ी देखी। कार में दो व्यक्ति सवार थे, पुलिस ने शक के आधार पर उनकी गाड़ी की जांच की। गाड़ी में पुलिस ने 60 किलोग्राम भुक्की चुरापोस्त व डोडे बरामद किए।

शिवसेना यूबीटी नेता आनंद दुबे को मिली जान से मारने की धमकी

बीसीसीआई के फैसले का किया था समर्थन

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे को बीसीसीआई के एक फैसले का समर्थन करने पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस पूरे प्रकरण को लेकर आनंद दुबे आज सुबह समता नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट से बढ़ा मामला

आनंद दुबे ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट साझा कर आरोप लगाया कि बीसीसीआई के एक अच्छे फैसले का समर्थन करने पर उन्हें गालियां और धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि यह बेहद गंभीर विषय है और इस पर मुंबई पुलिस, महाराष्ट्र सरकार और देश के लोगों को ध्यान देना चाहिए। अपने बयान में आनंद दुबे ने लिखा, "मुंबई पुलिस, महाराष्ट्र सरकार और देश के लोग इस बात पर गौर करें कि बीसीसीआई के अच्छे फैसले पर हमें धमकियां मिल रही हैं। गालियां मिल रही हैं क्योंकि हमने इस मुद्दे को जनता के सामने रखा कि बांग्लादेश के किसी भी खिलाड़ी को भारत में प्रवेश ना दिया जाए और उनके साथ क्रिकेट ना खेला जाए। लोगों की संवेदना को बीसीसीआई ने समझा लेकिन बांग्लादेश के लोगों को बुरा लग रहा है और मुझे और मेरे देश को गालियां दी जा रही हैं। ऐसे मानसिकता के लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो और मैं फिर कह रहा हूँ कि बांग्लादेशियों को भारत सरकार हर जगह से भगाए।

पुलिस में शिकायत की तैयारी

आनंद दुबे ने बताया कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिसे लेकर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला लिया है। उनका कहना है कि यह सिर्फ उनकी सुरक्षा का मामला नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की आज़ादी और देश के समर्थन में रखी गई बातों से जुड़ा गंभीर विषय है। इस मामले के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। अब देखना होगा कि पुलिस इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करती है और धमकी देने वालों के खिलाफ किस तरह के कदम उठाए जाते हैं।

कमरे में खोदा गड्ढा, मासूम बच्चे की बलि देने जा रहे थे मां-बाप; कैसे बची जान?

बेंगलुरु, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु के ग्रामीण जिले में एक हौरान कर देने वाली घटना सामने आई है। माता-पिता धन प्राप्ति के उद्देश्य से हो रही पूजा में अपने बच्चे की बलि देने जा रहे थे। बताया जाता है कि घर से एक कमरे में गड्ढा खोदा बच्चे की बलि देने की तैयारी हो रही थी। तभी सूचना पर बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों ने वहां छापा मारकर बच्चों की बचा लिया। घटना होसाकोटे तालुक के सुलिबेले स्थित जनता कॉलोनी की है। सुलिबेले पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि सैयद इमरान के घर में धन-दौलत के लिए एक बच्चे की बलि देने की तैयारी थी और उन्होंने किसी और से एक नवजात शिशु खरीदा था। कल पूर्णिमा के दिन हेल्पलाइन पर एक अज्ञात कॉल आई, जिसमें बच्चे की बलि दिए जाने की सूचना दी गई थी। इसके बाद अधिकारियों ने घर पर छापा मारकर जांच की तो पता चला कि घर के एक कमरे में बच्चे की बलि देने की पूरी तैयारी हो चुकी है। अधिकारियों ने 8 महीने के नवजात शिशु को बचाया और उसे शिशु केंद्र भेज दिया। बाल संरक्षण एवं कल्याण समिति बच्चे की बलि के आरोपों की जांच कर रही है। घटना सुलिबेले पुलिस स्टेशन क्षेत्र की है। सैयद इमरान ने आठ महीने पहले एक प्रवासी मजदूर से एक बच्चे को गोद लिया था।

गोद लेने के बाद, सैयद इमरान और उनकी पत्नी ने अपने नाम से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनवाया। छापेमारी के दौरान दंपति ने अधिकारियों को एक पत्र दिया, जिसमें उन्होंने बच्चे को गोद लेने की बात कही थी और एक समझौते पर हस्ताक्षर भी किए थे। हालांकि, अधिकारियों ने बच्चे को हिरासत में ले लिया है क्योंकि उसे कानूनी रूप से गोद नहीं लिया गया था।

दूषित पानी मामले पर कांग्रेस नेता अरुण यादव का हमला, कैलाश विजयवर्गीय से मांगा इस्तीफा

इंदौर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने इंदौर के भागीरथपुरा की घटना को शासन-प्रशासन की गंभीर लापरवाही करार देते हुए नगरीय प्रशासन मंत्री और क्षेत्रीय विधायक कैलाश विजयवर्गीय से इस्तीफा मांगा है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व राज्य मंत्री अरुण यादव ने इंदौर में दूषित जल पीने से 15 नागरिकों की असमय व दर्दनाक मृत्यु तथा 500 से अधिक लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने की घटना को प्रशासनिक लापरवाही और संवेदनहीन शासन व्यवस्था का परिणाम बताते हुए कहा कि यह घटना देश, प्रदेश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंदौर को शर्मसार करने वाली है।

अरुण यादव ने कहा कि इंदौर को वर्षों से स्वच्छता में देश का सिरमौर बताया जाता है, लेकिन यह घटना साबित करती है कि सिर्फ दिखावटी स्वच्छता से नागरिकों की जान सुरक्षित नहीं होती। यहां 'दीया तले अंधेरा' की कहावत पूरी तरह सिद्ध हो रही है। जिस शहर को मॉडल सिटी कहा जाता है, वहां नागरिकों को पीने का सुरक्षित पानी तक नसीब नहीं हो पा रहा। वहीं उन्होंने आगे कहा कि इंदौर में लगातार वर्षों से भाजपा का प्रतिनिधित्व रहा है। महापौर, विधायक और कैबिनेट मंत्री तक सब इंदौर से ही हैं, इसके बावजूद उनकी नाक के नीचे इस तरह की गंभीर लापरवाही होना शासन की विफलता और प्रशासनिक नाकामी को दर्शाता है। इंदौर के महापौर को नैतिकता के आधार पर तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। वहीं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भी इस गंभीर चूक की जिम्मेदारी लेते हुए पद से त्यागपत्र देना चाहिए।

अरुण यादव ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष एवं स्वतंत्र सीबीआई जांच कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी स्तर पर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, ठेकेदारों एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि दूषित जल आपूर्ति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल बरखास्त किया जाए। वहीं मृतकों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा और बीमार नागरिकों को निःशुल्क व बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

फिर जेल से बाहर गुरमीत राम रहीम 40 दिन की पैरोल मंजूर

रोहतक, 4 जनवरी (एजेंसियां)। रेप और हत्या मामले में जेल की सजा काट रहा गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आएगा। राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मंजूर हुई है। उसे डेरा सच्चा सिरसा के लिए ये पैरोल मिली है। गौरतलब है कि दो साध्वियों के रेप और पत्रकार छत्रपति हत्या मामले में गुरमीत राम रहीम 2017 से रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है। गुरमीत राम रहीम को अगस्त 2025 में भी 40 दिन की पैरोल मिली थी। ये 14वां मौका था, जब उसे पैरोल मिली थी। इससे पहले गुरमीत राम रहीम 9 अप्रैल को 21 दिन की फरलो पर जेल से बाहर आया था और सिरसा डेरे में पहुंचा था।

राम रहीम को मिल रही बार-बार पैरोल और फरलो को लेकर अब जनता के बीच चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। लोगों का कहना है कि आखिर राम रहीम पर इतनी मेहरबानी क्यों की जा रही है जबकि वह रेप और हत्या के मामले में जेल में हैं? हालांकि ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस बार राम रहीम को 40 दिन की पैरोल क्यों दी गई है। पैरोल एक कानूनी व्यवस्था है। इसके तहत किसी कैदी को उसकी सजा के दौरान शर्तों के साथ जेल से कुछ दिनों के लिए रिहा किया जाता है। हालांकि इस दौरान जेल से बाहर निकलने के बाद भी कैदी को तमाम तरह के नियमों का पालन करना होता है। पैरोल कई तरह की होती है, जिसमें कस्टडी पैरोल, रेगुलर पैरोल और फरलो शामिल है। इसके मकसद अलग-अलग होते हैं।

तमिलनाडु के त्रिशूर रेलवे स्टेशन पार्किंग एरिया में लगी आग, 200 गाड़ियां जली

त्रिशूर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। त्रिशूर रेलवे स्टेशन पर रविवार को आग लगने की बड़ी घटना सामने आई, जिससे स्टेशन के पास बनी पार्किंग में खड़ी 200 से ज़्यादा दोपहिया गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर 2 के पास बने टू-व्हीलर पार्किंग एरिया में हुई, जिससे यात्रियों और आस-पास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग सबसे पहले सुबह करीब 6.45 बजे देखी गई। आग की लपटों ने तेज़ी से पार्किंग एरिया को अपनी चपेट में ले लिया, जहां आमतौर पर रोजाना 500 से ज़्यादा मोटरसाइकिल और स्कूटर खड़े होते हैं। माना जा रहा है कि पार्क की गई गाड़ियों में फ्यूल होने की वजह से आग तेजी से फैली और तेज हो गई, जिससे कुछ ही मिनटों में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ।

अलर्ट मिलते ही फायर एंड रेस्क्यू सर्विस के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। कई फायर टेंडर लगाए गए, और फायर फाइटर्स ने आग पर काबू पाने के लिए लगभग आधे घंटे तक काम किया। हालांकि आग की लपटों को बुझा दिया गया था, लेकिन कुछ समय तक इलाके में घना धुआं छाया रहा, जिससे यात्रियों और स्टेशन स्टाफ को परेशानी हुई। चश्मदीदों ने बताया कि कई गाड़ियां पूरी तरह जल गईं, जबकि कई अन्य को आंशिक नुकसान हुआ। पार्क की गई गाड़ियों के मालिक कई रोजाना सफर करने वाले लोग हैं, घटना के बारे में सुनकर मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने देखा कि उनकी दोपहिया गाड़ियां जलकर राख हो गई थीं। नष्ट हुई गाड़ियों की सही संख्या का पता अभी अधिकारी लगा रहे हैं।

जम्मू में कितने रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिक? प्रशासन के पास सटीक डाटा नहीं, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

जम्मू, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की बढ़ती संख्या गंभीर चिंता का विषय बन गई है। इनकी पहचान और वास्तविक संख्या को लेकर प्रशासन के पास कोई ठोस जानकारी नहीं है, जिससे सुरक्षा संबंधी सवाल उठ रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जम्मू में चोरी-छिपे रह रहे रोहिंग्या नागरिकों की संख्या सरकारी आंकड़ों से कहीं अधिक हो सकती है, लेकिन प्रशासन के पास इसका कोई सटीक डाटा ही नहीं है। बताया जाता है कि कई रोहिंग्या नागरिक संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से जुड़े पहचान पत्र दिखाकर शहर के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर इन पहचान पत्रों की वैधता और कानूनी स्थिति को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देशों का अभाव है, जिससे पहचान प्रक्रिया और जटिल हो जाती है। प्रशासनिक अमले के भीतर भी इस बात को लेकर असमंजस है कि ऐसे पहचान पत्र भारतीय कानून के तहत किस हद तक मान्य हैं।

वर्ष 2018 में केंद्र सरकार ने संसद में जम्मू-कश्मीर में रह रहे रोहिंग्या नागरिकों की संख्या से जुड़े सरकारी आंकड़े जारी किए थे। उस समय यह संख्या सीमित बताई गई थी, लेकिन बीते सात वर्षों में परिस्थितियां काफी बदल चुकी हैं। अधिकारियों का मानना है कि इस अवधि में इनकी संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई हो सकती है। खासकर जम्मू शहर के कई संवेदनशील इलाकों में ये लोग श्रमिकों के रूप में काम कर रहे हैं और धीरे-धीरे स्थायी बस्तियों का रूप ले चुके हैं। भाजपा प्रवक्ता एवं वरिष्ठ वकील अंकुर शर्मा ने कहा कि रोहिंग्या और बांग्लादेश के नागरिक जो भारत में रह रहे हैं, उन्हें किसी भी स्थिति में शरणार्थी (रिफ्यूजी) नहीं माना जा सकता। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के रिफ्यूजी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, इसलिए इन विदेशी नागरिकों को शरणार्थी का दर्जा देने का कानूनी आधार नहीं है। विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इन विदेशी नागरिकों की मौजूदगी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर और बढ़ता हुआ खतरा बन चुकी है। ये लोग वर्षों से यहां रहकर स्थानीय आबादी में घुल-मिल गए हैं और इसी का लाभ उठाकर भारतीय नागरिकों को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं में अवैध रूप से हिस्सेदारी कर रहे हैं।

शादी करोगी या नहीं? गर्लफ्रेंड बोली- जो चल रहा वैसा ही चलने दो; बॉयफ्रेंड ने चाकू से कर दी हत्या

येल्लापुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कन्नड़ जिले के येल्लापुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक युवक ने शादी से इनकार करने पर महिला की बेरहमी से हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस के आरोपी युवक, महिला के प्यार करता था और महिला के शादी से मना करने पर उसकी हत्या कर दी। घटना येल्लापुर पुलिस स्टेशन की है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार मृत महिला येल्लापुर कस्बे की निवासी रंजीता थी।

रफीक नाम का एक युवक पिछले कुछ वर्षों से रंजीता से प्रेम करता था। रंजीता का लगभग दस साल पहले तलाक हो गया था और उसका एक बच्चा भी है। रंजीता येल्लापुर में अपने माता-पिता और बड़े भाई के साथ रहती थी और एक सरकारी स्कूल में भोजन परोसने का काम करती थी। तलाक के कुछ महीनों बाद, रफीक और रंजीता के बीच दोस्ती हो गई, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। दोनों परिवारों के बीच भी अच्छे संबंध थे। स्थानीय लोगों का कहना था कि रफीक अक्सर रंजीता के घर रात में खाना खाने के लिए जाता था। हालांकि पिछले कुछ महीनों से रफीक, रंजीता पर शादी करने के लिए दबाव डाल रहा था।

रंजीता ने इसका स्पष्ट रूप से विरोध करते हुए कहा कि मैंने पहले ही काफी शादियां देख ली हैं। मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। हमारा रिश्ता जैसा है, वैसा ही रहने दो, लेकिन हम शादी नहीं करेंगे। रोजाना की तरह, जब रंजीता स्कूल से घर लौट रही थी, तो रफीक ने उसे सड़क के बीच में रोक लिया और पूछा क्या तुम मुझसे शादी करोगी या नहीं? जब रंजीता ने गुस्से से इनकार कर दिया, तो बौखलाए युवक ने उसे चाकू मार कर भाग गया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 5 जनवरी- 2026

वेनेजुएला पर बंट गई दुनिया

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को जिस तरह से अमेरिका ने हमला कर उनके बेडरूम से घसीट कर उठाया है उसकी पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। आसान भाषा में कहें तो पूरी दुनिया दो धड़ों में बंटती दिखाई देने लगी है। एक धड़ा मजबूती के साथ वेनेजुएला के समर्थन में खड़ा है और अमेरिकी कार्रवाई को गलत बता रहा है। वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे देश भी हैं, जो अमेरिका की इस कार्रवाई को जायज ठहरा रहे हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ की गई अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। रूस ने साफ शब्दों में कहा है कि अमेरिका को अपने फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। इस विवाद को बातचीत और कूटनीति के जरिए सुलझाया जाए तो बेहतर होगा। चीन ने भी अमेरिका को तानाशाही रवैया अपनाने वाला देश करार देते हुए कहा कि वेनेजुएला पर हमले के जरिए अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का खुला उल्लंघन है। चीन ने कहा वेनेजुएला एक संप्रभु देश है और उसके राष्ट्रपति को इस तरह कैदी बना लेना पूरी तरह गलत है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कनेल ने अमेरिकी कार्रवाई को आपराधिक हमला बताया है। उनके मुताबिक यह न सिर्फ वेनेजुएला, बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका पर हमला है और इसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद कहा जा सकता है। क्यूबा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वेनेजुएला की मदद के लिए आगे आने की अपील भी की है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने इस कार्रवाई को कायरतापूर्ण बताया है। ईरान ने भी खुले तौर पर वेनेजुएला का समर्थन किया है। ईरान ने कहा है कि किसी भी देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। इस तरह की सैन्य कार्रवाई वैश्विक नियमों के खिलाफ है और शांति के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। ब्राज़ील ने भी अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए इसे बेहद खतरनाक करार दिया है। ब्राज़ील के मुताबिक किसी देश के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करना एक बड़ी लाल रेखा पार करने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह वेनेजुएला का अपमान करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी गलत संदेश देता है। उत्तरी कोरिया के तानाशाह ने तो इसे विश्वयुद्ध की शुरुआत तक करार दिया है। दूसरी ओर अर्जेंटीना और इक्वाडोर ने खुलकर अमेरिकी रुख का समर्थन किया है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियरमिलेई ने एक कदम आगे बढ़ते हुए इसे "आज़ादी जिंदाबाद" करार दिया। इक्वाडोर के राष्ट्रपति ने भी बयान देकर कहा कि अब अपराधियों का साम्राज्य ज्यादा समय तक नहीं चल पाएगा। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इस मुद्दे पर मिली-जुली लेकिन सधी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि इटली ने मादुरो की चुनावी जीत को कभी मान्यता नहीं दी और उनके शासन की आलोचना भी करता रहा है। हालांकि, उनका यह भी कहना है कि गलत कामों को खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई हमेशा सही रास्ता नहीं होती।

लैटिन अमेरिका में वामपंथियों के प्रभाव को नेस्तनाबूद करने का प्रयास

संजीव ठाकुर

अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला अमेरिकी साम्राज्यवाद का एक नया किंतु और अलोकतांत्रिक कदम है। इस हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ 195 देशों का मौन बहुत ही आश्चर्यजनक एवं चिंतनीय है। अमेरिकी दादागिरी अपने चरम पर पहुंच चुकी है अमेरिका ने वेनेजुएला लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए और विगत 12 वर्षों से लगातार शासन कर रहे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके आधिकारिक निवास से पत्नी सहित अगवा कर अमेरिका ले जाया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति पर आरोप लगाकर उन पर आक्रमण किया तथा उनका अपहरण कर उन्हें अमेरिका शिफ्ट किया गया तानाशाही का आरोप तो डोनाल्ड ट्रंप लगाया जा रहा है किंतु यह कहावत सत्य है कि समरथ को नहीं दोस् गोसाई यानी समर्थ व्यक्ति का हर कार्य सही मान लिया जाता है।

अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर किया गया ताज़ा सैन्य आक्रमण केवल एक देश पर हमला नहीं बल्कि इक्कीसवीं सदी की ऊर्जा राजनीति, वामपंथ बनाम नव-साम्राज्यवाद, और उभरती बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के बीच टकराव का प्रतीक बनकर सामने आया है, जब अमेरिकी नेतृत्व ने यह दावा किया कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाया गया है, यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई जब वेनेजुएला की वामपंथी सरकार ने अपने विशाल पेट्रोलियम, क्रूड ऑयल, सोने और प्राकृतिक गैस भंडारों पर राष्ट्रीय संप्रभुता को और सख़्ती से लागू करते हुए अमेरिकी और पश्चिमी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को प्रत्यक्ष उपयोग से बाहर रखने के निर्णय को दोहराया था, माना जा रहा है कि इसी निर्णय ने वॉशिंगटन में तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया और डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी सत्ता-तंत्र ने इसे लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर सैन्य हस्तक्षेप का औचित्य बना लिया, जबकि आलोचकों का कहना है कि यह हस्तक्षेप वस्तुतः ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण और लैटिन अमेरिका में अमेरिकी प्रभुत्व की पुनर्स्थापना की कोशिश है, इस हमले के बाद अर्जेंटीना की नई राजनीतिक दिशा ने खुलकर अमेरिका का समर्थन किया है और ब्यूनस आयर्स से जारी बयानों में इसे वेनेजुएला में "लोकतांत्रिक संक्रमण" की दिशा में आवश्यक कदम बताया गया, साथ ही यह कयास तेज़ हो गए हैं कि विपक्षी नेता कोरिना माचाडो को अंतरराष्ट्रीय समर्थन के साथ सत्ता में स्थापित करने की कोशिशें तेज़ होंगी, हालांकि वेनेजुएला के भीतर इसे तख्तापलट की साज़िश बताया जा रहा है, इस पूरे घटनाक्रम से चीन को बड़ा रणनीतिक झटका लगा है क्योंकि वेनेजुएला बीते वर्षों में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल, दीर्घकालिक तेल आपूर्ति समझौतों और ऋण-तेल विनिमय व्यवस्था का अहम हिस्सा रहा है, अमेरिकी हस्तक्षेप से न केवल इन परियोजनाओं पर अनिश्चितता छा गई है बल्कि लैटिन अमेरिका में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने की खुली कोशिश भी दिखाई दे रही है, इसी क्रम में रूस, चीन और उत्तर कोरिया ने संयुक्त और अलग-अलग बयानों में इस कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया है, रूस ने विशेष रूप से इसे संप्रभु राष्ट्र के आंतरिक मामलों में बलपूर्वक हस्तक्षेप करार दिया और संकेत दिए कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति ने वैश्विक अस्थिरता को और गहरा कर दिया है,

उधर पूर्वी यूरोप में रूस-यूक्रेन संघर्ष ने भी नई तीव्रता पकड़ ली है और ताज़ा रिपोर्टों के अनुसार रूसी सैन्य कार्रवाइयों में वृद्धि को कई विश्लेषक पश्चिमी दबाव और वेनेजुएला प्रकरण के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं चीन के संदर्भ में ताइवान को लेकर बयानबाज़ी और सैन्य गतिविधियों में बढ़ोतरी ने यह संकेत दिया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भी तनाव का स्तर बढ़ रहा है, हालांकि बीजिंग ने आधिकारिक रूप से किसी तात्कालिक आक्रमण की घोषणा नहीं की है लेकिन यह स्पष्ट किया है कि ताइवान उसका आंतरिक विषय है और बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वेनेजुएला पर हमला ट्रंप की दादागीरी

राजेश श्रीवास्तव

अमेरिकी सेनाएं वेनेजुएला पर हमला करके वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत जिस तरह उठा लाईं, वह राष्ट्रपति ट्रंप की मनमानी की पराकाष्ठा है। ट्रंप ने सैन्य एवं आर्थिक शक्ति के मामले में अमेरिका के मुकाबले कहीं अधिक कमजोर देश में दादागीरी दिखाकर यही साबित किया कि उनका जोर दुर्बल देशों पर ही चलता है। उन्होंने यह आरोप लगाकर वेनेजुएला पर हमला किया कि वहां से अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी हो रही थी और निकोलस मादुरो की दमनकारी नीतियों से इस देश के लोग अवैध तरीके से उनके यहां आ रहे थे। यह बहाना ही अधिक है, क्योंकि अमेरिका में न तो नशीले पदार्थ केवल वेनेजुएला से आते हैं और न ही वहां के लोग।

ट्रंप ने इसके प्रमाण नहीं दिए कि वेनेजुएला के अपराधियों के गिरोह मादुरो की शह पर अमेरिका के खिलाफ आतंकियों की तरह काम कर रहे थे। इस बारे में मादुरो ने ट्रंप से बातचीत का प्रस्ताव भी रखा था पर उन्होंने उसकी अनदेखी कर दी। साफ है कि ट्रंप केवल इससे चिढ़े हुए थे कि सबसे अधिक तेल भंडार वाले देश का राष्ट्रपति उनके मनमाने रवैये के समक्ष झुकने को तैयार नहीं था, बहाना उन्होंने नशे का लिया।

अमेरिका और वेनुजएला के संबंध तबसे बिगड़े, जब वहां वामपंथी रुझान वाले शासक सत्ता में आए और उन्होंने कच्चे तेल और खनिज के स्रोतों का राष्ट्रीयकरण करना शुरू किया। इससे अमेरिकी तेल कंपनियों को वेनेजुएला से बाहर होना पड़ा। ट्रंप मादुरो से इसलिए भी खार खाए हुए थे क्योंकि उन्होंने रूस और चीन से संबंध प्रगाढ़ कर लिए थे। चूंकि ट्रंप का रूस और चीन पर जोर नहीं, इसलिए उन्होंने वेनेजुएला को निशाना बना लिया। यह सही है कि

मादुरो चुनावों में धांधली करके सत्ता में आए और एक तरह से तानाशाही शासन चला रहे थे लेकिन क्या वे ऐसे इकलौते शासक हैं?

इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि ट्रंप किस्म-किस्म के तानाशाहों और यहां तक सीरिया में काबिज हुए आतंकी सरगना को भी गले लगा रहे हैं। वे पाकिस्तान के अघोषित तानाशाह आसिम मुनीर की भी पीठ थपथपा रहे हैं जबकि वे आतंकी संगठनों को पाल रहे हैं। पाकिस्तान अमेरिका को धोखा तो देता ही रहा है, वह उन देशों में भी प्रमुख है, जहां से बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की तस्करी होती है। यह तस्करी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी की शह से होती है लेकिन ट्रंप की नजर में पाकिस्तान महान देश है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद बेलगाम होकर विश्व व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर रहे ट्रंप अपने साथ अमेरिका की भी फजीहत करा रहे हैं। वेनेजुएला पर हमला करके उन्होंने बची-खुची नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को अराजकता की ओर धकेल दिया है।

सवाल यह है कि अमेरिका अब किस मुंह से चीन से कहेगा कि ताइवान पर हमला मत करो? वह रूस की आलोचना कैसे करेगा? जब अमेरिका ने हमला किया, तब चीन का प्रतिनिधिमंडल वेनेजुएला में ही मौजूद था। रूस इस हमले की पहले ही निदा कर चुका है। वेनेजुएला के पास तेल का सबसे बड़ा भंडार मौजूद है। इस घटना को अमेरिका की दादागिरी ही कहेंगे। अमेरिका की मंशा साफ है। ट्रंप विश्वास के संकट को गहरा करने का काम करते हैं। होना तो यह चाहिए कि वेनेजुएला की जनता तय करे कि वहां सत्ता पर कौन बैठेगा? अमेरिका को यह तय करने का अधिकार किसने दिया? अमेरिका ने वादा किया था कि वह यूरोप के मामलों में दखल नहीं देगा लेकिन अब यह स्थापित हो चुका है कि उसकी दखलंदाजी लातिन अमेरिका में बढ़ गई है।

यह कोई लोकतंत्र के लिए संघर्ष नहीं है। यह संघर्ष तेल और खनिज पदार्थों के लिए है। ज्यादा लोगों को यह पता नहीं है कि वेनेजुएला के पास दुनिया में सबसे बड़ा तेल भंडार है। उसके पास जो भंडार है, वह सऊदी अरब से भी ज्यादा है। यह तेल भंडार ३०० अरब बैरल से ज्यादा है। ट्रंप इसी वजह से वेनेजुएला पर नियंत्रण चाहते हैं। रूस और चीन यह जाहिर कर चुके हैं कि वह वेनेजुएला में अमेरिकी दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर वेनेजुएला टकराव का नया बिदु हो जाता है तो दुनियाभर में इसके गंभीर नतीजे देखने को मिल सकते हैं।

मालुम हो कि पिछली बार भी जब ट्रंप राष्ट्रपति बने थे, तब भी उन्होंने वेनेजुएला को धमकियां दी थीं, तो इस बार जो हुआ, उससे आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बार उन्होंने जंगी जहाज भेजे और सीआईए को जिम्मा सौंप दिया। हालांकि, इस घटना से भारत पर असर नहीं पड़ना चाहिए क्योंकि हम कच्चे तेल के लिए वेनेजुएला पर निर्भर नहीं हैं। २०13-14 में हम 1० अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल वेनेजुएला से आयात कर रहे थे। तब हम हमारी जरूरत का सात-आठ फीसदी तेल वहां से ले रहे थे। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद हमारी निर्भरता वेनेजुएला पर नहीं रही है। भारतीय तेल कंपनियों का वहां पर कुछ निवेश जरूर है लेकिन इस घटना का इस निवेश पर ज्यादा असर नहीं पड़ने वाला। लेकिन अब बड़ी या छोटी शक्तियां ट्रंप से प्रेरणा लेंगी।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है। चीन कल को ताइवान पर हमला कर सकता है। चीन भी यह सोचेगा कि जब अमेरिका ऐसा कर सकता है, तो हम क्यों नहीं कर सकते। लातिन अमेरिका को लेकर अमेरिकी नीतियों पर कभी भी भरोसा नहीं रहा है। हालांकि, इस पर कोई देश कुछ नहीं कर पाया क्योंकि अमेरिका महाशक्ति है। दुनियाभर में अब यह चिताएं हैं कि अब ट्रंप का 'एंड गेम' क्या है? असल में ट्रंप कामयाब होते नजर आ रहे हैं। अगर ट्रंप अमेरिका को वेनेजुएला के कच्चे तेल पर नियंत्रण दिलवा देते हैं और ईरान में कुछ कर पाते हैं जिसके लिए उनके इरादे आक्रामक हैं तो अमेरिका और खासकर ट्रंप के परिवार के पास दुनिया के प्राकृतिक संसाधनों के बड़े हिस्से का नियंत्रण आ सकता है। यह दुनिया के लिए ठीक नहीं होगा।

वेनेजुएला पर हमला और बदलती विश्व व्यवस्था

आरके जैन

3 जनवरी 2026 की सुबह इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई। वॉशिंगटन से आई एक घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को झकझोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि अमेरिकी सेनाओं ने व्यापक सैन्य कार्रवाई में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में ले लिया है। और उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया जा रहा है जहाँ नार्को-टेररिज्म के आरोपों पर ट्रायल होगा। ट्रम्प ने साथ ही यह स्पष्ट किया कि वेनेजुएला का शासन और संक्रमण प्रक्रिया अब अमेरिका के "नियंत्रण" में होगी। यह कदम मात्र सैन्य हस्तक्षेप नहीं, बल्कि ऐसा भू-राजनीतिक विस्फोट है जो तेल कीमतों को हिला सकता है और वैश्विक संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करेगा। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देश में अमेरिकी प्रभाव की यह सीधी स्थापना रूस, चीन और ईरान के लिए खुला संकेत है। यह संकट केवल ऊर्जा बाजारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव को भी चुनौती देगा, जहाँ पेट्रोडॉलर की शक्ति और ब्रिक्स की आकांक्षाएँ आमने-सामने खड़ी हैं।

वेनेजुएला का संकट अचानक नहीं, बल्कि वर्षों की विफल नीतियों का परिणाम है। इसकी नींव ह्यूगो शावेज के दौर में पड़ी, जब तेल आधारित समाजवादी मॉडल को समृद्धि का आधार बनाया गया। समय के साथ भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अक्षमता और आर्थिक कुप्रबंधन ने इस व्यवस्था को खोखला कर दिया। 2014 में वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने संकट को उजागर किया और देश अतिमुद्रास्फीति, खाद्य कमी व स्वास्थ्य आपदा में डूब गया। परिणामस्वरूप लाखों नागरिकों को पलायन करना पड़ा। सत्ता बचाने के लिए निकोलस मादुरो ने रूस, चीन और क्यूबा का सहारा लिया तथा अमेरिकी प्रतिबंधों को चुनौती दी। इसके जवाब में ट्रम्प प्रशासन ने दबाव बढ़ाया। सितंबर 2025 से कैरिबियन क्षेत्र में तस्करी से जुड़े जहाजों पर हमलों ने तनाव तेज कर दिया। अंततः डेल्टा फोर्स और सीआईए के संयुक्त अभियान में मादुरो गिरफ्तार हुए। ट्रम्प ने इसे "नार्को-आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई" बताते हुए वेनेजुएला को "सुरक्षित संक्रमण" तक ले जाने की बात कही। लेकिन आलोचकों के अनुसार वास्तविक लक्ष्य विशाल तेल भंडारों पर नियंत्रण है, जो लैटिन अमेरिका में अमेरिकी प्रभुत्व की वापसी और क्षेत्रीय अस्थिरता का संकेत देता है।

इस संकट का सबसे तात्कालिक प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ा है। वेनेजुएला फिलहाल वैश्विक आपूर्ति का लगभग एक प्रतिशत, यानी करीब दस लाख बैरल प्रतिदिन तेल उत्पादन करता है, लेकिन उसके भंडार दुनिया में सबसे बड़े हैं। हमले के बाद ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें साठ से इकसठ डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहीं, पर भू-राजनीतिक जोखिम के कारण पाँच से दस डॉलर की बढ़ोतरी की आशंका है। यदि उत्पादन या निर्यात बाधित हुआ-जैसे बंदरगाहों की नाकेबंदी या बीमा अड़चनें-तो भारी कच्चे तेल की कमी से डीजल और परिष्कृत ईंधन महंगे हो सकते हैं। अभी बाजार में आपूर्ति की अधिकता है; अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार लगभग अड़तीस लाख बैरल प्रतिदिन का सरप्लस मौजूद है, इसलिए तत्काल असर सीमित रहा। लेकिन संघर्ष लंबा चला तो तेल अस्सी से सौ डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति तेज होगी। विशेषज्ञ इसे अल्पकालिक झटका और दीर्घकालिक संतुलन परिवर्तन मानते हैं।

दीर्घकाल में यह संकट तेल कीमतों पर दबाव भी बना सकता है। यदि अमेरिकी प्रतिबंध हटते हैं और शेवरॉन जैसी कंपनियां निवेश करती हैं, तो वेनेजुएला का उत्पादन दो से तीन मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुँच सकता है। इससे भारी कच्चे तेल की अधिकता होगी और कीमतें पचास से साठ डॉलर के दायरे में सिमट सकती हैं। ट्रम्प का कहना है कि अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला के तेल उद्योग को अत्यधिक लाभकारी बनाएंगी, जिससे पेट्रोडॉलर की पकड़ मजबूत होगी। लेकिन यदि गुरिल्ला प्रतिरोध, आंतरिक विद्रोह या रूस-चीन का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप हुआ, तो उत्पादन में दस लाख बैरल की गिरावट कीमतों को तीस से चालीस डॉलर तक उछाल सकती है।

इससे रूस और ईरान जैसी तेल-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरा झटका लगेगा। साथ ही यह ब्रिक्स की डी-डॉलराइजेशन रणनीति को कमजोर कर सकता है, जबकि क्षेत्रीय अस्थिरता शिपिंग लागत बढ़ाकर नई चुनौतियाँ खड़ी करेगी।

वेनेजुएला संकट ने वैश्विक कूटनीति में तनाव की नई सीमाएँ खींच दी हैं। रूस और चीन इसे प्रत्यक्ष अमेरिकी हस्तक्षेप मानते हैं। रूस पहले ही सैन्य सहायता दे चुका है, जबकि चीन वेनेजुएला के लगभग अस्सी प्रतिशत तेल निर्यात का आयात करता है। यदि अमेरिका पूर्ण नियंत्रण स्थापित करता है, तो रूस की यूक्रेन युद्ध फंडिंग पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, वहीं ईरान को भी भारी कच्चे तेल के बाजार में नुकसान झेलना पड़ेगा। कुछ विश्लेषक इसे "रिवर्स क्यूबन मिसाइल क्राइसिस" बता रहे हैं, जहाँ रूस या चीन लैटिन अमेरिका में सैन्य ठिकाने बनाने का प्रयास कर सकते हैं। क्षेत्रीय स्तर पर कोलंबिया, ब्राजील और निकारागुआ जैसे देशों में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने की आशंका है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भावना के विरुद्ध माना जा रहा है, जिससे वैश्विक कूटनीति कमजोर हो सकती है। इसके बावजूद ट्रम्प प्रशासन इसे "नार्को-टेररिज्म विरोधी कार्रवाई" बताकर वैध ठहराने का प्रयास कर रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव गहरा और बहुपक्षीय होगा। तेल कीमतों में उछाल से मुद्रास्फीति बढ़ेगी, जिसका सीधा असर भारत और चीन जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ेगा। भारी कच्चे तेल के बड़े आयातक भारत को विशेष लागत दबाव झेलना पड़ सकता है। इसके विपरीत, कीमतों में गिरावट अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है और शेयर बाजारों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ा सकती है। सुरक्षा दृष्टि से अमेरिका पश्चिमी गोलार्ध में अपनी पकड़ मजबूत करेगा, लेकिन लैटिन अमेरिका में विरोध और असंतोष भी तेज होगा। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इससे पेट्रोडॉलर को अस्थायी संबल मिलेगा, जबकि ब्रिक्स देश वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों की ओर और तेजी से बढ़ेंगे। यदि संघर्ष पनामा नहर तक पहुँचा, तो वैश्विक व्यापार को गहरा झटका लगेगा।

आगे यह संकट कई राहें अपना सकता है। यदि अमेरिका संक्रमण प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संभाल लेता है, तो तेल उत्पादन बढ़ेगा, कीमतें संतुलित रहेंगी और रूस-चीन की रणनीतिक स्थिति कमजोर पड़ेगी। किंतु यदि व्यापक प्रतिरोध उभरा, तो यह इराक या अफगानिस्तान जैसा लंबा और महंगा फंदा बन सकता है। गुरिल्ला संघर्ष, आंतरिक विरोध और अंतरराष्ट्रीय दबाव अमेरिकी संसाधनों पर भारी बोझ डालेंगे। कम संभावना लेकिन उच्च प्रभाव वाले परिदृश्य-जैसे लैटिन अमेरिका में रूसी सैन्य अड्डा-दुनिया को नए शीत युद्ध के द्वार पर ला सकते हैं। ऐसे में भारत जैसे देशों को सतर्क नीति अपनानी होगी, क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा आने वाले समय की सबसे बड़ी चुनौती बनने जा रही है।

वेनेजुएला का संकट किसी एक राष्ट्र की कहानी नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को झकझोरने वाला तूफान है। तेल बाजारों में यह अस्थिरता के साथ दीर्घकालिक पुनर्संरचना लाएगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका, रूस और चीन के बीच टकराव और तीखा होगा। यह संकट पेट्रोडॉलर को बल दे सकता है, पर डी-डॉलराइजेशन की प्रक्रिया को भी तेज करेगा। इतिहास संभवतः इसे "ट्रम्प कोरोलरी" के रूप में याद रखे-अमेरिकी प्रभुत्व की निर्णायक वापसी। प्रश्न यही है कि क्या यह स्थिरता लाएगा या नए वैश्विक संघर्ष की नींव रखेगा। उत्तर भविष्य में छिपा है, लेकिन दुनिया को इसके लिए तैयार रहना होगा।

सुख की चाबी मत ढूंढो, ताला किसी ने लगाया ही नहीं

स्नेहा सिंह

भगवान ने भक्त से कहा, "जा, अपने दुखों से भरा मटका उस जगह रख आओ जहां मैं बताऊं और बदले में वहां पड़े दूसरों के दुखों से भरे मटकों में से कोई एक उठा लाना। उस मटके के दुख अब तुम्हारे होंगे।" अपने आप को सबसे अधिक दुखी मानने वाला एक व्यक्ति भगवान से दुखों से मुक्ति पाने के लिए गिड़गिड़ाकर प्रार्थना करता था। उसके व्यापार में विशेष बरकत नहीं थी। बेटी को ससुराल में निभा नहीं, इसलिए वह घर लौट आई थी। बेटे को वर्तमान व्यवसाय में रुचि नहीं थी, वह कुछ और करना चाहता था, पर उसमें भी वह जम नहीं पा रहा था। पत्नी अक्सर बीमार रहती थी। इन परिस्थितियों के बीच आर्थिक स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी।

अब वह और अधिक धार्मिक हो गया था। परेशानियों से बाहर निकलने के लिए दूर स्थित मंदिर तक पैदल दर्शन करने जाता, उपवास करता और सुबह-सुबह ध्यान में बैठ जाता। ऐसा दो वर्षों तक चलता रहा। अंततः भगवान प्रसन्न हुए।

भगवान ने कहा, "मैं तेरी तपस्या का कारण जानता हूं। मैं तेरे दुखों की सूची एक मटके में रख देता हूं। मैं तुझे पूरी तरह दुख मुक्त तो नहीं कर सकता, क्योंकि जो नियति में है, उससे गुजरना ही पड़ता है। लेकिन तेरी भक्ति से प्रभावित होकर मैं तेरे लिए एक राहत का मार्ग बना सकता हूं। जिस मंदिर में तू जाता है, वहां एक पीपल का पेड़ है। वहां सैकड़ों बंद मटके दिखाई देंगे। दरअसल लोग अपने दुख कम हों, इस आशा से अपने दुख उस मटके में रखकर पीपल के पास रख आते हैं। उन्हें विश्वास है कि इस तरह अपने दुख मुझे अर्पित करने से वे कम हो जाते हैं।

तेरे लिए राहत यह है कि तू अपना दुखों से भरा मटका वहां रख आ, लेकिन एक शर्त है, वहां से तुझे कोई एक मटका अवश्य लाना होगा। तुझे लगता है कि तू दुनिया का सबसे बदकिस्मत है, इसलिए तू अपना मटका रखकर अपनी पसंद का कोई भी मटका उठा लाना। पर हां, उस मटके में क्या-क्या दुडख हैं, यह जानने का अधिकार तुझे नहीं होगा। मटका ऊपर से कसकर कपड़े से शबंधा होगा।"भगवान की यह बात सुनकर वह व्यक्ति खुश हो गया। उसे लगा कि उसके दुख चले जाएंगे और किसी और का मटका लेने से बोझ हल्का होगा। अगले दिन उसे अपना मटका रखकर किसी और का मटका लेना था। लेकिन शाम ढलते-ढलते उसकी बेचैनी बढ़ने लगी। रात बीतती गई, आधी रात भी गुजर गई, पर उसे नींद नहीं आई। वह करवटें बदलता रहा। मन में यही विचार चलता रहा कि अगर वह अपना मटका रखकर किसी और का मटका ले आया और उसमें उससे भी अधिक, असहनीय दुख हुए तो? उसका जैसा भी व्यापार है, वह उसे और उसके परिवार को दो वक्त की रोटी तो देता है। त्योहारों पर मिठाई भी खा लेते हैं। बेटी शादी होकर लौट आई है तो क्या हुआ- सम्मान से, समाज की परवाह किए बिना उसे रखेगा। वह संस्कारी है, अगर वह पुनर्विवाह के लिए तैयार होगी तो उसके लिए भी हिम्मत जुटाऊंगा। बेटा दूसरा व्यवसाय चाहे तो वह उस पर अपना ही धंधा नहीं थोपेगा। असफलता के अनुभव से वह निखरेगा। वह न तो व्यसनों में है, न गलत रास्ते पर। और पत्नी, उसे बीमारी के मुकाबले आत्मबल विकसित करने के लिए तैयार करेगा, इलाज कराएगा। लोगों को तो कितनी असाध्य और पीड़ादायक बीमारियाँ झेलनी पड़ती हैं। वह अपने व्यापार में समय के अनुसार बदलाव लाने का प्रयास करेगा, नई पीढ़ी के बच्चों की राय लेगा। लेकिन वह अपने दुखों का मटका नहीं बदलेगा। संसार में तो अनगिनत प्रकार के दुख हैं। पहली नजर में लगता है कि दूसरे उससे अधिक सुखी हैं, पर वास्तविकता में दुख बदलने पर पता चलता है कि बाहर से सुखी दिखने वाला व्यक्ति खुद को उससे भी अधिक दुखी मानता है। यहां भगवान ने शर्त रखी थी कि मटके के भीतर के दुख देखे नहीं जा सकते और किसी और का मटका लेकर अपना वहां रखना होगा। पूरी रात वह सो नहीं सका। उसे यह डर सताने लगा कि कहीं दूसरे का मटका असहनीय और कभी न छूटने वाले दुखों से भरा हुआ न हो, जिससे उसका और उसके परिवार का जीवन ही बरबाद हो जाए। उसने मन ही मन तय कर लिया कि मटका नहीं बदलेगा। अगले दिन भगवान प्रकट हुए और पूछा, "तू मटका बदलने क्यों नहीं गया?" उस व्यक्ति ने कहा, "नहीं भगवान, मैं जैसा हूं, वैसा ही ठीक हूं। मैंने अपने से भी बड़े दुखों की कल्पना की और डर गया। पूरी रात सो नहीं पाया। मैं अपने दुख कम करने का प्रयास करता रहूंगा। और जो परिस्थितियां बदली नहीं जा सकतीं, उन्हें स्वीकार करके उनसे गुजरूंगा। सुख-दुख काफी हद तक मन, उसकी समझ और दृष्टिकोण पर निर्भर करते हैं।" इस प्रेरक कथा का मर्म इस साल में हम सभी के मन की शांति के लिए समझना आवश्यक है। आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में सभी मरीज हैं और हर कोई दूसरे का दुख बदलना चाहता है। घुटनों के असहनीय दर्द वाला व्यक्ति सोचता है कि कंधे की मांसपेशियों का दर्द बेहतर है। पेट के किसी रोग से पीड़ित व्यक्ति कहता है कि डायबिटीज ठीक है, मीठा कम खाकर और गोली लेकर बिना दर्द के दिन तो गुजर सकता है। किडनी का रोगी जब किसी युवा की हृदयाघात से अचानक मृत्यु की खबर सुनता है तो उसे लगता है कि किडनी की बीमारी कम से कम 'जान है तो जहान है' की आशा तो देती है। हम सब संसार रोगी हैं।

मर नहीं रहा है रावण

डॉ टी महादेव राव

पड़ोसी ज्ञानी दास नए साल की बधाई देने घर आया गले मिला और बैठा। मैंने भी बधाई दी और अंदर चाय बनाने के लिए कहकर उनके साथ ही बैठा। राव जी! हमने दशहरे में रावण का दहन कर तो दिया, लेकिन अपने भीतर के रावण को हम शायद पूरी तरह कभी भी जला नहीं पाते हैं और नतीजतन अनेक कुकर्म करने पर मजबूर होते रहते हैं। कभी-कभी अहम का सिर तो कभी मनमानी करने की आकांक्षा का सिर, कभी शोषण करने का सिर, तो कभी पराई स्त्री गमन की कुबुद्धि का सिर तो कभी सब पर छा जाने और अपने आप को सबसे बेहतर बताने के इच्छा वाला सिर हमारी दुर्बुद्धियुक्त रावणीय प्रवृत्ति के कारण ऊपर उठते हैं। हमें बहुत कुछ बुरा करने पर विवश करते हैं। इससे ही मुक्ति पाना है। ज्ञानी जी। आपका ज्ञान तो सही बखान कर रहा है लेकिन आपने जो कुबुद्धि बताई वह तो सही है लेकिन मुक्ति पाना, बुरी आदतें छोड़ना जैसी पुस्तकें आदर्शों पर कौन अमल करता है? लगता है यह पर उपदेश कुशल बहुतेरे जे अचरहिं ते नर न घनेरे का उत्तम उदाहरण होगा। लेकिन राव जी। चर्चा करने में, ज्ञान के आदान प्रदान में क्या बुराई है? कुछ अच्छी बातें करेंगे तो मन को भी अच्छा अच्छा लगने लगेगा।ब ात तो आपकी सही है। लेकिन सिर्फ बातें ही बातें कब तक करेंगे अपने नेताओं की तरह लोगों को लुभाने के लिए। उनमें और आम नागरिकों में कुछ तो अंतर रहने दें। राव जी। चलिए एक हल्का चुटकुला सुनता हूं दशहरे के संदर्भ में। आपने सुना भी होगा शायद। सुनाइए। श्रोता बनना सदा सुरक्षित होता है। रावण दहन के बाद सारे चले गए। एक आदमी बचा था जो जलते रावण को देख रहा था। तभी उस आग से रावण की आत्मा बाहर आई और कहा मैंने राम की पत्नी सीता को उठा ले गया था, उन्होंने मुझे मार दिया, किस्सा खत्म। लेकिन मुझे हर साल जलाते हो। मैंने तुम्हारी बीवी को तो नहीं उठा ले गया न। आदमी ने कहा तभी तो हम तुम्हें जलाते हैं। अच्छा जोक है। एक बात बताएं ज्ञानी जी। भारत में ही नहीं सारे विश्व में स्त्रियों पर जो बलात्कार, अत्याचार हो रहे हैं उन्हें पूरी तरह रोकने का कोई उपाय है? कानून को कड़ा बनाना होगा। बलात्कारी को देखते ही गोली मार देने की सज़ा तजवीज की जाए तो ये रेप जैसे जुर्म खत्म हो सकते हैं। आपका क्या विचार है राव जी।

काशी के तिलभांडेश्वर मंदिर में हर साल मकर संक्रांति पर तिल भर बढ़ता हैं शिवलिंग का आकार

सृष्टि के कण-कण में बसे भगवान शिव का ना कोई मूल आकार है और ना ही रूप. भक्त अपने मनचाहे रूप में भगवान शिव की आराधना कर सकते हैं. हमारे देश के अलग-अलग मंदिरों में मौजूद शिवलिंग स्वयं इस बात की गवाही देते हैं. ऐसा ही एक मंदिर वाराणसी में स्थित है, जो हर साल तिल बराबर बढ़ता है।

मान्यता है कि हर साल शिवलिंग के आकार में परिवर्तन देखा जाता है. इस शिवलिंग का संबंध सतयुग से माना जाता है. मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से भगवान शिव और माता पार्वती का संयुक्त आशीर्वाद मिलता है और जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं. मान्यता है कि इसी मंदिर में ही मां शारदा ने तपस्या की थी।

भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित मंदिर

काशी विश्वनाथ मंदिर से 2 किलोमीटर दूर पांडे हवेली की गली में भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित बाबा तिलभांडेश्वर महादेव का मंदिर है. मंदिर के नाम से साफ है कि बाबा का संबंध तिल से है और कोई भी इच्छा पूरी होने पर बाबा को तिल अर्पित किए जाते हैं. यहां का शिवलिंग बाकी मंदिरों से काफी अलग है. शिवलिंग का आकार किसी गुंबद की तरह है और इस पर बड़ी सी गोल आकृति भी बनी है।

द्वापर युग तक शिवलिंग का आकार बढ़ता गया

माना जाता है कि भगवान शिव बाबा तिलभांडेश्वर के रूप में भक्तों को सुख और समृद्धि प्रदान करते हैं. मंदिर 2500 वर्ष पुराना है और इसका अस्तित्व सतयुग से है. कहा जाता है कि पहले शिवलिंग सामान्य आकार का हुआ करता था, लेकिन द्वापर युग तक शिवलिंग का आकार बढ़ता गया. कलयुग में प्रवेश के साथ भक्तों ने बाबा के बढ़ते रूप को लेकर चिंता व्यक्त की और उनसे प्रार्थना की कि वे अपना आकार स्थिर कर लें. भक्तों की प्रार्थना को बाबा ने स्वीकार किया और साल में एक बार, सिर्फ मकर संक्रांति पर तिलभर बढ़ने का वचन दिया. उस समय से लेकर अब तक बाबा साल में एक बार अपना आकार बदलते हैं।

मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग 3.5 फीट का

मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग 3.5 फीट का है, जबकि उसका व्यास 3 फीट है. मंदिर के इतिहास को मां शारदा से जोड़कर भी देखा गया है. माना जाता है कि इस मंदिर में मां शारदा ने तपस्या की थी और भगवान शिव को प्रसन्न कर वरदान पाया था. काशी को दो भागों में विभाजित माना जाता है, जिसमें एक है काशी खंड और दूसरी है केदार खंड. बाबा तिलभांडेश्वर महादेव का मंदिर केदारखंड में स्थित है. बाबा विश्वनाथ और महामृत्युंजय काशी खंड के स्वामी हैं. तिलभांडेश्वर, केदारेश्वर और कई अन्य महत्वपूर्ण शिवालय केदार खंड में स्थित हैं।

हनुमान जी से जुड़े रहें तो शानदार उड़ान भर सकेंगे

दुनिया में जब भी उड़ान की बात आएगी, हनुमान जी याद आएंगे। निर्दोष, समयबद्ध, सफलता के साथ उड़ने की कला जैसी हनुमान जी के पास है, वैसी किसी के पास नहीं। उन्होंने एक बहुत महत्वपूर्ण उड़ान उड़ी थी लंका की ओर। जितनी सफलता से गए थे, उतनी सफलता से लौटे।

इसकी कहानी रामायण के सुंदरकांड में है। हनुमान जी को उड़ता देख रावण बहुत चिंतित हुआ था। हनुमान जी की उड़ानों में सबसे ज्यादा परेशान करने वाली वो थी, जिसमें वे मूर्च्छित लक्ष्मण के लिए औषधि लाए। बाधाएं हनुमान जी को उड़ते समय हर बार आईं, लेकिन उनका कभी ऑपरेशनल ब्रेकडाउन नहीं हुआ।

आसमान में उड़ान भरते समय गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने के अलावा जान का जोखिम, अस्तित्व की रक्षा, प्रतिस्पर्धा का भी बड़ा खतरा रहता है। जो लोग उड़ान के प्रति लापरवाह हैं, वो कीमत बड़ी चुकाएंगे। हमारी युवा पीढ़ी अब चलने, दौड़ने से ऊपर निकल चुकी है। अब उड़ान ही भरनी है। यदि हनुमान जी से जुड़े रहें तो शानदार उड़ान भर सकेंगे।

बिना प्रेम के जीवन में नहीं मिल सकती सफलता और सम्मान

जिस तरह जीवन जीने के लिए सांस लेना जरूरी है, उसी तरह प्रेम जरूरी है। बिना प्रेम के आप जिंदा नहीं रह सकते। जब तक आप दूसरों से प्रेम नहीं करेंगे, तब तक इस जीवन में सफल नहीं हो पाएंगे। क्योंकि प्रेम ही आपको आगे बढ़ने का रास्ता दिखाता है और सफलता तक पहुंचाता है। प्रेम ही आगे बढ़ने की ऊर्जा और मार्ग दिखाता है।

प्रेम क्या है? यह एक ऐसा प्रश्न है जिसके समाधान की खोज प्राचीन काल से चली आ रही है। हर युग में आए दार्शनिकों ने भी प्रेम के स्वरूप की व्याख्या करने के अनेक प्रयत्न किए हैं। 'प्रेम' शब्द का प्रयोग हममें से अधिक लोग भिन्न-भिन्न संबंधों के प्रति अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए करते हैं। जैसे माता-पिता और बच्चे में प्यार होता है तो भाई-बहन और रिश्तेदारों का भी आपस में प्यार होता है। मित्रों में प्रेम होता है। देश के प्रति भी प्रेम होता है। बहुत बार हमें अपनी संपत्ति के साथ भी लगाव होता है। पालतू जानवरों से भी लोगों को स्नेह होता है। आमतौर पर जब प्रेम के बारे में विचार किया जाता है तो हम स्त्री-पुरुष के आपसी प्रेम के बारे में सोचते हैं।

कई बार हम सारी मानवजाति और सृष्टि के प्रेम के बारे में भी बात करते हैं। मगर प्रेम के हर रूप में कुछ न कुछ गुण एक जैसे होते हैं। जैसे कि इस संसार की किसी वस्तु के प्रति प्रेम के मामले में उस वस्तु से मोह होता है। जिसे हम प्रेम करते हैं उसकी हमें बहुत आवश्यकता होती है। उसके लिए हम अपने दिल में गहरा लगाव रखते हैं और हमें यह डर लगा रहता है कि कहीं वह वस्तु हमसे खो न जाए। चाहे प्रेम अपने परिवार के प्रति हो या मित्रों के प्रति, चाहे प्रेमी के प्रति हो या अपने सामान और अपने देश के प्रति, उसमें प्रेम के ये गुण हमेशा मौजूद रहते हैं। संत-महापुरुष हमें समझाते हैं कि इस दुनिया का बाहरी प्रेम केवल कुछ समय के लिए ही रहता है। इसके विपरीत यदि हम सदा-सदा का प्रेम पाना चाहते हैं तो वह हमें केवल प्रभु से ही मिल सकता है। प्रभु के प्रति प्रेम को अनुभव करने के लिए हमें संपूर्ण सृष्टि के प्रति प्रेम को अपने अंदर जगाना होगा। हममें से अधिकतर लोग अपने परिवार और मित्रों के छोटे से दायरे के प्रति ही प्रेम रखते हैं। पर जैसे-जैसे हम आध्यात्मिक तौर पर प्रगति करते हैं तो हमारा हृदय विशाल होने लगता है और हम अपने समुदाय, समाज, देश और संपूर्ण भूमंडल के प्रति प्रेम का विकास करने लगते हैं। प्रेम की अंतिम अवस्था ब्रह्मांड की समस्त सृष्टि के लिए प्रेम होना है।

हृदय में जहां उत्सव है, वहीं आनंद भी छिपा है

चैतन्य से जुड़ने पर जीवन का आनंद प्राप्त होता है। आनंद के लिए हम लोग कहां-कहां नहीं भटकते और कैसे-कैसे उपाय करते हैं। लेकिन वह आनंद क्षणिक होता है। साधनों से प्राप्त आनंद कुछ समय बाद छूट जाता है। लेकिन अपने अंदर जो चैतन्य है, उससे जुड़ने पर जीवन का सच्चा आनंद प्राप्त होता है। हमें अपने जीवन में सदा यही प्रयास करना चाहिए कि हम अपने चैतन्य से जुड़े रहें।कबीर ने अपने अंदर अनुभव किया, तब कहा, 'इस घट-अंतर बाग-बगीचे इसी में सिरजनहारा। इस घट-अंतर सात समुंदर इसी में नौ लख तारा। इस घट-अंगर पारस मोती इसी में परखनहारा। इस घट-अंतर अनहद गरजै इसी में उठत फुहारा।' यह पढ़ने-सुनने में आश्चर्य सा लगता है। साधक अपनी साधना की परम अवस्था में पहुंचने के बाद ही इसका अनुभव कर पाता है। हमारा आकर्षण सौंदर्य के प्रति हमेशा रहता है। क्यों? हम क्यों सुंदर चीजें और सुंदर रूप देखना पसंद करते हैं, उसे क्यों पाना चाहते हैं? क्योंकि हमारे अंदर भी सौंदर्य का अद्भुत खजाना बसा है। उस सौंदर्य को न निहार पाने के कारण हम एक तरह की अतृप्ति, एक प्यास, एक खालीपन महसूस करते हैं, और उसकी तलाश में बाहर के सौंदर्य की ओर आकर्षित होते हैं। कबीर कहते हैं 'घट की वस्तु नजर नहीं आवे, बाहर फिरत गंवारा रे।'विडंबना ही है कि नजदीक का सौंदर्य हमारी अनुभूति में नहीं आ रहा, इसलिए उसे बाहर तलाश कर रहे हैं। जितने भी संत-महात्मा हुए, उन सभी ने अलग-अलग ढंग से अपने अनुभव में यही बात कही और जीवन के इस रहस्यमय सौंदर्य को प्राप्त करने की प्रेरणा दी। जब मनुष्य मृत्यु को प्राप्त होता है तो उसका चेहरा ढक दिया जाता है, चाहे वह कितना ही सुंदर क्यों न हो, ऐसा क्यों? वह मृत काया हमें सुंदर क्यों नहीं लगती? सोने जैसी सुंदर देह को निष्प्राण हो जाने पर जला देते हैं या फिर जमीन में गाड़ देते हैं। इसका अर्थ यह है कि जीवन का असली सौंदर्य वह 'प्राण शक्ति' ही है, जिससे जीवन संचरित होता है।

बेड की गलत दिशा और पोजीशन बन सकता है दुखों का कारण

वास्तुशास्त्र के अनुसार, जिस स्थान पर बेडरूम मौजूद हो उसके पीछे कोई भी इलेक्ट्रिक मीटर, जनरेटर आदि नहीं होना चाहिए। मान्यता है कि बेड या बेडरूम के पीछे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखने से इसका बुरा प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इसके अलावा, बेडरूम में सिरहाने की तरफ वाली दीवार के पीछे गटर का प्वाइंट होना भी शुभ नहीं माना जाता है। साथ ही, बेडरूम के पीछे भूलकर भी किचन या स्टोव रखने का स्थान नहीं बनवाना चाहिए। इससे जातक के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बेडरूम के गेट के ठीक सामने न रखें बेड

अगर आपने बेडरूम में अपने कमरे के दरवाजे के ठीक सामने बिस्तर रखा है। तो उसकी पोजीशन को तुरंत बदल लें। इसके अलावा, अगर बेडरूम में अंदर प्रवेश करते समय बेड का कोना आना भी शुभ नहीं माना जाता है। वास्तु के अनुसार कमरे में बेड इस प्रकार रखना चाहिए कि उसके गेट के सामने का कुछ हिस्सा खाली नजर आए। गलत स्थान पर बेड रखने से इसका प्रभाव नींद और आसपास के वातावरण पर पड़ सकता है।

बेडरूम में शीशा रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु के अनुसार, शीशा कभी भी बेड के सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि सोते समय हमारे शरीर का जो भी हिस्सा शीशे में दिखता है। व्यक्ति को उससे जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। बेडरूम में शीशा लगवाने की कोई मनाही नहीं होती है। लेकिन इसे सही पोजीशन में रखना महत्वपूर्ण होता है। शीशे को पूर्व या उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही, इस बात का ख्याल जरूर रखें की शीशे में बेड नजर न आ रहा हो।

बेड के नीचे भूलकर भी न रखें ये चीजें

बेड के नीचे भूलकर भी न रखें ये चीजें आमतौर पर लोग ऐसा बेड लेना पसंद करते हैं जिसके नीचे स्टोरेज का स्पेस हो। लेकिन अगर संभव हो तो बिना स्टोरेज वाला बेड रखना चाहिए। वहीं, अगर आपके पास स्टोरेज स्पेस वाला बेड है तो इस बात का ख्याल जरूर रखें कि उसमें खराब या टूटी-फूटी चीजें नहीं रखनी चाहिए। इसके अलावा, दवाइयों के बिल, धन आदि भी बेड में नहीं रखना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है।

बेडरूम से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण नियम

बेडरूम से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण नियम वास्तु के अनुसार, बेडरूम में फैमिली फोटो उत्तर-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। लेकिन इस बात का ख्याल रखें कि पितरों की तस्वीर कमरे के अंदर नहीं लगाना चाहिए। मैरिड कपल्स को बेड के सामने अपनी मुस्कुराती हुई तस्वीर लगानी चाहिए। इससे आसपास का वातावरण सुखद रहता है और दांपत्य जीवन सुखद बना रहता है।

बेडरूम में हल्के, शांत और पेस्टल कलर का पेंट करवाना चाहिए। ऐसा करने से कमरे में शांति का वातावरण बना रहता है। वहीं, काले, नीले जैसे डार्क कलर्स का पेंट या पर्दे कमरे में नहीं होने चाहिए। अगर मास्टर बेडरूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो तो इस दीवार पर अलमारी या सामान रखने का स्थान छोड़ना चाहिए। साथ ही, उसमें कुछ धन भी अवश्य रखें। इससे बरकत होती है।

वास्तु के अनुसार मैरिड कपल का बेडरूम दक्षिण और पश्चिम दिशा में होना सबसे उत्तम माना जाता है। अगर बेडरूम में स्टडी टेबल हो तो उसे उत्तर-पूर्व दिशा की ओर लगवाना चाहिए।

बेडरूम में हमेशा ऐसी तस्वीर लगानी चाहिए, जिसे देखकर मन प्रसन्न रहे और आपके मन में अच्छे व शुभ विचार आते हों। इस प्रकार की तस्वीर जीवन में सकारात्मकता बनाए रखती है।

मनी प्लांट से भी अधिक शुभ है क्रसुला प्लांट, घर में लाता है खूब धन!

वास्तु शास्त्र में पौधों का विशेष महत्व बताया गया है. घर में पेड़-पौधे लगाए जाते हैं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कुछ पौधों को लगाने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं. मनी प्लांट के बारे में हर कोई जानता है. ये पौधा वास्तु के लिहाज से बहुत शुभ माना जाता है. घर में इस पौधे को सही दिशा में लगाने से धन का आगमन होता है।

हालांकि एक पौधा और है, जिसे मनी प्लांट से भी अधिक शुभ माना जाता है. आइए जानते हैं इस पौधे का नाम. साथ ही जानते हैं इसे घर में लगाने के लाभ।

क्रसुला प्लांट

इस पौधे का नाम है क्रसुला प्लांट. इसे भी मनी प्लांट की श्रेणी में रखा जाता है. चाइनीज वास्तु शास्त्र यानी फेंगशुई में इसे मनी प्लांट से भी अधिक प्रभावशाली माना गया है. क्रसुला प्लांट को घर में लगाने से धीरे-धारे आर्थिक तंगी से मुक्ति मिल जाती है. यह पौधा आय के नए रास्ते खोलने में सहायता करता है. घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है. घर मे बरकत बढ़ाता है।

नौकरी और व्यापार में लाभ

अगर जेब खाली है, तो घर में ये पौधा लगाना बहुत लाभदायक साबित हो सकता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में क्रसुला प्लांट लगाने से सिर्फ नौकरी और कारोबार में ही लाभ नहीं होता, बल्कि यह पौधा घर में ऊर्जा संतुलन भी बनाए रखता है. कारोबारियों के लिए यह विशेष रूप से शुभ बताया जाता है. क्रसुला प्लांट को घर के प्रमुख दरवाजे के दाहिनी ओर लगाना चाहिए. वास्तु की मान्यताओं के अनुसार...

ऐसा करने से घर में धन के आगमन के अवसर बढ़ते हैं. इस पौधे को बहुत अधिक पानी देने की आवशकता नहीं होती. सिर्फ समय-समय पर इसकी पत्तियों को साफ कर देना चाहिए. इस पौधे को धूप पर्याप्त मात्रा में देनी चाहिए. वास्तु शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार, घर में पौधों की मौजूदगी से वातावरण साफ रहता है. साथ ही मानसिक संतुलन बना रहता है।

महल की भव्यता या दिल की उदारता ?

एक बूढ़ी महिला ने कैसे सिखाया राजा को राजधर्म का असली पाठ

एक राजा किसी गांव में घूम रहा था। वहां उसे एक जगह बहुत पसंद आई और उसने वहां पर अपने लिए एक आलीशान महल बनवाने का निश्चय किया। कुछ ही माह में महल बनकर तैयार हो गया। राजा और उसके परिवार ने उस महल में आकर रहना शुरू कर दिया। उसी महल के सामने एक पुरानी झोंपड़ी थी, जिसमें एक बूढ़ी महिला रहती थी। सुबह-सुबह जब राजा, रानी और उनके बच्चे उठते तो उन्हें सबसे पहले बुढ़िया और उसकी झोंपड़ी नजर आती, जिसे देखकर उनका मन दुखी हो जाता।

कुछ दिन बाद राजा ने अपने सिपाहियों को बुलाकर कहा कि बुढ़िया को कुछ धन देकर कहो कि वह अपनी झोंपड़ी यहां से हटा ले। सिपाही महिला के पास गए तो उसने किसी भी कीमत पर वहां से जाने से इंकार कर दिया। वे उसे पकड़कर राजा के पास ले आए। राजा ने उसे समझाया कि उसे राजा की आज्ञा का पालन करना चाहिए। वह चाहे तो उसकी झोंपड़ी जबरदस्ती भी वहां से हटवा सकता है।

इस पर बुढ़िया बोली कि आप समर्थ हैं जो चाहे कर सकते हैं लेकिन इतना तो सोचिए कि जब मैं आपका इतना विशाल महल, बाग-बगीचे सब देख सकती हूं तो मेरी छोटी-सी झोंपड़ी आपकी आंखों में क्यों खटकती है? आपके पास ताकत है, लेकिन उसे एक कमजोर पर प्रयोग करने से क्या आपको अपशय नहीं लगेगा? यह सुनकर राजा बहुत लज्जित हुआ और उसने क्षमा-याचना कर उसे ससम्मान वहां से विदा किया।

वास्तु अनुसार लगाएं वर्ष 2026 का कैलेंडर

नया साल जीवन में नई ऊर्जा, नई शुरुआत और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक होता है। ऐसे में नए साल का कैलेंडर लगाना केवल तारीख देखने का माध्यम नहीं, बल्कि वास्तु शास्त्र के अनुसार यह भाग्य और वातावरण को भी प्रभावित करता है। यदि कैलेंडर सही दिशा, सही स्थान और सही नियमों के अनुसार लगाया जाए, तो यह घर और कार्यालय में सुख, शांति, तरक्की और सकारात्मक ऊर्जा लाता है। नए साल का कैलेंडर लगाते समय वास्तु के कौन-कौन से नियमों का पालन करना चाहिए और शुभता के लिए क्या करना चाहिए, जानते हैं।

नए साल का कैलेंडर लगाते समय क्या करना चाहिए (वास्तु अनुसार)

पुराने कैलेंडर को सम्मानपूर्वक हटाएं

नया कैलेंडर लगाने से पहले पुराने साल के कैलेंडर को जरूर हटा दें।

फटे, गंदे या खराब कैलेंडर को घर में न रखें।

पुराने कैलेंडर को साफ कपड़े में लपेटकर सम्मानपूर्वक नष्ट करें।

इससे नकारात्मक ऊर्जा हटती है।

कैलेंडर लगाने की शुभ दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार कैलेंडर लगाने की सबसे शुभ दिशाएं हैं:

उत्तर दिशा – करियर, धन और अवसरों के लिए

पूर्व दिशा – स्वास्थ्य, प्रगति और सकारात्मकता के लिए

दक्षिण दिशा में कैलेंडर लगाना अशुभ माना जाता है, क्योंकि यह यम दिशा है और प्रगति में बाधा ला सकती है।

कैलेंडर में सही तस्वीरों का चयन

कैलेंडर पर बनी तस्वीरें ऊर्जा को प्रभावित करती हैं।

शुभ मानी जाने वाली तस्वीरें

भगवान, देवी-देवता, प्रकृति, हरियाली, जल, सूर्योदय, सकारात्मक और शांत दृश्य।

अशुभ मानी जाने वाली तस्वीरें:

युद्ध, हिंसा, उदासी, सूखे पेड़, डूबता सूरज, अकेलापन या नकारात्मक भाव दर्शाती तस्वीरें।

टूटा या रुका हुआ समय न दिखे

कैलेंडर हमेशा साफ, सही तारीख पर और अपडेटेड होना चाहिए।

गलत तारीख या रुका हुआ कैलेंडर रुकी हुई प्रगति का संकेत माना जाता है।

जय भानुशाली और माही विज का तलाक, शादी के 14 साल बाद टूटा रिश्ता, एक्टर ने बताया सच

जय भानुशाली और माही विज का रिश्ता टूट गया है। दोनों ने घोषणा कर दी है कि वे तलाक लेने जा रहे हैं। लंबे-चौड़े पोस्ट में दोनों ने अपना रिश्ता टूटने की बात बताई है। गौरतलब है कि दोनों एक-दूसरे के साथ तस्वीरें पोस्ट नहीं कर रहे थे और कुछ फैंस को लगा कि वे अलग-अलग रह रहे हैं।

जय माही का तलाक

जय भानुशाली और माही विज भारतीय टेलीविजन के सबसे फेमस कपल्स में से एक रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से दोनों तलाक की खबरों के कारण चर्चा में हैं। इन खबरों के बीच, माही विज ने हाल ही में 'सेहर होने को है' शो से टीवी पर वापसी की है। अब एक्टर जय भानुशाली ने तलाक को लेकर अनाउंसमेंट कर दी है। दोनों के रास्ते अलग हो रहे हैं और माही-जय ने खुद ये बात बता दी है।

जय भानुशाली ने अनाउंसमेंट करते हुए लिखा, 'हमने जीवन के इस कठिन सफर में अलग होने का फैसला किया है, फिर भी हम एक-दूसरे के प्रति श्रद्धा और सम्मान बनाए रखेंगे। शांति, विकास, दयालुता और मानवता हमेशा से हमारे मार्गदर्शक मूल्य रहे हैं। अपने बच्चों तारा और खुशी-राजवीर के लिए हम बेस्ट माता-पिता, बेस्ट दोस्त बनने और उनके लिए जो भी सही है, वह करने की कोशिश कर रहे हैं।'

जय भानुशाली-माही विज का तलाक

उन्होंने आगे लिखा, 'हालांकि, हम अलग-अलग रास्तों पर चल रहे हैं, इस कहानी में कोई अस्थिरता नहीं है और इस डिसीजन से कोई निगेटिविटी जुड़ी नहीं है। कोई भी निष्कर्ष निकलने से पहले, कृपया जान लें कि हम नाटक से ऊपर शांति को चुनते हैं। हम एक-दूसरे का सम्मान करेंगे, एक दूसरे का सपोर्ट करेंगे और हमेशा की तरह दोस्त बने रहेंगे। आपसी सम्मान के साथ, हम आगे बढ़ते हुए आपसे सम्मान, प्यार की कामना करते हैं।'

जय और माही रह रहे थे अलग

2025 तक, ऐसी अफवाहें फैलने लगीं कि टीवी के मशहूर कपल जय और माही तलाक लेने जा रहे हैं। गौरतलब है कि दोनों एक-दूसरे के साथ तस्वीरें पोस्ट नहीं कर रहे थे और कुछ फैंस को लगा कि वे अलग-अलग रह रहे हैं। एक सूत्र ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया था कि जय और माही के तलाक की कानूनी कार्यवाही जुलाई-अगस्त 2025 के बीच पूरी हो जाएगी।

जय और माही की शादी और बच्चे

बाद में माही ने तलाक की अफवाहों का खंडन किया था और कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। हालांकि, अफवाहें रुकी नहीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों अलग रह रहे हैं और जल्द ही तलाक लेंगे। अब जाकर, जय और माही दोनों ने इस बारे में पोस्ट किया है और अलग होने की घोषणा की। आपको बता दें कि जय और माही ने 2011 में शादी की थी और उनके तीन बच्चे हैं।

'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी और प्रतिभा रांटा?

फिल्म 'गली बॉय' से सुर्खियों में आए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वी शांताराम' को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, इस बीच पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ये चर्चा तेज है कि सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ विजय देवरकोंडा की फिल्म 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। दोनों स्टार्स की कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं फैलने लगीं। अब दोनों स्टार्स ने खुद इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सभी तरह की चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

फिलहाल कोई रीमेक नहीं

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सबसे पहले इन अफवाहों पर अपना रुख स्पष्ट किया। 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की खबरों को खारिज करते हुए सिद्धांत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी में अभिनेता ने लिखा, 'दोस्तों, मैं स्पष्ट कर दूं कि यह सच नहीं है। अब मेरे लिए कोई रीमेक नहीं, हालांकि मैं मूल फिल्म और अभिनेताओं का प्रशंसक हूं, बहुत सारा प्यार और सम्मान।

धन्यवाद।' इस स्टोरी के जरिए सिद्धांत ने इन खबरों पर तो विराम लगाया ही, साथ ही ये भी स्पष्ट कर दिया कि वो फिलहाल अब किसी भी रीमेक फिल्म में काम नहीं करना चाहते।

प्रतिभा रांटा के साथ काम करना चाहते हैं सिद्धांत

हालांकि, सिद्धांत ने इस दौरान प्रतिभा रांटा के साथ काम करने की इच्छी भी जताई। अपनी स्टोरी में उन्होंने आगे लिखा, 'मैं बेहद प्रतिभाशाली प्रतिभा रांटा के साथ किसी ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करना चाहूंगा, जो नई कहानी हो। इसका बेसब्री से इंतजार है।' जाहिर है कि सिद्धांत किसी रीमेक की बजाय एक नई कहानी पर काम करना चाहते हैं।

प्रतिभा रांटा ने भी दिया रिएक्शन

सिद्धांत चतुर्वेदी की तरह ही प्रतिभा रांटा ने भी 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। हालांकि, एक्ट्रेस ने इन खबरों का खंडन या इनकी पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने अपने नाम पर फैलाई जा ही गलत खबरों पर जरूर अपनी प्रतिक्रिया दी। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं सभी मीडिया पेजों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि कृपया किसी भी अपुष्ट जानकारी को प्रकाशित या प्रसारित करने से बचें।

आधिकारिक घोषणा का इंतजार करें। मेरे साथ काफी समय से ऐसा हो रहा है, कई ऐसे प्रोजेक्ट्स में जिनसे मैं जुड़ी नहीं हूं, जिससे अक्सर अनावश्यक भ्रम पैदा होता है। इस मामले में आपकी समझ, सहयोग और निरंतर समर्थन के लिए मैं वास्तव में आभारी रहूंगी।' जाहिर है कि प्रतिभा रांटा ने सिद्धांत की तरह साफ तौर से इस बात से इंकार नहीं किया कि वो रीमेक में नजर नहीं आएंगी। बल्कि उन्होंने आधिकारिक घोषणा होने का इंतजार होने की बात कही है।

सिद्धांत आखिरी बार 'धड़क 2' में नजर आए थे

वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत को आखिरी बार 'धड़क 2' में देखा गया था। समीक्षकों द्वारा सराही गई ये फिल्म तमिल फिल्म 'परियेरुम पेरुमल' का रीमेक थी। जबकि प्रतिभा रांटा आखिरी बार 'लापता लेडीज' में ही नजर आई थीं। अब वो 'द रिवोल्यूशनरीज' नाम की वेब सीरीज में नजर आएंगी।

अर्चना पूरन सिंह ने परमीत सेठी को दी तलाक की धमकी, पति ने बेटों के सामने मारा ऐसा जोक कि बिफर गईं

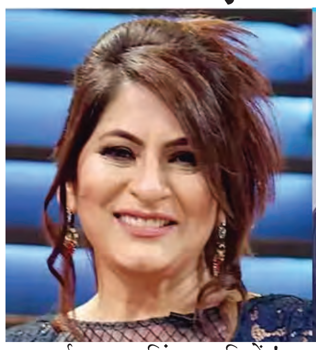

अर्चना पूरन सिंह इन दिनों 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के कारण ही नहीं बल्कि अपने व्लॉग्स की वजह से भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। वह पति परमीत सेठी और दोनों बेटों के साथ मिलकर यूट्यूब चैनल चलाती हैं। इस वक्त अर्चना पति, दोनों बेटों और उनकी गर्लफ्रेंड्स के साथ लंदन में छुट्टियां मना रही हैं। इसी वेकेशन पर परमीत सेठी ने ऐसा जोक मार दिया, जिससे अर्चना चिढ़ गईं और मजाक में तलाक की धमकी दे डाली। यह तब हुआ, जब पूरा परिवार लंदन में विंटर वंडरलैंड में न्यू ईयर मना रहा था।

अर्चना पूरन सिंह, परमीत सेठी और उनके दोनों बेटे जब गर्लफ्रेंड्स के साथ एक अमयूजमेंट पार्क में एक पॉड में घुसे, तो परमीत ने एक टॉयलेट जोक मारा। हर कोई हंसा, पर अर्चना को बुरा लग गया। उन्होंने तुरंत परमीत से कहा, 'इस बात पे डिवोर्स हो सकता है।'

अर्चना ने परमीत से कहा- ऐसे जोक्स पसंद नहीं, तलाक ले सकती हूं

फिर अर्चना ने बताया कि उन्हें अश्लील जोक्स बिल्कुल पसंद नहीं हैं। परमीत फिर भी मजाक के मूड में नजर आए और अर्चना से बोले, 'इसीलिए तो मैं ये करता हूं।' इस पर अर्चना हंस पड़ीं और फिर कहा कि वह बिल्कुल भी सीरियस नहीं थीं, बल्कि मजाक कर रही थीं। अर्चना बोलीं, 'मुझे लगता है कि मैं इस जोक पर उनसे तलाक ले सकती हूं। मुझे लगता है कि ये जायज है।'

अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी की लव स्टोरी और शादी

अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी की शादी की बात करें, तो उन्होंने कुछ साल तक एक-दूसरे को डेट करने, लिव-इन में रहने के बाद साल 1992 में शादी की थी। उनकी शादी को 33 साल को गए हैं और दो बेटे हैं। इतने साल बाद भी अर्चना और परमीत का रिश्ता अटूट है। कभी भी उनके बीच मनमुटाव या झगड़े की खबरें नहीं आईं। अर्चना ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने अपनी शादी को चार साल तक छुपाकर रखा था क्योंकि परमीत के पैरेंट्स राजी नहीं थे। इसके अलावा तब शादीशुदा एक्ट्रेस को काम कम मिलता था। अर्चना और परमीत सेठी ने एक साथ लिव-इन में रहने के बाद एक ही रात में शादी करने का फैसला किया था।

विजय देवरकोंडा की किंगडम 2 नहीं बनेगी

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा इन दिनों पर्सनल लाइफ और अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में छाए हैं। उनकी फिल्मों के अपडेट्स फैंस को बांधे रखते हैं, लेकिन अब एक झटका लगा है। विजय देवरकोंडा की बहुचर्चित फिल्म 'किंगडम 2' अब कभी नहीं बनेगी। फिल्म के प्रोड्यूसर नागा वामसी ने इस फिल्म के पहले पार्ट के फ्लॉप होने के बाद यह फैसला लिया है।

किंगडम 2025 में रिलीज हुई एक एक्शन थ्रिलर फिल्म थी, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। गौतम तिन्नानुरी के

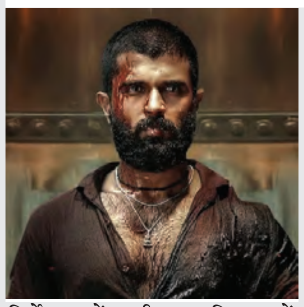

निर्देशन में बनी इस फिल्म में विजय देवरकोंडा और भाग्यश्री बोरसे का अहम रोल था। फैंस को पिछले कुछ समय से फिल्म के सीक्वल का इंतजार था, लेकिन मेकर्स ने प्लान कैंसल कर दिया।प्रोड्यूसर नागा वामसी ने साफ कहा कि अब वो फिल्म नहीं बना रहे। जब पूछा गया कि क्या फिल्म को एक पार्ट में खत्म करना बेहतर होता बजाय सीक्वल प्लान के, तो उन्होंने जवाब दिया कि पिछली बातों पर चर्चा करने से कोई फायदा नहीं। इससे सिर्फ फिल्म के डायरेक्टर गौतम तिन्नानुरी को तकलीफ होगी। अब कुछ करने को बचा नहीं है।

नागा वामसी ने भविष्य की प्लानिंग पर बात करते हुए कहा कि जल्द ही वो डायरेक्टर गौतम तिन्नानुरी के साथ एक नई फिल्म कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गौतम तिन्नानुरी एक अलग जॉनर की फिल्म डेवलप कर रहे हैं।

विजय देवरकोंडा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो लंबे समय रश्मिका मंदाना के साथ डेटिंग, सगाई की खबरों से सुर्खियों में हैं। नई रिपोर्ट्स के माने तो अब रश्मिका और विजय 26 फरवरी को राजस्थान के उदयपुर में सात फेरे लेने जा रहे हैं। इस दौरान दोनों की फैमिली और करीबी दोस्त मौजूद रहेंगे। फिलहाल इस प्राइवेट शादी के लिए तैयारियां चल रही हैं।

कल्ट फिल्म नायक का सीक्वल बना सकते हैं अनिल कपूर

रिलीज के 25 साल बाद प्रोड्यूसर से खरीदे फिल्म के राइट्स, जल्द शुरू कर सकते हैं काम

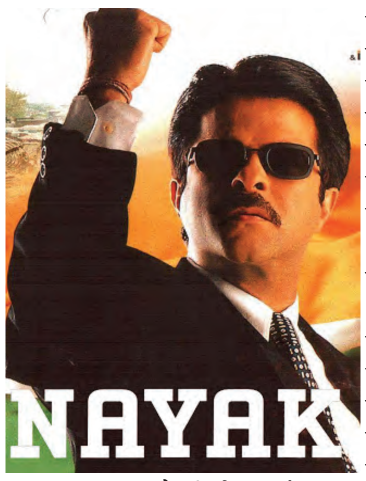

साल 2001 में रिलीज हुई अनिल कपूर, रानी मुखर्जी और अमरीष पुरी स्टारर फिल्म नायक सुपरहिट रही थी। फिल्म आज भी भारत की कल्ट फिल्मों में गिनी जाती है। अब फिल्म रिलीज के 25 साल बाद अनिल कपूर जल्द ही इसका सीक्वल ला सकते हैं। उन्होंने हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर ए.एम.रत्नम से फिल्म के राइट्स खरीद लिए हैं।

हाल ही में आई रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि सनम तेरी कसम जैसी हिट फिल्म बना चुके प्रोड्यूसर दीपक मुकुट के पास साल 2001 में आई फिल्म नायक के राइट्स थे। लेकिन हाल ही में अनिल कपूर ने उनसे फिल्म नायक के राइट्स खरीद लिए हैं।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि फिल्म नायक अनिल कपूर के दिल के बेहद करीब है, इसलिए वो इसके राइट्स अपने पास रखना चाहते हैं। वो इस फिल्म का सीक्वल भी बनाना चाहते हैं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि सालों में इस फिल्म को दर्शकों से कितना प्यार मिला है और उनका मानना है कि नायक के सब्जेक्ट में सीक्वल की संभावनाएं हैं।

फिल्म नायक साल 2001 की हिट फिल्म थी, जिसमें अनिल कपूर, रानी मुखर्जी, पूजा बत्रा, अमरीश पुरी, परेश रावल अहम किरदारों में थे। फिल्म का निर्देशन शंकर ने किया था। ये शंकर की ही साउथ फिल्म मधुवलन (1999) की हिंदी रीमेक थी। नायक, डायरेक्टर शंकर के निर्देशन में बनी इकलौती हिंदी फिल्म है। इसके अलावा वो शिवाजी- द बॉस, आई, रोबोट 2.0 जैसी सुपरहिट फिल्में बना चुके हैं।

2013 से हैं नायक का सीक्वल बनने की खबरें

इससे पहले भी नायक की सीक्वल की खबरें सुर्खियों में रही हैं। साल 2013 में खबरें थीं कि अनिल कपूर नायक का सीक्वल कर रहे हैं, जिसका टाइटल नायक रिटर्न होने वाला है। हालांकि मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। इसके बाद साल 2017 में भी ये सीक्वल चर्चा में था। तब रिपोर्ट्स थीं कि वी.विजयेंद्र प्रसाद फिल्म का स्क्रीनप्ले तैयार कर रहे हैं और 2017 में ही इसका पोस्ट प्रोडक्शन शुरू किया गया है, हालांकि फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं की गई थी।

90 के दशक के खूंखार विलेन आशीष विद्यार्थी क्यों हुए ट्रेंड?

आशीष विद्यार्थी 90 के दशक में हिंदी फिल्मों में बतौर विलेन चर्चा में रहे। उन्होंने खूंखार विलेन के तौर पर अलग पहचान हासिल की। आगे चलकर हिंदी के अलावा साउथ फिल्मों भी विलेन के किरदार निभाकर सक्रिय रहे। इन दिनों एक्टिंग से इतर एक खास तरह का काम वह करते हैं? साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी दो साल पहले उनकी खूब चर्चा रही। अब अचानक से वह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगे।

क्यों सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं आशीष विद्यार्थी?

शनिवार को आशीष विद्यार्थी ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें वह एक बड़ी अहम जानकारी देते हैं। वह बताते हैं कि उनके और पत्नी रूपाली बरुआ के एक्सीडेंट की जो खबर चल रही है, वह सही है। लेकिन यह स्थिति गंभीर नहीं है। आशीष विद्यार्थी और उनकी पत्नी बिल्कुल ठीक हैं। दरअसल, शनिवार को एक खबर सामने आई थी कि आशीष विद्यार्थी और उनकी पत्नी रूपाली बरुआ शुक्रवार को गुवाहाटी के जू रोड के पास एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। इस बात से आशीष विद्यार्थी के फैंस को चिंता हुई। फैंस की चिंता दूर करने के लिए आशीष विद्यार्थी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया और पूरी स्थिति साफ की।

दो साल पहले 58 साल की उम्र में की दूसरी शादी

आशीष विद्यार्थी दो साल भी अचानक सुर्खियों में आए थे, जब उन्होंने रुपाली बरुआ से शादी की। यह उनकी दूसरी शादी थी। रुपाली से पहले उनकी शादी राजोशी विद्यार्थी से हुई थी। 22 साल की शादी के बाद ये दोनों साल 2022 में अलग हो गए, आपसी सहमति से तलाक हुआ। फिर 2023 में आशीष विद्यार्थी ने रुपाली बरुआ से शादी की। वह असल से बिलॉन्ग करती हैं। फैशन इंडस्ट्री में काम करती हैं। एक फैशन शूट के दौरान दोनों मिले थे। कुछ वक्त तक डेट करने के बाद दोनों ने शादी कर ली। जब इनकी शादी हुई तो रुपाली बरुआ की उम्र 50 साल और आशीष विद्यार्थी की उम्र 58 साल थी।

एक्टिंग के अलावा कंटेंट क्रिएशन में रखा कदम

फिल्मों में विलेन के रोल करने वाले एक्टर आशीष विद्यार्थी कुछ साल से बतौर कंटेंट क्रिएटर भी एक्टिव हैं। वह ट्रैवलिंग, फूड से जुड़े वीडियो अपने व्लॉग चैनल पर बनाते हैं। उनका व्लॉग काफी पसंद किया जाता है। इन वीडियो में पत्नी रुपाली बरुआ भी साथ नजर आती हैं।

इन फिल्मों में निभाया था विलेन के चर्चित रोल

1990 में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से पास होने के बाद उन्होंने थिएटर में काम करना शुरू किया। साल 1991 में हिंदी फिल्मों में कदम रखा। साल 1993 में उनकी पहली फिल्म 'सरदार' रिलीज हुई। साल 1994 में उनकी फिल्म 'द्रोहकाल' रिलीज हुई। इस फिल्म के लिए आशीष को नेशनल फिल्म अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने '1942; ए लव स्टोरी', 'नाजायज', 'बाजी' सनी देओल की फिल्म 'जीत' में नेगेटिव रोल निभाए। बॉबी देओल की फिल्म 'बिच्छू' में भी वह विलेन के रोल में खूब पसंद किए गए। अपने अब तक के करियर में वह 300 से अधिक फिल्में कर चुके हैं। उन्होंने लगभग 11 भाषाओं में काम किया, रिजनल सिनेमा में भी अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। उनकी आखिर फिल्म 'किल' है, जो साल 2024 में रिलीज हुई। साल 2025 में वह रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में भी बतौर प्रतियोगी नजर आए थे।

आखिरी फिल्म 'जन नायकन' को लेकर ट्रोल हुए थलापति विजय, यूजर्स बोले- पैसा बर्बाद मत करना

'जन नायकन' का ट्रेलर जब रिलीज हुआ तो विजय के फैंस को यह काफी पसंद आया। फैंस इस फिल्म को लेकर इसलिए उत्साहित हैं, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिर फिल्म है। अब यही फिल्म सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रही है। दर्शक थलापति विजय को निशाने पर ले रहे हैं। इसकी ट्रोलिंग के पीछे साउथ एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' है। जानिए, यह पूरा मामला क्या है?

यूजर्स बोले- 'जन नायकन' देखकर अपना पैसा बर्बाद मत करना

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने विजय की फिल्म 'जन नायकन' के ट्रेलर के सीन्स को जब देखा तो उन्हें जल्द ही पता चल गया कि यह नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' का रीमेक है। फैंस ने दोनों फिल्मों के सीन्स की आपस में तुलना की। आखिर में कई यूजर्स ने कहा कि विजय की फिल्म से बेहतर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' है। एक यूजर ने कमेंट किया, 'यूट्यूब पर भगवंत केसरी मौजूद है, इसलिए जन नायकन देखकर अपना पैसा बर्बाद ना करें। इसके बजाय ऑरिजनल फिल्मों को थिएटर में जाकर देखें।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'विजय की फिल्म तो भगवंत केसरी का किसी भी मामले में मुकाबला नहीं कर सकी है।' कई तेलुगु यूट्यूबर ने भी इस थलापति विजय की अपकमिंग फिल्म को जमकर ट्रोल किया है।

क्या थी 'भगवंत केसरी' की कहानी

'भगवंत केसरी' की कहानी की बात करें तो इसमें नंदमुरी बालकृष्ण ने एक पूर्व पुलिस ऑफिसर का रोल किया था। वह विजी नाम की लड़की को पालता है, उसे आर्मी में भेजना चाहता है। लेकिन इस बीच विलेन की एंट्री होती है, जो विजी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है, क्योंकि उसकी और नंदमुरी के किरदार की पुरानी दुश्मनी है। लगभग यही कहानी फिल्म 'जन नायकन' के ट्रेलर में भी नजर आती है।

कब रिलीज होगी 'जन नायकन'

यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में थलापति विजय के अलावा बॉबी देओल भी हैं, जो विलेन के रोल में हैं। वहीं प्रकाश राज, पूजा हेगड़े और प्रियमणि भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कहा सुपरनैचुरल थ्रिलर 'शंभाला' में क्या है खास

भारतीय सिनेमा में जब भी आस्था, विज्ञान और रहस्य का संगम होता है, तो दर्शकों की उत्सुकता अपने चरम पर पहुंच जाती है। कुछ ऐसी ही दिलचस्प कहानी लेकर आ रही है सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'शंभाला', जिसने तेलुगु भाषा में शानदार सफलता हासिल करने के बाद अब हिंदी दर्शकों के बीच दस्तक देने की तैयारी कर ली है। खास बात यह है कि फिल्म के हिंदी ट्रेलर को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने लॉन्च किया है, जिससे फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है।

9 जनवरी को हिंदी में रिलीज होगी फिल्म

तेलुगु वर्जन में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी पकड़ बनाने वाली 'शंभाला' अब 9 जनवरी 2026 को हिंदी भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रहस्य, विज्ञान और अंधविश्वास के बीच चलने वाली इस कहानी को हिंदी दर्शकों के लिए भी उतनी ही प्रभावशाली ढंग से पेश किया गया है।

रहस्य से भरी कहानी

'शंभाला' की कहानी एक ऐसे गांव के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां आसमान से गिरी एक रहस्यमयी विशाल चट्टान के बाद अजीबोगरीब घटनाएं शुरू हो जाती हैं। गांव में अचानक होने वाली रहस्यमय हत्याएं, डर का माहौल और सदियों पुरानी मान्यताएं लोगों की सोच को जकड़ लेती हैं। इन सबके बीच कहानी में प्रवेश होता है विक्रम का, जो पेशे से एक जियो-साइंटिस्ट है। विक्रम का किरदार निभा रहे हैं अभिनेता आदि साई कुमार, जो फिल्म में एक ऐसे इंसान के रूप में नजर आते हैं, जो हर सवाल का जवाब तर्क और विज्ञान में खोजता है। लेकिन जब उसका सामना अलौकिक घटनाओं और गहरे अंधविश्वास से होता है, तब उसके लिए सच तक पहुंचना आसान नहीं रहता। यही द्वंद्व फिल्म की आत्मा है- विज्ञान बनाम अंधविश्वास।

फिल्म को लिखा और निर्देशित किया है युगंधर मुनि ने, जिन्होंने 'शंभाला' के जरिए एक अलग ही सिनेमाई अनुभव रचने की कोशिश की है। यह फिल्म सिर्फ डराने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हर अनजानी चीज़ अलौकिक होती है या फिर उसके पीछे भी कोई वैज्ञानिक कारण छिपा होता है। युगंधर मुनि की कहानी कहने की शैली, पौराणिक कथाओं और आधुनिक विज्ञान को जोड़ते हुए एक ऐसी दुनिया रचती है, जो रोमांचक भी है और रहस्यमयी भी।

'शंभाला' में आदि साई कुमार के साथ अर्चना अय्यर फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में स्वासिका विजय, अन्नपूर्णम्मा, रवि वर्मा, मीसाला लक्ष्मण, शिजू मेनन, हर्षवर्धन, शिवा कार्तिक और शैलजा प्रिया जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। सभी किरदार कहानी को मजबूती देते हैं और रहस्य को और गहराते हैं।

'इंश्योरेंस सैक्टर' में रोजगार के अवसर

इंश्योरेंस सैक्टर उन फील्ड्स में एक है जो पिछले कुछ वर्षों से तेजी से विस्तार कर रहा है। इसमें रोजगार के कई अवसर हैं। अगर आप भी इस सैक्टर में करियर बनाने की सोच रहे हैं तो यह अच्छा समय है। खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हैल्थ सैक्टर में काफी बूस्ट आया है। हालांकि, आज लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कम्पनियों के पास पॉलिसी हैं।

जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। सरकारी कम्पनियों जैसे जीवन बीमा निगम, राष्ट्रीय बीमा कम्पनी के अलावा कितनी ही निजी इंश्योरेंस कम्पनियां भी इस क्षेत्र में कार्यरत हैं।

ग्रैजुएशन के बाद छात्र इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। हालांकि, इंश्योरेंस सैक्टर में 12वीं के बाद भी प्रवेश कर सकते हैं। आजकल कई कम्पनियां ग्रैजुएट छात्रों को पार्ट-टाईम जॉब का ऑफर भी देती हैं। फिर भी विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए कॉलेज के बाद इंश्योरेंस मैनेजमैंट में मास्टर्स डिग्री लेना श्रेयस्कर रहेगा।

यदि आपमें सेलिंग स्किल, पीपल स्किल हैं तथा आप लोगों की परेशानियों को समझते व उन्हें वित्तीय मदद भी देने को सदैव तैयार रहते हैं तो इंश्योरेंस सैक्टर आपके लिए बेहतर होगा। वास्तविक दुनिया में इंश्योरेंस का महत्व शुरूआत में ही समझा जाना चाहिए।

इस तरह करें शुरूआत

आप किसी लोकप्रिय इंश्योरेंस कम्पनी के इंश्योरेंस एजेंट या सेल्स एग्जीक्यूटिव इंश्योरेंस के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। इसके लिए आपको इरडा (भारतीय बीमा नियामक प्राधिकरण) द्वारा संचालित एजैंट परीक्षा पास करनी होगी। कुछ सालों तक इस तरह काम करने के बाद आप इंश्योरेंस मैनेजर भी बन सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

इंश्योरेंस को करियर बनाने के लिए दो तरह की स्किल्स की आवश्यकता होती है- पहला, लोगों को आसानी से दोस्त बनाना और दूसरा, उनकी परेशानी को सही ढंग से पहचान कर उन्हें इंश्योरेंस के महत्व को समझाना। आप उन्हें समझा सकते हैं कि भविष्य में होने वाली किसी दुर्घटना से इंश्योरेंस कैसे सुरक्षा प्रदान करता है। इंश्योरेंस कम से कम वित्तीय रूप से लोगों को सुरक्षा तो प्रदान कर ही सकता है।

इंश्योरेंस प्रोफैशनल्स के लिए रोजगार की सम्भावनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। आप एक इंश्योरेंस एजैंट के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं जहां आपको लोगों को बीमा पॉलिसी बेचनी होती है। इसके लिए आपको निश्चित टार्गेट दिया जाता है जिसे आपको प्रीमियम के रूप में कम्पनी के लिए कमाकर पूरा करना होता है।

इसके बदले में आपको कमीशन दिया जाता है। इसके अलावा सेल्स मैनेजर इंश्योरेंस का पद भी महत्वपूर्ण होता है जहां आपको इंश्योरेंस एजेंटों की एक टीम को संभालना होता है। आप इंश्योरेंस अंडरराईटर के रूप में भी अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं।

एक्कुरियल साइंस में मौके

इंश्योरेंस सैक्टर में बतौर एक्कुरियल प्रोफैशनल भी करियर बनाने के अच्छे मौके हैं। इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रैजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्कुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टैटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना आवश्यक है जबकि पी.जी. डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स स्टैटिस्टिक्स, इकोनॉमैट्रिक्स सब्जैक्ट से स्नातक जरूरी है। छात्र इंस्टीच्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मैम्बर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं।

एक्चुरी प्रोफैशनल बनने के लिए छात्रों को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फैलो मैम्बर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

कार्य क्षेत्र

एक्चुरियल प्रोफैशनल मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मैथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनांस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। वे यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कम्पनी को पैंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफैशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफैशनल्स को इंश्योरैंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

योग्यता : अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर, असिस्टैंट डिवैल्पमैंट अफसर, इंश्योरेंस सर्वेयर, एक्कुरी मैनेजर, रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। इस फील्ड में भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि यहां की कम्पनियां वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रही हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में बढिया करियर

आज पूरी दुनिया डिजिटिलाइजेशन की ओर बढ़ रही हैं और कंपनियां अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए काफी संख्या में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स को हायर कर रही हैं। 'द सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी' के अनुसार वर्तमान समय में देश में बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में कई संस्थाओं और थिंक टैंक का मानना है कि युवाओं को अब रोजगार के परंपरागत तरीकों से हटकर कुछ और भी सोचना होगा। दरअसल बेरोजगारी की समस्या से परेशान युवाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग तरक्की के नए रास्ते खोल रहा है। आज पूरी दुनिया डिजिटिलाइजेशन की ओर बढ़ रही हैं और कंपनियां अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए काफी संख्या में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स को हायर कर रही हैं। डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की नौकरी अभी टॉप 10 डिमांड्स वाली नौकरियों में भी शामिल है। साथ ही डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड हर साल 30 फीसदी की दर से बढ़ रही है। देश विदेश के बाजार में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की बढ़ती हुई डिमांड को देखते हुए देश की जानी-मानी एडटेक कंपनी सफलता डॉट कॉम ने अब देश के युवाओं को डिजिटल मार्केटिंग में दक्ष बनाने के लिए एक खास स्किल डेवलपमेंट कोर्स की शुरुआत की है। आप इस लिंक डिजिटल मार्केटिंग पर क्लिक करके इस खास कोर्स से जुड़ सकते हैं और घर बैठे इस कोर्स की सहायता से डिजिटल मार्केटिंग के फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

ये भी सीखें

मास्टर डिजिटल मार्केटिंग

एडवांस डिजिटल मार्केटिंग

प्रोफेशनल डिजिटल मार्केटिंग

12वीं से लेकर ग्रेजुएट युवाओं के लिए है बंपर नौकरियां

डिजिटल मार्केटिंग के फील्ड में उन 12वीं से लेकर ग्रेजुएट युवाओं के लिए बंपर नौकरियां हैं जिन्होंने डिजिटल स्किल हासिल की हुई है। पूरे भारत में अभी आने वाले वर्ष में 8 लाख से अधिक डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड बनी हुई है। साथ ही यह उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में भी और नौकरी इस फील्कीड में निकलेंगी। इसलिए युवा बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए सफलता के खास डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की सहायता ले सकते हैं। इस कोर्स की खास बात यह है कि इसमें एडमिशन लेने के लिए आपको किसी खास डिग्री की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सफलता द्वारा शुरू किए गए खास डिजिटल मार्केटिंग कोर्स में आपको डिजिटल मार्केटिंग के 20 टूल्स और 10 मॉड्यूल्स से परिचित कराया जाता है और यहां आपको गूगल सर्टिफाइड एक्सपीरियंस्ड फैकल्टीज से पढ़ने का मौका मिलता है। साथ ही आपको इंटरव्यू की भी तैयारी कराई जाती है। इसके अलावा आपको एक्सपर्ट फैकल्टीज से सीखने का मौका तथा इनके मास्टर क्लास सेशन्स में भी शामिल होने का मौका मिलता है। तो देर किस बात की आज ही इस कोर्स से जुड़े और डिजिटल मार्केटिंग की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाएं।

सफलता के साथ करें कॅरियर प्लान

अगर आप भी ग्रेजुएशन कर चुके हैं लेकिन अपने कॅरिअर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। देश की जानी-मानी ऐडटेक कंपनी सफलता ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं। यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं।

अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट जरूर करें और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद आपको सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही कॅरिअर चुनने में मार्गदर्शन भी करेंगे।

बदलाव के लिए रहिए तैयार

बचपन में हम आने वाले जीवन के लिए कितने सपने देखते हैं- बड़े होकर ये बनेंगे, ऐसा करेंगे, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं जीवन की तमाम परेशानियां और विपरीत स्थितियों के चलते हम सपने देखना भूल जाते हैं।

कई लोग परेशानियों में उलझने के बाद भी जीवन का उद्देश्य याद रखते हैं तो कई लोग परेशानियों में इस तरह उलझ जाते हैं कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम ही करना बंद कर देते हैं।

लोग इस तरह हताश हो जाते हैं कि जाने-अनजाने खुद का ही जीवन बर्बाद करते जाते हैं। आपको ऐसे संकेत बता रहे हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि आप अपने जीवन को बेकार या बर्बाद कर रहे हैं। अगर आपमें कोई ऐसे लक्षण हैं तो आपको तुरंत उन्हें बदलने की कोशिश करनी चाहिए। फालतू की चीजें करके बर्बाद करते हैं समय अगर आप अपना ज्यादातर समय वह काम करने में बिताते हैं जो आपको नहीं करने चाहिएं तो ये साफ संकेत है कि आप अपने जीवन को बर्बाद कर रहे हैं। बहुत से लोग आजकल ज्यादातर सोशल मीडिया पर वीडियो आदि देखते हुए गुजार देते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो यह समझने की जरूरत है कि बेवजह वीडियो देखना आपके जीवन को कहीं आगे नहीं ले जाएगा। ऐसा काम जो आपकी प्रोडक्टिविटी को नहीं बढ़ाता है और उस काम पर समय लगा रहे हैं तो आप एक तरह से खुद के जीवन को व्यर्थ कर रहे हैं। यदि आप हर छोटी-छोटी बातों पर शिकायत करते हैं तो खुद को नैगेटिव विचारों से घेर लेते हैं। अपनी इस आदत को भी आपको बदलना होगा।

प्रोफेशनल लाइफ में बातचीत में न करें ये गलतियां

आप किससे कैसे बात करते हैं, इसका बहुत असर आपकी प्रोफैशनल और पर्सनल लाइफ पर पड़ता है। आपको वे गलतियां बता रहे हैं जो लोग अक्सर बातचीत के दौरान करते हैं।

आदेश देना

जब हमें किसी से कोई बात मनवानी होती है या अपना कोई काम करवाना होता है तो हमें कोशिश करनी चाहिए कि हमारी बातचीत के लहजे से यह बिल्कुल न लगे कि हम किसी को कोई आदेश दे रहे हैं। अगर सामने वाले व्यक्ति को हमारे लहजे में ऐसा लगा कि आप उसे आदेश दे रहे हैं तो मुमकिन है कि वह हमारे

काम को करने से मना कर दे।

किसी से जबरदस्ती हां बुलवाने की कोशिश

जब आप किसी से भी बातचीत करते हैं तो आपको ध्यान देना चाहिए कि आप किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती अपनी बातों में हां में हां बुलवाने के लिए फोर्स न करें। मुमकिन है कि इससे सामने वाला व्यक्ति आपसे चिढ़ जाए।

सामने वाले का नाम नहीं लेना

ये गलती बहुत ही आम है। हम अक्सर बातचीत के वक्त सामने वाले व्यक्ति का नाम नहीं लेते हैं। हालांकि, अगर आप किसी से प्रभावशाली बातचीत करना चाहते हैं तो आपको सामने वाले व्यक्ति को नाम से बुलाना चाहिए।

लोगों को बीच में टोकना

आपको सामने वाले की पूरी बात सुननी चाहिए और उसके बाद ही कोई राय देनी चाहिए। अगर आप बातचीत के दौरान ही व्यक्ति को टोकते हैं तो हो सकता है कि आप उसे नाराज कर दें।

'रियल एस्टेट' में रोजगार के अवसर

आज के दौर में रियल एस्टेट उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और इसके साथ ही एक बड़ी मांग भी पैदा हो रही है। इस उद्योग के विकास के साथ- साथ, एक नौकरी क्षेत्र का उद्भव हुआ है जो रियल एस्टेट एजेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा आपकी सहायता कर सकता है।

यदि आप इस क्षेत्र में नौकरी ढूंढ़ रहे हैं, तो एक अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम आपको नौकरी के अवसरों में सुविधाजनक रूप से उन्नति करने में मदद कर सकता है।

प्रशिक्षण आपको व्यापारी कौशलों, नवीनतम नियम तथा विधियों, विपणन और प्रचार के तरीकों, वित्तीय प्रबंधन ग्राहक सेवा और विचारशीलता की जरूरत के बारे में शिक्षा प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आप एक पेशेवर रियल एस्टेट एजेंट के रूप में अपनी योग्यता बढ़ा सकते हैं।

रेरा के नए सर्कुलर के अनुसार रियल एस्टेट एजेंटों को व्यापार शुरू करने से पहले व्यावसायिक प्रशिक्षण लेना और उससे प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य बनाया गया था। एक अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यापारी कौशलों की समझ प्रदान करेगा जो आपको सफलतापूर्वक बिक्री और खरीदारी की सम्प्रभुता बनाने में मदद करेगा।

आप सीखेंगे कि कैसे विभिन्न विपणन और प्रचार के तकनीकों का उपयोग करके ग्राहकों को आकर्षित किया जाए और बिक्री को बढ़ावा दिया जाए। एक रियल एस्टेट एजेंट के लिए वित्तीय प्रबंधन भी महत्वपूर्ण होता है।

आईआईटी में गैर-शिक्षण पदों पर सीधी भर्ती, सैलरी 1.77 लाख से अधिक; स्नातक-परास्नातक के लिए मौका

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू ने गैर-शिक्षण पदों पर भर्ती निकाली है। यह भर्ती अभियान सीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति के आधार पर आयोजित किया जाएगा। पंजीकरण प्रक्रिया 3 जनवरी, 2026 को शुरू होगी। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट apply.iitjammu.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

जारी अधिसूचना के मुताबिक, पंजीकरण प्रक्रिया 3 जनवरी, 2026 सुबह 10 बजे से शुरू होगी। अभ्यर्थी 3 फरवरी, 2026 शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू 3 जनवरी, 2026 सुबह 10 बजे

आवेदन करने की अंतिम तिथि 3 फरवरी, 2025 शाम 5 बजे

कुल पद 27

आधिकारिक वेबसाइट apply.iitjammu.ac.in.

कुल 27 पदों पर होगी भर्ती

इस भर्ती अभियान के माध्यम से ग्रुप ए, बी और सी की कुल 27 रिक्तियां भरी जाएंगी। चयनित होने पर शानदार वेतन ऑफर किया जाएगा। 29,200 से लेकर 1,77,500 रुपये तक प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। इस भर्ती अभियान में पब्लिक रिलेशन ऑफिसर (PRO), असिस्टेंट रजिस्ट्रार, स्पोर्ट्स ऑफिसर, फायर एंड सेफ्टी ऑफिसर, जूनियर सेक्शन ऑफिसर, सीनियर असिस्टेंट जैसे पद शामिल हैं। रिक्ति और वेतन का विवरण इस प्रकार हैः

स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर की बढ़ी वैकेंसी, 1146 पदों पर होगी भर्ती

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (SCO) भर्ती 2025-26 के लिए वैकेंसी की संख्या बढ़ा दी है। इसकी जानकरी बैंक ने एक आधिसूचना के माध्यम से दी है। अब इ वेल्थ मैनेजमेंट कैडर में कुल 1,146 पदों पर भर्ती होगी।

इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 जनवरी 2026 कर दी गई है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार SBI की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन के लिए जरूरी योग्तया

वीपी वेल्थ

इस पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंस या मार्केटिंग में MBA के साथ NISM/CFP/CFA जैसे प्रोफेशनल सर्टिफिकेट रखने वालों को प्राथमिकता मिलेगी। साथ ही, प्रतिष्ठित बैंक, वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी या AMC में कम से कम 6 वर्षों का सेल्स और मार्केटिंग अनुभव जरूरी है।

एवीपी वेल्थ

अभ्यर्थी का स्नातक होना अनिवार्य है। फाइनेंस, बैंकिंग या मार्केटिंग में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री और NISM/CFP/CFA प्रमाणपत्र रखने वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी। इसके अलावा, बैंक या वेल्थ मैनेजमेंट सेक्टर में 3–4 साल का कार्य अनुभव होना चाहिए।

कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव

इस पद के लिए ग्रेजुएशन पास होना आवश्यक है। साथ ही उम्मीदवार के पास मान्य दोपहिया वाहन का ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए, ताकि फील्ड से जुड़ी जिम्मेदारियां निभाई जा सकें।

कितना लगेगा रिजिस्ट्रेशन फीस?

एससी, एसटी और पीडब्ल्यूबीडी वर्ग के उम्मीदवारों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, जबकि सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अभ्यर्थियों को 750 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। एक बार शुल्क जमा हो जाने के बाद उसे वापस नहीं किया जाएगा।

अंकन योजना : एचपी एसईटी 2026 में प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। उम्मीदवार को सही उत्तर के लिए 2 अंक मिलेंगे, जबकि गलत उत्तर पर कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा। अनुत्तरित प्रश्नों के लिए भी अंक नहीं दिए जाएंगे। किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए उम्मीदवार को उपलब्ध विकल्पों में से सही विकल्प चुनना आवश्यक है।

यदि परीक्षा के दौरान कोई प्रश्न गलत पाया जाता है और उसे रद्द कर दिया जाता है, तो सभी उम्मीदवारों को 2 अंक (+2) दिए जाएंगे। ऐसा किसी मानवीय त्रुटि या तकनीकी कारण से हो सकता है।

नए साल में बंपर वैकेंसी निकालने की तैयारी में नीतीश सरकार

1.38 लाख से अधिक पदों पर होगी बहाली

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नई सरकार बिहार में एक करोड़ नौकरी और रोजगार के लक्ष्य पर पूरा काम कर रही है। सीएम नीतीश कुमार खुद इसके लिए तीन बैठक कर चुके हैं। दो दिन पहले ही शिक्षा विभाग के मंत्री सुनील कुमार ने चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा की घोषणा दी है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पद भार संभालते ही 30 हजार से अधिक नौकरी की बात केवल अपने विभाग में की थी। सरकारी सूत्रों की मानें तो नए साल में नीतीश सरकार सवा लाख से अधिक पदों पर वैकेंसी निकालने की तैयारी में है। इसको लेकर कवायद तेज कर दी गई है। खरमास बाद वैकेंसी आने का सिलसिला जारी होगा। सीएम नीतीश कुमार का कहना है कि हमलोगों ने आगामी पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

शिक्षा, गृह और स्वास्थ्य में सबसे अधिक नियुक्तियां

सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में नीतीश सरकार करीब एक लाख 38 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने की तैयारी में है। सबसे अधिक नियुक्तियां शिक्षा विभाग, गृह विभाग और स्वास्थ्य विभाग में होने की संभावना है। सरकार का दावा है कि खाली पदों को तेजी से भरने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है और नई भर्तियों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, शिक्षा विभाग, गृह विभाग, स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पड़े हैं। इसके अलावा पंचायती राज, नगर विकास, ऊर्जा, कृषि, जल संसाधन, पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य, भवन निर्माण, समाज कल्याण, श्रम संसाधन, नगर विकास, पशुपालन, खेल, उद्योग, सूचना एवं जनसंपर्क समेत कई विभागों में हजारों पदों पर बहाली होनी है।

अकेले शिक्षा विभाग में दो लाख पद रिक्त हैं

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस साल सबसे अधिक वैकेंसी शिक्षक और सिपाही के पदों पर निकलेगी। शिक्षा विभाग में दो लाख, स्वास्थ्य विभाग में 60 हजार और गृह विभाग में 40 हजार से अधिक खाली पद रिक्त हैं। सबसे पहले शिक्षक के करीब 28 हजार पदों पर वैकेंसी निकलेगी। इसके बाद साढ़े पांच हजार लाइब्रेरियन के पद पर भी नियुक्ति होगी।

वहीं सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी पद पर परीक्षा भी जल्द ली जाएगी। वहीं दरोगा और सिपाही के हजारों पदों पर भी वैकेंसी निकालने की तैयारी में सरकार है। सूत्रों की मानें तो 25,847 पदों पर गृह विभाग में इस साल बहाली निकालने की तैयारी चल रही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग में 26 हजार, पंचायती राज विभाग में करीब 8300, ग्रामीण विकास विभाग में 11784 समेत कई अन्य विभागों में भी बहाली निकालने की तैयारी चल रही है।

खरमास बाद TRE 4 के लिए अधियाचना भेजी जाएगी

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने घोषणा की है कि TRE-4 के तहत शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षक नियुक्ति को लेकर पूरी तरह गंभीर है और प्रक्रिया में किसी तरह की देरी नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए विद्यालय अध्यापकों की नियुक्ति के लिए 31 जिलों से आरक्षण रोस्टर पंजी जिलों में समाशोधन होने के बाद प्राप्त हो चुके हैं। इनकी जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जनवरी माह के 15 से 20 तारीख तक विज्ञापन प्रकाशन के लिए बीपीएससी को अधियाचना भेज दी जाएगी। वहीं नवसृजित सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी के 935 पद पर नियुक्ति के लिए बीपीएससी को अधियाचना भेजी गई। जनवरी माह में इसकी परीक्षा भी ली जाएगी। वहीं विशेष विद्यालय अध्यापक के 7279 पद पर नियुक्ति के लिए बीपीएससी को अधियाचना भेज दी गई है।

1557 लाख करोड का खजाना अमेरिका के हाथ लगा!

वेनेजुएला पर कंट्रोल से अमेरिका हुआ मालामाल

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला पर दुनिया का भू-राजनीतिक और आर्थिक नक्शा बदल दिया है। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा कच्चा तेल भंडार है। यह अनुमानित 303 बिलियन बैरल है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका ने पकड़ लिया है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका अब वेनेजुएला के तेल बाजार में शामिल होगा और इसमें काफी रकम निवेश करेगा। साथ ही वह चीन समेत दुनिया के कई देशों को वेनेजुएला का तेल भी एक्सपोर्ट करेगा। ट्रंप के इस बयान ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों और राजनयिक हलकों में हलचल मचा दी है।

बिजनेस टुडे के मुताबिक लगभग 57 डॉलर प्रति बैरल की मौजूदा कीमतों पर वेनेजुएला के तेल भंडार का मूल्य लगभग 17.3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 1557 लाख करोड़ रुपये) है। यानी अब इस खजाने पर अघोषित रूप से अमेरिका का कब्जा हो जाएगा। अगर इसे बाजार दर से आधे पर भी बेचा जाए तो भी यह भंडार लगभग 8.7 ट्रिलियन डॉलर का होगा। यह राशि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन को छोड़कर दुनिया के हर देश के पूरे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से ज्यादा है।

वेनेजुएला के तेल कारोबार में अमेरिका

शनिवार को ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका की बड़ी ऊर्जा कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल ढांचे को ठीक करने और उत्पादन फिर से शुरू करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करेंगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां देश के लिए पैसा कमाना शुरू करेंगी। कहा, 'हम तेल के कारोबार में हैं। हम इसे उन्हें बेचेंगे।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल की 'बड़ी मात्रा' चीन समेत दूसरे देशों को बेचेगा।

कैसे बदला नक्शा?

वेनेजुएला का तेल हमेशा से उसकी सबसे बड़ी संपत्ति और उसकी सबसे गहरी कमजोरी दोनों रहा है। अगर अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला के तेल उत्पादन को बहाल करने में सफल होती हैं, तो वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। वेनेजुएला के कच्चे तेल के प्रवाह से ओपीईसी की गतिशीलता बदल सकती है, कीमतों पर दबाव पड़ सकता है और सऊदी अरब और रूस जैसे प्रमुख उत्पादकों की रणनीतिक गणना बदल सकती है। ऊर्जा के अलावा, यह संपत्ति बहुत बड़ी है। खरबों डॉलर का तेल भंडार अब अमेरिका की रणनीतिक योजनाओं का अहम हिस्सा बन गया है। जैसा कि ट्रंप ने कहा, 'हम तेल का प्रवाह शुरू करेंगे।' यह वेनेजुएला के लिए एक नया अध्याय हो सकता है, जो अमेरिका के कंट्रोल में होगा। यह दुनिया की शक्ति के संतुलन को भी बदल सकता है।

'ग्रोक से अवैध कंटेंट बनाने वालों पर होगी कार्रवाई'

एआई से जुड़े विवाद पर एलन मस्क

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)।माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने साफ कहा है कि जो लोग एक्स के एआई टूल ग्रोक का इस्तेमाल करके अवैध, अश्लील या गैरकानूनी कंटेंट बनाएंगे, उनके खिलाफ वही कार्रवाई होगी, जो ऐसा कंटेंट अपलोड करने वालों पर होती है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को निर्देश दिया है कि वह ग्रोक से बने सभी अश्लील, आपत्तिजनक और गैरकानूनी कंटेंट को तुरंत हटाए। ऐसा न करने पर कानून के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

ग्रोक को दोष देना ठीक नहीं- मस्क

एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट के जवाब में कहा कि ग्रोक को दोष देना ठीक नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कोई पेन अपने आप गलत बात नहीं लिखता, वैसे ही ग्रोक भी अपने आप गलत कंटेंट नहीं बनाता। यह पूरी तरह यूजर पर निर्भर करता है कि वह क्या इनपुट देता है। इसलिए जिम्मेदारी यूजर की ही होगी।

राज्यसभा सांसद ने केंद्रीय मंत्री से की थी शिकायत

मंत्रालय ने एक्स को 72 घंटे के भीतर यह बताने को कहा है कि उसने अब तक क्या कार्रवाई की है। मंत्रालय का कहना है कि उसे कई बार शिकायतें मिली हैं कि एक्स पर कुछ कंटेंट कानून के मुताबिक शालीनता और मर्यादा के नियमों का उल्लंघन कर रहा है। यह मामला तब और गंभीर हुआ, जब राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर महिलाओं की फर्जी और अश्लील तस्वीरें बनाने के लिए ग्रोक के दुरुपयोग पर चिंता जताई।सरकार का कहना है कि ग्रोक का गलत इस्तेमाल कर कुछ लोग महिलाओं की छवि खराब करने वाले वीडियो और तस्वीरें बना रहे हैं, जो कानूनन अपराध है। इसलिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को सख्ती से नियमों का पालन करना होगा।

एक हफ्ते में सोना 760 रुपये उछला

चांदी 3100 रुपये चढ़ी ; आज क्या रहेगा भाव

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ग्लोबल टेंशन की मार झेलते हुए भारतीय बाजार जैसे-तैसे साल 2025 में मजबूती के साथ खड़ा रहा. मजबूती का यह सिलसिला इस साल भी जारी रहा है. बीते हफ्ते में बाजार का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 0.89 फीसदी की तेजी के साथ 85,762.01 पर बंद हुआ. इसी बीच कमोडिटी बाजार में भी तेजी देखी गई. सोने और चांदी दोनों के भाव बीते हफ्ते बढ़े हैं. देश में सोने के दाम एक बार फिर ऊपर की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं. बीते एक सप्ताह में सोने की कीमतों में अच्छी तेजी देखने को मिली है. इस दौरान 24 कैरेट सोना करीब 750 रुपये महंगा हुआ है, जबकि 22 कैरेट सोने के दाम में 760 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. इससे साफ है कि निवेशकों के साथ-साथ आम ग्राहकों की दिलचस्पी भी सोने में बनी हुई है.

दिल्ली, मुंबई समेत बड़े शहरों का हाल

4 जनवरी 2026 को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना करीब 1,35,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है. वहीं 22 कैरेट गोल्ड का भाव लगभग 1,24,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है. मुंबई की बात करें तो यहां 24 कैरेट सोना करीब 1,35,820 रुपये और 22 कैरेट सोना 1,24,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है.

28 साल की लीज, 20 लाख रुपये महीने किराया

12% की बढ़ोतरी, अडानी ने किसे दिया वेयरहाउस?

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप का लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग का काम देखने वाली कंपनी अडानी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने मुंबई के पास पनवेल में एक बड़ा वेयरहाउस 28 साल के लंबे समय के लिए लीज पर दिया है। यह वेयरहाउस डीमार्ट रिटेल चेन चलाने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को दिया गया है।

यह डील रायगढ़ जिले के धरना कैंप में एक वेयरहाउस प्रॉपर्टी और उससे सटी हुई जमीन से जुड़ी है। समझौते के मुताबिक, अडानी लॉजिस्टिक्स ने एवेन्यू सुपरमार्ट्स को 66,250 वर्ग फुट की वेयरहाउसिंग जगह सब-लीज पर दी है। इसके लिए शुरुआत में हर महीने 20.20 लाख रुपये किराया देना होगा। इस सब-लीज एग्रीमेंट पर 24 दिसंबर को मुहर लगी थी और रिटेलर ने इसके लिए 1.21 करोड़ रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट भी जमा की है। इस समझौते में 6 साल का लॉक-इन पीरियड भी शामिल है। दस्तावेजों से पता चला है कि लीज की अवधि के दौरान हर तीन साल में किराया 12% बढ़ेगा। 28 साल की लंबी लीज अवधि यह बताती है कि कंपनी इस जगह को लेकर बहुत गंभीर है और लंबे समय तक यहां अपना काम-काज जमाना चाहती है। पनवेल मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में एक अहम लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग हब बन गया है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इसकी वजह है मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी से इसकी नजदीकी और बेहतर सड़क और रेल कनेक्टिविटी। इस इलाके में रिटेलर्स, ई-कॉमर्स कंपनियों और थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स ऑपरेटर्स की तरफ से बड़े वेयरहाउस की मांग लगातार बनी हुई है, क्योंकि ये जगहें ग्राहकों के करीब हैं। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के लिए, पनवेल की यह डील उनके सप्लाई चेन नेटवर्क को और मजबूत करती है। कंपनी अपने रिटेल बिजनेस को लगातार बढ़ा रही है। वेयरहाउसिंग, रिटेलर के इन्वेंटरी-आधारित बिजनेस मॉडल के लिए बहुत जरूरी है। इससे कंपनी अपने खर्चों को कंट्रोल कर पाती है और सामान की आवाजाही को बेहतर तरीके से मैनेज कर पाती है।

मुनाफा कमा रही अडानी लॉजिस्टिक्स

यह डील लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक बड़ा कदम है। अडानी लॉजिस्टिक्स जैसी कंपनियां अपनी प्रॉपर्टी को लीज पर देकर अच्छा मुनाफा कमा रही हैं। वहीं, डीमार्ट जैसी रिटेल कंपनियां अपनी सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए ऐसी जगहों का इस्तेमाल कर रही हैं। पनवेल जैसे इलाके, जो ट्रांसपोर्टेशन हब के करीब हैं, लॉजिस्टिक्स कंपनियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो रहे हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	धनु	मे
चंद्र	मिथुन	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	धनु	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
धनु.....	05-56	बजे
मकर...	08-01	बजे
कुंभ....	09-44	बजे
मीन....	11-14	बजे
मेष.....	12-40	बजे
वृष....	14-17	बजे
मिथुन..	16-14	बजे
कर्क...	18-27	बजे
सिंह---	20-46	बजे
कन्या--	23-02	बजे
तुला---	01-16	बजे
वृश्चिक..	03-34	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-51
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-51
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष सोमवार 05 January 2026
तिथि - द्वितीया 09-57 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - पुष्य 13-25 तक उप आश्लेषा
योग - विष्कुंभ 22-47 रात तक उप. प्रीति
करण - गर 09-57 तक उप वणिज

सर्वार्थ सिद्धि योग 13-25 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 08-12 09-35

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया

अमृत 06-51 - 08-12 शुभ
काल 08-12 - 09-35 अशुभ
शुभ 09-35 - 10-58 शुभ
रोग 10-58 - 12-22 अशुभ
उत्पात12-22 - 13-45 अशुभ
चंचल 13-45 - 15-08 शुभ
लाभ 15-08 - 16-31 शुभ
अमृत 16-31 - 17-51 शुभ

रात का चौघड़िया

चंचल 17-51 - 19-31 शुभ
रोग 19-31 - 21-08 अशुभ
काल 21-08 - 22-45 अशुभ
लाभ 22-45 - 00-22 शुभ
उत्पात00-22 - 01-59 अशुभ
शुभ 01-59 - 03-35 शुभ
अमृत 03-35 - 05-12 शुभ
चंचल 05-12 - 06-51 शुभ

दीपिंदर गोयल, कुणाल शाह और ध्रुव राठी : गिग वर्कर्स को लेकर किस बात पर शुरू है बहस?

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। गिग वर्कर्स इन दिनों चर्चाओं में हैं। इसका कारण है अपनी मांगों को लेकर उनका 25 दिसंबर और नए साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल का ऐलान करना। अब गिग वर्कर्स को लेकर काफी लोग सोशल मीडिया के मैदान में कूद गए हैं। सोशल मीडिया पर कैपिटलिज्म (पूंजीवाद) और सोशलिज्म (समाजवाद) को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। बिजनेस टुडे के मुताबिक यह बहस गिग डिलीवरी वर्कर्स के मुद्दे के इर्द-गिर्द घूम रही है। इस मुद्दे में वर्कर्स की सैलरी, कंपनियों की जिम्मेदारी और प्राइवेट कंपनियों के रोल जैसे सवाल लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। इस मौके पर कई बड़े स्टार्टअप फाउंडर्स, इन्वेस्टर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने भी इस बात पर अपने विचार रखे कि कौन सी आर्थिक व्यवस्था धन बनाने और गरीबी दूर करने में ज्यादा कारगर है। इस बहस में शाश्वत के फाउंडर दीपिंदर गोयल ने कहा कि कैपिटलिज्म में कुछ कमियां जरूर हैं, लेकिन यह वैल्यू (धन या संपत्ति) बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'कैपिटलिज्म परफेक्ट नहीं है, लेकिन यह इकलौता ऐसा इंजन है जिसे हमने वैल्यू बनाते हुए देखा है। पहले बनाएं, फिर बांटें। अगर उल्टा किया, तो हम कमी बांटेंगे। इससे किसी का भला नहीं होगा।' उनकी यह बात उन लोगों की पुरानी सोच को दिखाती है जो मानते हैं कि पैसा कमाने के बाद ही उसे बांटा जा सकता है।

कुणाल शाह ने की अपील

दीपिंदर गोयल ने फिनटेक कंपनी सीआरईडी के फाउंडर कुणाल शाह की एक पोस्ट को शेयर किया था। कुणाल शाह ने लोगों से आर्थिक विचारधाराओं के बारे में ज्यादा जानने की अपील की थी। उन्होंने भारत के पॉपुलर पॉडकास्टर्स से कहा कि वे कैपिटलिज्म और सोशलिज्म, दोनों के फायदे और नुकसान को समझाएं। कुणाल शाह ने कैपिटलिज्म की कमियों को मानते हुए भी कहा कि यह 'इकलौता ऐसा सिस्टम है जो हमें गरीबी से बाहर निकाल सकता है और देश को मजबूत बना सकता है।' यह सोच भारत के स्टार्टअप जगत में काफी आम है।

कैपिटलिज्म को बताया समृद्धि का कारण

इस बात का समर्थन करते हुए सियर्स फंड

मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के को-फाउंडर और चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर चंदर भाटिया ने कहा कि कैपिटलिज्म और सामाजिक कल्याण एक दूसरे पर निर्भर करते हैं। भाटिया का मानना था कि कैपिटलिज्म से ही एक ऐसी समृद्धि आती है, जिसके बाद सोशलिस्ट नीतियां ठीक से काम कर पाती हैं। उन्होंने लिखा, 'अगर सरकार को पर्याप्त टैक्स नहीं मिलेगा, तो वह समाज कल्याण के मोर्चे पर ज्यादा कुछ नहीं कर पाएगी।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्राइवेट बिजनेसमैन नौकरी और मुनाफा कमाने में अहम भूमिका निभाते हैं, जिससे टैक्स के जरिए पब्लिक वेलफेयर के लिए पैसा आता है।

ध्रुव राठी ने दी चेतावनी

ज्यादातर लोगों के कैपिटलिज्म के पक्ष में बोलने के बीच, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एजुकेटर ध्रुव राठी ने इस मुद्दे को सिर्फ दो हिस्सों में बांटने के खिलाफ चेतावनी दी। राठी का तर्क था कि सिर्फ कैपिटलिज्म या सोशलिज्म जैसे नामों पर बहस करना बेकार है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी देश पूरी तरह से कैपिटलिस्ट या पूरी तरह से सोशलिस्ट नहीं है।

उन्होंने लिखा, 'आज दुनिया का सबसे कैपिटलिस्ट देश भी सोशलिज्म के कुछ तत्व रखता है और सबसे सोशलिस्ट देश भी कैपिटलिज्म के कुछ तत्व रखता है।' राठी ने नीतियों को बनाने के लिए एक ज्यादा प्रैक्टिकल और सबूतों पर आधारित तरीका अपनाने की बात कही। उन्होंने पॉलिसी बनाने वालों और आम लोगों से कहा कि वे किसी विचारधारा पर आंख मूंदकर भरोसा करने के बजाय, अलग-अलग नीतियों को उनके अपने गुणों के आधार पर परखें। राष्ट्रीय प्रगति के लिए डेटा, नतीजों और पिछले रिकॉर्ड को हर मामले में अलग-अलग देखना, 'सैद्धांतिक बातों पर आंख बंद करके भरोसा करने' से ज्यादा असरदार तरीका है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है। आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है, जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है। आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप भावनात्मक रूप से उन ठोस परिस्थितियों की ओर आकर्षित हो सकते हैं जो ध्यान केंद्रित करने की मांग करती हैं। जब आप ऐसे कार्यों का सामना करते हैं जिनमें अनुशासन और आवेगों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, तो विनम्रता की भावना आवश्यक है। यह दिन आपके अहंकार को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने की आपकी क्षमता को भी उजागर करता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपकी ऊर्जा उच्च है और आपकी रचनात्मकता चुंबकीय है। विचार सहजता से आते हैं और रिश्ते फलते-फूलते हैं, खासकर वे जो आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों का समर्थन करते हैं। इस गति का उपयोग कार्य संबंधों को मजबूत करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए करें। सफलता सहयोग, सकारात्मकता और ईमानदार संवाद से मिलती है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आपके कार्य जीवन को आत्मविश्वास और विनम्रता के मिश्रण से लाभ मिलता है। आप जमीन से जुड़े रहते हुए सहजता से नेतृत्व करने में सक्षम होंगे। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय लेने में सहायता करता है, लेकिन दिखावे से प्रभावित न हों। एक स्थिर मानसिकता आपको आवेगपूर्ण विकल्पों से बचने और अपने करियर और अध्ययन में वास्तव में महत्वपूर्ण चीज़ों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा। ज्यादा तनाव न पाले। बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे। आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपका कार्य जीवन तनावपूर्ण लग सकता है। सिंह राशि में सूर्य आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, लेकिन मकर राशि में चंद्रमा आपको जमीन से जुड़े रहने की याद दिलाता है। चंद्रमा वर्ग मंगल के कारण आवेगपूर्ण निर्णय हो सकते हैं, इसलिए प्रतिक्रिया करने से पहले रुकें। शनि का विरोध करने वाला मंगल अधिकार के साथ तनाव का संकेत देता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके करियर और पढ़ाई में अंतर्ज्ञान और परिश्रम का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण देखने को मिल सकता है। कर्क राशि में सूर्य और चंद्रमा पोषण ऊर्जा और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं, आपकी बातचीत में सहानुभूति और संवेदनशीलता को गहरा करते हैं। आप कठिनाइयों को दूर करने और अपने सामाजिक अस्तित्व को बढ़ाने के लिए तैयार रहेंगे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
आत्मविश्वास आपको करियर या शैक्षणिक गतिविधियों में आगे बढ़ने में मदद करता है, जबकि शांत दृष्टिकोण सहज सहयोग सुनिश्चित करता है। बड़े बदलाव आ सकते हैं, खासकर प्रभावशाली महिलाओं के साथ बातचीत के माध्यम से। एकांत की आवश्यकता हो सकती है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका काम और पढ़ाई स्पष्ट सोच और व्यावहारिक कदमों के साथ आगे बढ़ती है। आत्मविश्वास दूसरों को आपकी ओर आकर्षित करता है, जबकि आपकी जमीनी मानसिकता स्थिर प्रगति सुनिश्चित करती है। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जिससे आपको दूरदर्शिता और प्रतिभा के साथ कार्यों को पूरा करने में मदद मिलती है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता निखरेगी, जिससे आप काम पर पहल करने के लिए सशक्त होंगे। नए विचार आसानी से सामने आ सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि बहस न करें या जल्दी से कोई गलती न निकालें। सीधा संवाद समस्याओं का प्रभावी समाधान करता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था, उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा। अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बिटकॉइन ने आखिर तोड़ दिया यह आंकड़ा

फिर से 91000 डॉलर के पार हुई कीमत

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। बिटकॉइन ने काफी समय बाद निवेशकों को अच्छी खबर दी। संडे को इसकी कीमत 91 हजार डॉलर के पार निकल गई। करीब 23 दिन बाद इसकी कीमत 91 हजार डॉलर के आगे निकली है। इसमें तेजी ऐसे समय आई है जब दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता बनी हुई है। यह तेजी दिखाती है कि मुश्किल आर्थिक समय में भी क्रिप्टोकरेंसी लोगों का ध्यान खींच रही हैं और बिटकॉइन एक बार फिर बाजार के केंद्र में आ गया है। बिटकॉइन में तेजी इसलिए आई क्योंकि इसमें भारी ट्रेडिंग और बड़े पैमाने पर लिक्विडेशन (संपत्ति को नकदी में बदलना) हुआ। एक्सपर्ट के अनुसार एक घंटे के अंदर ट्रेडर्स ने 60 मिलियन डॉलर के बिटकॉइन बेचे, जिससे कीमतों में और तेजी आई। ऐसी तेज बिकवाली अक्सर मजबूत तेजी का संकेत देती है, क्योंकि जो लोग कीमत गिरने पर दांव लगाते हैं, उन्हें अपनी पोजीशन बंद करनी

पड़ती है, जिससे कीमतें और ऊपर जाती हैं।

24 घंटे में कितनी बढ़ी कीमत?

पिछले 24 घंटे बिटकॉइन में 1.70% से ज्यादा की तेजी आई है। इस तेजी के साथ संडे दोपहर 3 बजे यह 91300 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। 24 घंटे में कुछ मौकों को छोड़ दें तो इसमें लगातार तेजी आई है। हालांकि बीच-बीच में कुछ गिरावट भी देखी गई, लेकिन यह बहुत ज्यादा नहीं रही। 24 घंटे में बिटकॉइन का मार्केटकैप बढ़कर 1.82 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया।

7 दिन में किया कमाल

बिटकॉइन ने 7 दिनों में अच्छी बढ़त बनाई है। इन 7 दिनों में इसमें 5 फीसदी से ज्यादा उछाल आया है। यह तेजी दिखाती है कि निवेशक जोखिम लेने को तैयार हैं, खासकर जब 2025 का अंत थोड़ा धीमा रहा है। पारंपरिक बाजारों में मिली-जुली खबरें आ रही हैं, ऐसे में क्रिप्टोकरेंसी को वैकल्पिक संपत्तियों में पैसा लगाने का फायदा मिल रहा है। बाजार के जानकार अब बिटकॉइन को सिर्फ एक सट्टा निवेश ही नहीं, बल्कि आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ एक सुरक्षा कवच के तौर पर भी देख रहे हैं।

दूसरी क्रिप्टो का क्या हाल?

संडे को सिर्फ बिटकॉइन में ही नहीं, बल्कि दूसरी क्रिप्टो में भी तेजी देखने को मिली। ईथेरियम, रिपल, बाइनेंस आदि भी उछल गईं। इथेरियम में 7 दिनों में 6 फीसदी से ज्यादा, रिपल में करीब 11 फीसदी, बाइनेंस में करीब 5 फीसदी और सोलाना में 7 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। वहीं पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो के ग्लोबल मार्केट कैप 1.70% से ज्यादा चढ़ 3.11 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया।

क्या महंगाई आने वाली है?

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद भारत से ट्रेड पर क्या होगा असर

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद दुनियाभर में कच्चे तेल को लेकर हलचल मच गई। जियो पॉलिटिकल हालात लगातार अस्थिर बने हुए हैं। लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला पर हुए हमले का असर भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ेगा। वेनेजुएला में फिलहाल राजनीतिक नेतृत्व को लेकर असमंजस है। अब देश के अंदरूनी हालात कैसे होंगे इसे लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से कच्चे तेल को लेकर अमेरिकी असहजता का निशाना बने और एकतरफा भारी भरकम टैरिफ का शिकार बने भारत के लिए वेनेजुएला का हालिया संकट परेशानी का सबब बन सकता है। कच्चे तेल के भंडार की धरती वेनेजुएला से दुनिया के कई देशों की तरह भारत भी तेल आयात करता रहा है। हालांकि बीते एक दशक में इस स्थिति में खासा बदलाव आया है।

साल 2013 में भारत के कुल तेल आयात में वेनेजुएला की भागीदारी 10% थी। हालांकि साल 2019 में घटकर 5.9% और साल 2020 में यह केवल 3.6% ही रह गई। साल 2024 में वेनेजुएला ने एक बार फिर भारतीय बाजार में जगह बनाई। बीते साल वह भारत का 10वां सबसे बड़ा तेल आयातक बनकर सामने आया। भारत ने उससे करीब 22 मिलियन बैरल कच्चा तेल खरीदा। मगर, अमेरिका की ओर से टैरिफ ऐलान के बाद यह कम हुआ है।

वेनेजुएला ने साल 2025 में दुनिया की तेल सप्लाई का एक फीसदी हिस्सा यानि 9,00,000 बैरल तेल हर दिन प्रोड्यूस किया। ऐसे में अगर वेनेजुएला की तेल सप्लाई पर संकट आया तो, कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा होना तय है। ये ऐसे देशों के लिए और मुश्किलें लाएगा, जो अपनी खपत का ज्यादातर हिस्सा तेल बाहर से खरीदते हैं। उनमें भारत का नाम भी शामिल है, जो पहले से ही रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी टैरिफ झेल रहा है। ऐसे में भारत को दूसरे देशों से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है। ऐसा होने पर भारत समेत कई देशों में महंगाई बढ़ सकती है।

भारत और वेनेजुएला के बीच रिश्ते गहरे हैं। भारत ने हाल ही में 2.7 टन जीवन रक्षक वैक्सीन वहां भेजी हैं। भारत वहां फर्मास्यूटिकल्स उत्पाद, मशीनरी और कपड़ों का निर्यात करता है। हाल ही में दोनों देशों के बीच डिजिटल सहयोग पर एमओयू पर हस्ताक्षर भी हुए हैं।

अमेरिका-वेनेजुएला संघर्ष का भारत के व्यापार पर होगा असर, जीटीआरआई ने क्या बताया?

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद उथल-पुथल मची है। अमेरिकी सेना वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लेकर आ गई। मादुरो नार्को-टेररिज्म और ड्रग तस्करी सहित विभिन्न आरोपों का सामना करेंगे। इस घटनाक्रम पर भारत सरकार ने बयान जारी कर चिंता जताई है। ऐसे में दोनों देशों के बीच संघर्ष का भारत के व्यापार पर क्या असर होगा? इसके बारे में आकलन ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने किया है। भारत स्थित थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने दावा किया है कि वेनेजुएला में चल रहे संकट का भारत की अर्थव्यवस्था या ऊर्जा पर कोई खास प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। जीटीआरआई ने रविवार (4 जनवरी) को बताया कि अमेरिका-वेनेजुएला संघर्ष का दक्षिण अमेरिकी देश के साथ भारत के व्यापार पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा। जीटीआरआई के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका कोई बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, 'भारत पर इसका नगण्य प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला के साथ व्यापार लगभग खत्म हो गया है, एफवाई2025 में कच्चे तेल का आयात 81.3 प्रतिशत कम हो गया है और कुल द्विपक्षीय व्यापार बहुत कम रह गया है।' उन्होंने कहा कि भारत के लिए, वेनेजुएला में अशांति का कोई खास आर्थिक या ऊर्जा प्रभाव होने की संभावना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि भारत 2000 और 2010 के दशक में वेनेजुएला के कच्चे तेल का एक प्रमुख खरीदार था, लेकिन 2019 से अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण द्विपक्षीय संबंध काफी कमजोर हो गए हैं, जिसने भारत को तेल आयात में कटौती करने और माध्यमिक प्रतिबंध से बचने के लिए व्यावसायिक गतिविधियों को कम करने के लिए मजबूर किया।

बस चलाते थे मादुरो, सत्य साईं बाबा के भक्त रहे

वेनेजुएला के राष्ट्रपति कैसे बने ; अमेरिका पर 3 जानलेवा हमले के आरोप, अब कैदी बनाया

कारकस, 4 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क), 8 दिसंबर 2012 का दिन। वेनेजुएला के कैंसर ग्रस्त राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज और उनके करीबी निकोलस मादुरो लोगों के सामने टीवी स्क्रीन पर आए। चावेज 2 महीने पहले ही हेनरिक कैप्रिल्स को हराकर चौथी बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने थे। चुनाव के दौरान उन्होंने कैंसर की बात छिपाई थी। टीवी पर उन्होंने संविधान की एक प्रति हाथों में लहराते हुए जनता से कहा, 'मेरा कैंसर वापस आ गया है और पूर्णिमा के चांद की तरह मेरी बिल्कुल साफ, अटल और दृढ़ सलाह है कि आप निकोलस को राष्ट्रपति चुनें। अगर मैं नहीं रहा, तो सिर्फ निकोलस उन युवा लीडर्स में से एक हैं, जिनमें सत्ता संभालने की अपार क्षमता है।'

3 महीने बाद ही चावेज की मौत हो गई और मादुरो अगले राष्ट्रपति बन गए। जबकि राष्ट्रपति पद की लाइन में चावेज के दामाद तक थे। अब 12 साल सत्ता में रहने के बाद मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी सैनिक शनिवार को राजधानी कराकस से उठा लाए हैं। उन पर अमेरिकी कैदी की तरह मुकदमा चलाएगा। आखिर एक मामूली बस ड्राइवर से वेनेजुएला के 'अजेय राष्ट्रपति' कैसे बने मादुरो, क्या वाकई खतरनाक ड्रग कार्टेल चलाते थे। इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

1960 का दशक। इस समय अगर अमेरिका का हर व्यक्ति औसतन 100 रुपए कमाता, तो वेनेजुएला का हर व्यक्ति 82 रुपए कमाता था। तेल उत्पादन ने वेनेजुएला को इतना अमीर देश बना दिया था कि उसे 'लैटिन अमेरिका का सऊदी अरब' कहा जाने लगा था।

इसी दौर में राजधानी कारकस में 13 नवंबर 1962 को निकोलस मादुरो का जन्म हुआ। बाहर से वेनेजुएला की जो चकाचौंध दिखती थी, अंदर की हकीकत उससे काफी अलग थी। तेल से होने वाली कमाई सिर्फ ऊंचे तबके को मिल पाती, देश के ज्यादातर लोग बेहद गरीब थे। मादुरो के पिता जीसस निकोलस वर्कर्स के ट्रेड यूनियन के लीडर थे। मां टेरेसा हाउस वाइफ थीं, जो वेनेजुएला के ही पड़ोसी देश कोलंबिया की रहने वाली थीं। यहीं उनकी शादी जीसस निकोलस से हुई और दोनों वेनेजुएला आ गए।

मादुरो ने हाईस्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। 21 साल की उम्र में वह वेनेजुएला के लेफ्ट लीडर रहे जोस विसेंट रेंगल के बॉडीगार्ड बन गए। इसके बाद उन्होंने बस चलाना शुरू कर दिया। वो आगे चलकर ट्रेड यूनियन लीडर भी बने। 1980 के दशक में मादुरो ने क्यूबा जाकर

पॉलिटिकल स्टडीज का कोर्स किया। उनके राजनीतिक विरोधी आरोप लगाते हैं कि क्यूबा में रहने के दौरान वहां की इंटेलिजेंस एजेंसी ने मादुरो को बतौर एजेंट काम पर रखा था। यह वह दौर था, जब तेल के दाम गिरने की वजह से वेनेजुएला में आर्थिक अस्थिरता आ गई थी। इसके खिलाफ ह्यूगो चावेज ने क्रांति शुरू की, जो आगे चलकर वेनेजुएला के राष्ट्रपति और मादुरो के गुरु बने। 1992 में चावेज ने वेनेजुएला में सत्ता पलटने की कोशिश की, लेकिन नाकामयाब हुए। इस समय तक मादुरो भी उनके संपर्क में आ चुके थे। 1999 में चावेज वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने और इसके अगले ही साल मादुरो भी वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के मेंबर बन गए।

धीरे-धीरे मादुरो चावेज के भरोसेमंद बनते चले गए। वो

2005 में वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के प्रमुख बने और फिर 2006 में चावेज ने उन्हें अपना विदेश मंत्री बनाया। इसी समय एक बार उनका भारत आना हुआ। किसी राजनीतिक यात्रा पर नहीं, लेकिन अपने गुरु का आशीर्वाद लेने। निकोलस मादुरो सत्य साईं बाबा को अपना गुरु मानते थे।

2005 में वो आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में 'प्रशांति निलयम आश्रम' दर्शन के लिए आए थे। मादुरो के करीबी बताते हैं कि सत्य साईं बाबा की एक बड़ी तस्वीर उनके ऑफिस पर भी लगी थी। 2011 में जब सत्य साईं बाबा की मृत्यु हुई थी, तब वेनेजुएला ने एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। इस समय मादुरो विदेश मंत्री थे। नवंबर में सत्य साईं की 100वीं सालगिरह पर उन्होंने एक मैसेज जारी किया था, 'मुझे हमेशा उनकी मुलाकात याद आती है... महान गुरु का ज्ञान हमें हमेशा रोशन करता रहे।'

मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस भी चावेज की करीबी थीं, वह आंदोलन के दिनों में मादुरो से मिली थीं। सीलिया पेशे से वकील थीं और मादुरो सहित दूसरे नेताओं का कानूनी बचाव करती थीं। बाद में वह सत्य साईं बाबा की भक्त बन गईं।दोनों ने अपने-अपने पार्टनर से तलाक लेकर 2013 में शादी की थी। आगे चलकर सीलिया वेनेजुएला की अटॉर्नी जनरल भी बनीं। मादुरो की राजनीति में सीलिया एक्टिव रहती हैं। उन्हें वेनेजुएला में 'फर्स्ट लेडी' नहीं बल्कि 'फर्स्ट कॉम्बैटेंट' यानी 'पहली लड़ाकू' कहा जाता है।

वेनेजुएला के संविधान के मुताबिक, अगर राष्ट्रपति 6 साल के कार्यकाल में से 4 साल तक किसी वजह से पद पर न रहें, तो 30 दिन के अंदर नए चुनाव कराने होंगे। उनकी पार्टी की तरफ से मादुरो ही राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे। अप्रैल 2013 में चुनाव हुए। इलेक्शन काउंसिल ने 50.8% वोट के साथ मादुरो को विजेता घोषित किया। जबकि उनके खिलाफ लड़े हेनरिक कैप्रिल्स को 49% वोट मिले। 15 अप्रैल 2013 को मादुरो राष्ट्रपति बने, जबकि चावेज की सरकार में मंत्री और चावेज की बेटी रोजा वर्जीनिया के पति जॉर्ज अरेजा उप राष्ट्रपति बने।

वेनेजुएला के कानून के हिसाब से वहां जन्मा व्यक्ति ही देश का राष्ट्रपति बन सकता है। मादुरो की मां का जन्म और उनके माता-पिता की शादी कोलंबिया में होने के कारण विपक्षियों ने उनके राष्ट्रपति बनने पर आपत्ति जताई। मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया और 2016 में कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि मादुरो का जन्म कोलंबिया में नहीं, बल्कि कराकस में ही हुआ है।

2024 के चुनाव में भी मादुरो चुनाव में धांधली करके राष्ट्रपति बने, जबकि यूरोपियन यूनियन और कई अन्य देशों ने एडमंडो गोंजालेज को राष्ट्रपति के तौर पर मान्यता दी। चुनाव हारने के बाद गोंजालेज को धमकियां मिलने लगीं, तो वे स्पेन चले गए।

अमेरिका, कभी वेनेजुएला से तेल खरीदता रहा है, लेकिन ह्यूगो चावेज के दौर से अमेरिका पर वेनेजुएला की अंदरूनी राजनीति में दखल देने के आरोप भी लगते रहे। 2002 में ह्यूगो का तख्तापलट करने की कोशिश हुई, इसमें अमेरिका का नाम आया। मादुरो के दौर में अमेरिका वेनेजुएला को लेकर और सख्त हो गया। 2017 में अमेरिका ने वेनेजुएला पर कई बैन लगाए। 2019 से अमेरिका मादुरो को वेनेजुएला का राष्ट्रपति नहीं मानता है। इसी साल अमेरिका ने मादुरो को नार्को-टेररिस्ट यानी अवैध ड्रग्स का धंधा करने वाला आतंकी करार देकर उन पर इनाम रखा था। इसी साल ट्रम्प ने इनाम की रकम दोगुनी कर दी थी।

अमेरिका ने मादुरो पर आरोप लगाए कि वह ड्रग तस्करी में शामिल हैं। बीते कुछ महीनों में अमेरिकी नेवी और एयरफोर्स के जवानों ने वेनेजुएला से आने वाले जहाजों पर करीब 25 हमले किए। इनमें कम से कम 90 लोगों की मौत हुई। अमेरिकी सेना तेल ले जाने वाले जहाजों पर हमले कर रही थी, जबकि ट्रम्प का कहना था कि वेनेजुएला से अमेरिका में फेंटानिल और कोकीन जैसे ड्रग्स भेजे जा रहे हैं।

ट्रम्प ने वेनेजुएला के दो गैंग - 'ट्रेन दे अरागुआ' और 'कार्टेल दे लोस सोलेस' को आतंकी संगठनों की लिस्ट में डाल दिया था। साथ ही ये भी कहा था कि 'लोस सोलेस' के लीडर खुद मादुरो हैं।

ड्रग्स के मामलों के एक्सपर्ट्स भी कहते हैं कि वेनेजुएला पूरी दुनिया में ड्रग तस्करी का काफी छोटा खिलाड़ी है। ये एक ट्रांजिट देश की तरह काम करता है। यहां से दूसरे देशों में बनी ड्रग्स की तस्करी होती है।

अब मादुरो को पकड़ने के बाद ट्रम्प ने कहा है कि फिलहाल यह साफ नहीं है कि वेनेजुएला का अगला नेता कौन होगा। जब तक वहां हालात पूरी तरह ठीक नहीं हो जाते और सत्ता का सही तरीके से बदलाव नहीं हो जाता, तब तक वेनेजुएला की जिम्मेदारी अमेरिका अपने हाथ में रखेगा। ट्रम्प ने साफ शब्दों में कहा कि अमेरिका अभी वेनेजुएला को चलाएगा।

उन्होंने कहा कि वे नहीं चाहते कि मादुरो सरकार किसी दूसरे नेता के जरिए दोबारा सत्ता में बनी रहे। उन्होंने कहा कि पुरानी व्यवस्था को नए चेहरे के साथ जारी रखने की इजाजत नहीं दी जाएगी। जानकारों का कहना है कि मादुरो को ट्रम्प ने आतंकवादियों की लिस्ट में डाला हुआ है। ऐसे में उन्हें लंबे समय के लिए जेल में डालकर मुकदमा चलाया जा सकता है। वहीं वेनेजुएला में मारिया अमेरिका की मदद से विपक्ष के नेताओं को साथ लेकर चुनाव करवा सकती हैं।

मनरेगा को लेकर कांग्रेस का राज्यस्तरीय महासंग्राम , होगा जन आंदोलन

रांची, 4 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस 5 जनवरी से राज्यव्यापी "मनरेगा बचाओ अभियान" के तहत जन आंदोलन शुरू करेगी। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण मनरेगा कमजोर हो रहा है, जिससे ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर मनरेगा बचाओ संग्राम को तीन चरणों में चलाया जाएगा। पहले चरण में 8 जनवरी को राज्य स्तर के कांग्रेस

नेताओं की राज्य प्रभारी के साथ तैयारी बैठक होगी। 10 जनवरी को जिला स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस तथा 11 जनवरी को गांधी या अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय उपवास व धरना आयोजित किया जाएगा।

दूसरे चरण में 12 से 30 जनवरी तक पंचायत स्तर पर चौपाल, ग्राम प्रधानों, पूर्व ग्राम प्रधानों, रोजगार सेवकों और मनरेगा कार्यकर्ताओं के बीच कांग्रेस अध्यक्ष व नेता विपक्ष के पत्र का वितरण, विधानसभा स्तरीय नुक्कड़ सभा और पंपलेट वितरण किया जाएगा। 30 जनवरी शहीद दिवस पर मनरेगा कार्यकर्ताओं और आंदोलनकारियों के साथ बैठक होगी। तीसरे चरण में 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिला स्तरीय धरना, 7 से 15 फरवरी तक राज्य स्तरीय विधानसभा या लोक भवन घेराव तथा 16 से 25 फरवरी के बीच देशभर में क्षेत्रीय स्तर पर चार मनरेगा बचाओ रैलियों का आयोजन किया जाएगा।

केशव महतो कमलेश ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलना ग्रामीण भारत पर हमला है। पहले योजनाओं का चयन गांव में होता था, अब केंद्र पंचायत और गांव का चुनाव करेगा, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन पैदा होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ थी, जिसे केंद्र सरकार कमजोर कर रही है।वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि भाजपा की सोच गांधीजी के सिद्धांतों के विपरीत है। नाम परिवर्तन भाजपा की मानसिकता को दर्शाता है और यह मजदूरों के साथ छलावा है।

पूर्व वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण भारत का नक्शा बदला था, लेकिन नई व्यवस्था से गरीब राज्यों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सोनाल शांति, कमल ठाकुर और राजन वर्मा भी मौजूद थे।

डंपर की टक्कर से अनियंत्रित बस ने कार को मारी ठोकर, खाई में गिरा पूरा परिवार

जमशेदपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। हाता-पोटका मुख्य मार्ग पर रायपुर गांव के पास एक अनियंत्रित डंपर ने कांस्टेबल ट्रेनिंग सेंटर (सीटीसी) की बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर अपने आगे खड़ी कार से जा भिड़ी, जिससे कार सीधे खाई में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार ब्रज सुंदर त्रिपाठी समेत एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

रफ्तार के कहर ने एक बार फिर हंसते-खेलते परिवार को मुसीबत में डाल दिया। घटना उस वक्त हुई जब ब्रज सुंदर त्रिपाठी अपने परिवार के साथ कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे। रास्ते में रायपुर गांव के पास उन्होंने अपनी कार रोकी थी। उसी दौरान उनकी कार के ठीक पीछे सीटीसी जवानों को ले जा रही एक बस भी आ रही थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सब कुछ पलक झपकते ही हो गया। पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक डंपर ने सीटीसी बस को जोरदार ठोकर मारी। डंपर के धक्के से बस संभल नहीं पाई और उसने अपने आगे खड़ी कार को रौंद दिया। बस की टक्कर लगते ही कार सड़क किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरी।

कार में ब्रज सुंदर त्रिपाठी के अलावा दो बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य सवार थे। खाई में गिरते ही कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को किसी तरह बाहर निकाला गया।

बताया जा रहा है कि ब्रज सुंदर का ससुराल हाता में है और वे वहीं से जुड़े किसी कार्य के लिए निकले थे। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डंपर चालक को गिरफ्तार कर लिया।

झारखंड में ठंड और घने कोहरे का प्रकोप जारी

अगले 3 दिन के लिए मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

रांची, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में ठंड कम होने का नाम नहीं ले रही है। राजधानी व आसपास के क्षेत्रों में कोहरे का असर देखने को मिला। पूरे राज्य में सबसे कम कांके का 6.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। ठंड ने आम जनजीवन को प्रभावित तो कर दिया है, लेकिन युवावर्ग का इसका भरपूर लुत्फ उठा रहे हैं।

शीतलहर के बावजूद शहर के पार्कों में भीड़ देखने को मिल रही है। हालांकि, दिनभर रांची में आंशिक बादल छाए रहे, जिस कारण धूप का असर नहीं हुआ और लोगों को कनकनी का सामना करना पड़ा। ठंड के कारण स्कूली बच्चों की परेशानी बढ़ गई है। शहर में खुले कुछ स्कूलों के बच्चों को सुबह सुबह स्कूल जाने की जल्दबाजी रहती है। ऐसे में अहले सुबह उन्हें

जगना पड़ता है। सुबह सुबह अत्यधिक ठंड रहने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि डीएवी समूह के अधिकांश स्कूल खुल चुके हैं जबकि कई स्कूल 5 और 6 जनवरी तक खुल जाएंगे। कैंब्रियन स्कूल 5 जनवरी को, संत माइकल्स स्कूल न्यू अशोकनगर 6 को, जेवीएम श्यामली 7 जनवरी को, एजी चर्च स्कूल 5 को जबकि जूनियर सेक्शन के लिए 12 जनवरी को, संत माइकल्स स्कूल पुंदाग 6 जनवरी को, यूरोकिड्स स्कूल मोरहाबादी और कांके 6 जनवरी को, लाला लाजपत राय बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल पुंदाग 5 जनवरी को खुलेंगे।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। राज्य में कहीं कहीं पर हल्के और मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस कांके का रिकार्ड किया गया। वहीं, राजधानी रांची का अधिकतम 22.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 12.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान में बताया गया कि 4 और 5 जनवरी को राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, गिरिडीह और साहिबगंज के अलावा उत्तर पश्चिमी क्षेत्र यानी पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार और निकटवर्ती मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, गुमला और बोकारो में घने कोहरे का असर देखने को मिलेगा।

'खुद को उम्मीदवार घोषित करने से बचे'

विधानसभा चुनाव से पहले केसी वेणुगोपाल की नसीहत

वायनाड, 4 जनवरी (एजेंसियां)। इस साल केरल, असम, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इससे पहले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार (04 जनवरी) को पार्टी नेताओं को बड़ी नसीहत दी है। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी के बारे में खुद घोषणा करने से बचना चाहिए। दरअसल, केसी वेणुगोपाल वायनाड के सुल्तान बाथेरी में विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत आयोजित दो दिवसीय नेतृत्व शिविर 'लक्ष्य 2026' के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। जहां उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीदवारी के बारे में खुद घोषणा नहीं करनी चाहिए। हमें पार्टी के घोषित फैसले का इंतजार करना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि नेताओं को पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा करने की आजादी है। साथ ही कहा, 'आप नेतृत्व के सामने अपनी मांगें रख सकते हैं और ऐसे सभी अवसरों का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन उम्मीदवारी से संबंधित चर्चाएं

सार्वजनिक मंचों पर सीमित होनी चाहिए।'

'लक्ष्य 2026' के उद्घाटन सत्र के दौरान वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के लिए सीपीआई (एम) और भाजपा दोनों ही आम प्रतिद्वंद्वी हैं। हालांकि, हाल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों से पता चला है कि कांग्रेस दोनों पार्टियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकती है।

उन्होंने कहा, 'जीत ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यह भरोसा दिलाया है कि अगर सीपीआई (एम) और भाजपा एक साथ भी आ जाएं, तो भी हम उनका सामना कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव की जीत से कांग्रेस नेताओं को और विनम्र होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'जनता लोकतंत्र के मालिक हैं। हमें अगले चार महीनों में जनता के सामने विनम्रता से अपनी राजनीतिक गतिविधियों को मजबूत करना चाहिए।'

वेणुगोपाल ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा, 'लेकिन पिनराई चुप नहीं बैठेंगे। पर्दे के पीछे बातचीत चल रही है।' उन्होंने आरोप लगाया कि सीपीआई (एम) और भाजपा के बीच एक गुप्त गठबंधन है, जो उनके दावे के अनुसार हाल के महीनों में साफ हो गया है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कुछ केंद्रीय परियोजनाओं से संबंधित मामलों में केरल सरकार द्वारा दिखाई गई जल्दबाजी दोनों पार्टियों के बीच एक अपवित्र समझौते की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा, 'यह गठबंधन दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं को पसंद नहीं है। यह दोनों खेमों के कुछ नेताओं के हितों की रक्षा के लिए मौजूद है और विधानसभा चुनाव तक जारी रहेगा।'

छत्तीसगढ़ में एनआईए की बड़ी कार्रवाई : एजेंसी ने 4 नक्सलियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

रायपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नेशनल इंवेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने राज्य के बीजापुर जिला पुलिस के एक 'गोपनीय सैनिक' की हत्या के संबंध में भाकपा (माओवादी) के चार और नक्सलियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बता दें कि गोपनीय सैनिक को पुलिस भर्ती करती है। इनको स्थानीय युवाओं में से खुफिया जानकारी जुटाने और बस्तर क्षेत्र में नक्सल-रोधी अभियानों में सहायता करने के

लिए भर्ती किए जाते हैं। इसी तरह के एक गोपनीय सैनिक की हत्या किए जाने के मामले में कार्रवाई की है।

इन आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट जारी की

अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के जगदलपुर स्थित एक अदालत में दाखिल आरोप-पत्र में राजू कुरसम, सुक्कू कुरसम, शंकर कुरसम और मन्नू कुरसम पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि इससे पहले इस मामले में चार अन्य लोगों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया गया था।

गोपनीय सैनिक के हत्या की वजह

पीड़ित छोटू उर्फ किशन कुरसम की हत्या प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के सदस्यों द्वारा दिसंबर 2023 में आत्मसमर्पण करने वाले कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता के बीच भय और आतंक फैलाने के लिए की गई थी।

386 लोगों के बिजली कनेक्शन काटे

31 उपभोक्ताओं के खिलाफ केस दर्ज, बिजली विभाग की कार्रवाई ने उड़ाए लोगों के होश

राजिम, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के राजिम में विद्युत वितरण कंपनी ने बड़ा एक्शन लिया है। बिजली विभाग के इस एक्शन के बाद लोगों में हड़कंप मच गया है। दरअसल, बिजली विभाग ने एक साथ 386 लोगों के बिजली कनेक्शन काट दिए। इस दौरान सबसे खास बात ये रही कि, विभाग ने सभी कनेक्शन जीपीएस से काटें है। इतना ही नहीं बिजली विभाग ने 31 उपभोक्ताओं के खिलाफ FIR भी दर्ज करवाई है।

बिजली विभाग ने क्यों लिया एक्शन?

मिली जानकारी के अनुसार, विद्युत वितरण कंपनी नवापारा राजिम संभाग ने उपभोक्ताओं से बकाया राशि वसूली के लिए अभियान चलाया। इस दौरान विभाग ने पाया कि, 386 उपभोक्तओं का 71 लाख 35 हजार रुपए का बिजली का बिल बकाया है। इसके बाद विभाग ने कड़ा कदम उठाते हुए सभी बकायादारों के बिजली कनेक्शन जीपीएस से काट दिए।

स्मार्ट मीटर से ऑनलाइन डिस्कनेक्शन की कार्रवाई शुरू

इतना ही नहीं बिजली विभाग ने स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़ करने वाले 31 उपभोक्ताओं के खिलाफ केस दर्ज करवाई है। केस दर्ज करवाने के बाद विभाग ने स्मार्ट मीटर से ऑनलाइन डिस्कनेक्शन की कार्रवाई शुरू कर दी है। बिजली विभाग की इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

हापुड़ में कैंटर-ट्रक की जोरदार भिड़ंत चालक घायल

हापुड़, 4 जनवरी (एजेंसियां)। हापुड़ देहात थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कैंटर ने हाईवे किनारे खड़े ट्रक से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास हड़कंप मच गया। हादसे में कैंटर के परखच्चे उड़ गए और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कैंटर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक को तुरंत निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने दोनों वाहनों को क्रेन की मदद से हटवाकर यातायात बहाल कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कैंटर की रफ्तार काफी तेज थी, जिस कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और खड़े ट्रक से भिड़ंत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और लापरवाही बरतने वाले चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

'मामला ड्रग्स या लोकतंत्र का नहीं, तेल का '

वेनेजुएला को लेकर ट्रंप पर भड़कीं कमला हैरिस

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका की राजनीति में तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इस कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा हमला बोला है। हैरिस ने कहा कि यह कदम न तो ड्रग तस्करी रोकने के लिए है और न ही लोकतंत्र की रक्षा के लिए, बल्कि इसके पीछे तेल हित हैं।

'तेल की जंग, लोकतंत्र का बहाना'

कमला हैरिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वेनेजुएला में ट्रंप की कार्रवाई अमेरिका को न तो ज्यादा सुरक्षित बनाती है और न ही मजबूत। उन्होंने कहा मादुरो एक क्रूर और अवैध तानाशाह हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह कार्रवाई सही या कानूनी है। हमने पहले भी ऐसा देखा है तेल या सत्ता

परिवर्तन के नाम पर शुरू की गई जंग, जो अंत में अराजकता बन जाती है। हैरिस ने चेतावनी दी कि जबरन सत्ता परिवर्तन की नीति से पूरा क्षेत्र अस्थिर हो सकता है और इससे अमेरिकी सैनिकों की जान जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के पीछे न तो कोई स्पष्ट कानूनी आधार है और न ही कोई एग्जिट प्लान।

न्यूयॉर्क के मेयर ने बताया 'युद्ध जैसी कार्रवाई'

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने भी मादुरो और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे युद्ध जैसा कदम और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। एक्स पर पोस्ट करते हुए ममदानी ने कहा कि उन्हें अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर न्यूयॉर्क लाने और संघीय हिरासत में रखने की जानकारी दी गई है। उनका कहना था कि किसी संप्रभु देश पर एकतरफा हमला करना युद्ध की श्रेणी में आता है और यह अमेरिकी व अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। मेयर ममदानी ने चेतावनी दी कि इस कदम के न्यूयॉर्क में रहने वाले हजारों वेनेजुएलाइयों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

तेल भंडार पर ट्रंप की नजर?

मादुरो की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने बयान दिया कि अमेरिका अब वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों को अपने नियंत्रण में लेगा। गौरतलब है कि वेनेजुएला के पास करीब 303 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है, जो दुनिया के सबसे बड़े प्रमाणित तेल भंडारों में से एक है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वहां निवेश कर तेल क्षेत्र का पुनर्निर्माण करेंगी।

'गुड नाइट, हैप्पी न्यू ईयर'

गिरफ्तारी के बाद न्यूयॉर्क पहुंचने पर ये थे निकोलस मादुरो के पहले शब्द

न्यूयॉर्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद रविवार को न्यूयॉर्क लाया गया। न्यूयॉर्क में डीईए के केंद्र में निकोलस मादुरो की हाथों में हथकड़ी लगे वीडियो सामने आई है। डीईए सेंटर पहुंचने पर मादुरो ने वहां के अधिकारियों से कहे अपने पहले शब्दों में उन्हें नए साल का शुभकामनाएं दीं। निकोलस मादुरो के डीईए सेंटर लाए जाने का वीडियो सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि डीईए के दो अधिकारी निकोलस मादुरो को पकड़कर ला रहे हैं और एक अन्य अधिकारी पीछे चल रहे हैं। निकोलस मादुरो के हाथों में हथकड़ी बंधी है और दोनों अधिकारी उन्हें पकड़कर चल रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि निकोलस मादुरो ने डीईए के अधिकारियों को गुड नाइट और हैप्पी न्यू ईयर कहा।

पुलिस चौकी के पास बदमाशों ने कैंटर को ओवरटेक कर लूटा इलेक्ट्रॉनिक सामान, शीशे पर गोली जैसे 25 निशान

मेरठ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। परतापुर थाना क्षेत्र में घाट पुलिस चौकी से 200 मीटर की दूरी पर बाइक व कार सवार बदमाशों ने हरिद्वार से फरीदाबाद जा रहे एक कैंटर में तोड़फोड़ कर उसे लूट लिया। कैंटर में पैनासोनिक कंपनी का इलेक्ट्रॉनिक सामान था, इसमें से 32 पेटियां बदमाश लूटकर ले गए। कैंटर चालक बिहार के छपरा निवासी संजीव जान बचाकर मौके से भाग गया। दो घंटे बाद उसने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

मादुरो की 'शेरनी' बनीं वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद देश में सियासी तूफान उठने लगा है। अमेरिकी सेना वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को काराकास से न्यूयॉर्क ले गई है, जिसके बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि वेनेजुएला की कमान अब कौन संभालेगा? वेनेजुएला की शीर्ष अदालत ने इसका समाधान ढूंढ निकाला है। सर्वोच्च अदालत ने उपराष्ट्रपति को अंतरिम राष्ट्रपति बनाने का आदेश दिया है। देश में हालात सामान्य होने तक वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज सत्ता संभालेंगी। वेनेजुएला सरकार का समर्थन करने के लिए मादुरो ने डेल्सी को 'शेरनी' करार दिया था। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा, देश में प्रशासनिक निरंतरता और राष्ट्र की व्यापक रक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज वेनेजुएला के बोलिवेरियन गणराज्य के राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करेंगी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद के लिए डेल्सी रोड्रिग्ज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की भी पहली पसंद हैं। डेल्सी 2018 से वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति हैं।

वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था समेत खुफिया सर्विस डेल्सी के ही देखरेख में काम करता है। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो से फोन पर काफी देर की बातचीत के बाद डेल्सी ने राष्ट्रपति पद संभालने के लिए हामी भर दी है। हालांकि, डेल्सी का कहना है कि उनके शपथ ग्रहण के बाद भी निकोलस मादुरो ही वेनेजुएला के वास्तविक राष्ट्रपति रहेंगे।

इटली की पीएम मेलोनी ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले को बताया जायज

रोम, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से वेनेजुएला पर की गई सैन्य कार्रवाई को लेकर दुनिया भर से प्रतिक्रिया देखने को मिली है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी इस पर अपना मत रखा है। मेलोनी ने वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया है। उन्होंने इसे जायज 'रक्षा' बताया, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता बदलने के लिए बाहरी सैन्य बल का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जॉर्जिया मेलोनी ने कहा, सरकार का मानना है कि बाहरी सैन्य कार्रवाई सत्तावादी शासनों को खत्म करने का तरीका नहीं है, लेकिन साथ ही वह अपनी सुरक्षा पर हाइब्रिड हमलों के खिलाफ रक्षात्मक हस्तक्षेप को जायज मानती है, जैसा कि उन सरकारी संस्थाओं के मामले में है जो ड्रग तस्करी को बढ़ावा देती हैं। इस बीच यहां यह भी बता दें कि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक वेनेजुएला के हालात ठीक नहीं हो जाते हैं तब तक देश को अमेरिका ही चलाएगा।

'दंगाइयों को उनकी जगह दिखाओ', विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की धमकी

तेहरान, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान सामने आया है। खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को धमकी दी है और सुरक्षाबलों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। खामेनेई ने कहा कि जो दंगाई हैं, उन्हें उनकी जगह दिखाई जाए। खामेनेई का बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान में आर्थिक संकट को लेकर बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। खामेनेई के इस बयान को ईरान के सुरक्षा बलों के लिए खुली छूट माना जा रहा है और अब वे प्रदर्शनकारियों पर और सख्ती बढ़ा सकते हैं।

खामेनेई ने विदेशी ताकतों पर लगाए साजिश रचने के आरोप

ईरान के राष्ट्रीय टीवी पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान

जारी किया गया। इस बयान में खामेनेई ने कहा, 'हम प्रदर्शनकारियों से बात कर रहे हैं, अधिकारियों को भी प्रदर्शनकारियों से बात करनी चाहिए, लेकिन बात करने से कोई फायदा नहीं होगा। दंगाइयों को उनकी जगह पर पहुंचा देना चाहिए।' खामेनेई ने विरोध प्रदर्शन के पीछे विदेशी ताकतों के हाथ होने का दावा किया। उन्होंने कहा, 'दुश्मनों द्वारा खरीदे गए कुछ लोग इस विरोध प्रदर्शन के पीछे हैं, जो दुकानदारों और प्रदर्शनकारी लोगों के पीछे से ईरान, ईरानी गणतंत्र और इस्लाम के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।'

अमेरिका ने प्रदर्शनकारियों का किया समर्थन

ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के अभी थमने के आसार नहीं लग रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि अगर ईरान की सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करती है तो अमेरिका उनके बचाव में आएगा। ट्रंप के इस बयान पर ईरान की सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर हमले की धमकी दी। ईरान में साल 2022 में भी एक 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की मौत के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। महसा अमीनी को बुर्का न पहनने के लिए प्रताड़ित किया गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। 2022 के बाद ईरान में अब इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ईरान के कट्टरपंथी नेता प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

वहीं ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियन प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के पक्ष में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान में साल 2019 में ईंधन की बढ़ती कीमतों के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में 300 लोगों की मौत हुई थी। वहीं महसा अमीनी की मौत के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में 500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 22 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया था।

वेनेजुएला में अमेरिकी एक्शन से भड़का चीन

मादुरो की गिरफ्तारी को बताया गलत, ट्रंप को लेकर क्या कहा?

बीजिंग, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो उनकी वाइफ के संग गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के बाद चीन ने प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्रालय ने प्रेस रिलीज जारी कर अमेरिका की इस कार्रवाई को संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ खुला सैन्य बल प्रयोग बताते हुए कड़ी निंदा की है। बयान में कहा गया कि किसी संप्रभु देश के राष्ट्रपति के खिलाफ इस तरह की सैन्य कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन है।

चीन का कहना है कि अमेरिका का यह रवैया उसकी वर्चस्ववादी सोच को दर्शाता है। चीन ने चेतावनी दी कि अमेरिका की यह कार्रवाई केवल वेनेजुएला की संप्रभुता को ही नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र की शांति और सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। बीजिंग ने साफ शब्दों में कहा कि इस

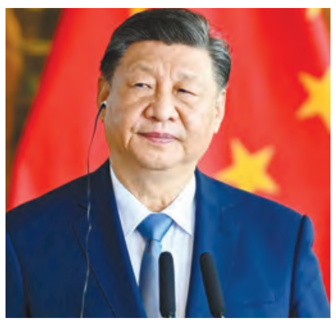

तरह के कदम क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं।

अमेरिका से कानून और चार्टर का पालन करने की अपील

अपने बयान में चीन ने अमेरिका से अपील की है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों व सिद्धांतों का सम्मान करे। साथ ही, अन्य देशों की संप्रभुता और सुरक्षा का उल्लंघन करने वाली कार्रवाइयों को तुरंत बंद करे। बता दें कि अमेरिका ने पूरी तैयारी के साथ वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के लिए अपनी फोर्स भेजी थी।

बढ़ता जा रहा है वैश्विक तनाव

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद दुनिया के कई देशों में चिंता बढ़ गई है। चीन की प्रतिक्रिया यह संकेत देती है कि यह मामला केवल अमेरिका और वेनेजुएला तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में इसके दूरगामी असर देखने को मिल सकते हैं। आने वाले दिनों में अन्य देशों की प्रतिक्रियाएं भी इस संकट को और गहरा कर सकती हैं।

बुजुर्ग दंपति की हत्या अलग-अलग कमरे में मिले शव

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहदरा इलाके में एक सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड ने इलाके में दहशत फैला दी है। राम नगर एक्सटेंशन में स्थित एक मकान के तीसरे मंजिल पर 75 वर्षीय विरेंद्र कुमार बंसल (रिटायर्ड टीचर) और उनकी 65 वर्षीय पत्नी परवेश बंसल (गृहिणी) के शव अलग-अलग कमरों में पड़े मिले।

पुलिस को यह जानकारी आधी रात करीब 12:30 बजे पीसीआर कॉल से मिली। कॉल करने वाले दंपति के बेटे वैभव बंसल ने बताया कि उनके माता-पिता बेहोश पड़े हैं और शायद मर चुके हैं। सूचना मिलते ही एमएस पार्क थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वैभव ने पुलिस को बताया कि किसी ने उनके माता-पिता की हत्या कर दी है। निरीक्षण में विरेंद्र कुमार बंसल के चेहरे पर चोट के निशान मिले। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया गया है।

उत्तर कोरिया ने दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल, जापान सागर की ओर बढ़ा तनाव

प्योंगयांग, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर रविवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण कर कोरियाई प्रायद्वीप और आसपास के इलाके में तनाव बढ़ा दिया है। दक्षिण कोरिया की सेना के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट के पास समुद्र की दिशा में एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। इस घटनाक्रम पर जापान और अमेरिका समेत क्षेत्रीय देश नजर बनाए हुए हैं। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बयान जारी कर कहा, 'उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर (जापान सागर) की ओर एक अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है।'

फिलहाल मिसाइल की रेंज और प्रकार को लेकर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी उत्तर कोरिया द्वारा संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए जाने की पुष्टि की है। हालांकि,

अभी तक किसी तरह के नुकसान या आपात स्थिति की कोई सूचना नहीं दी गई है। इस मिसाइल परीक्षण से पहले उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने एक हथियार निर्माण फैक्ट्री का दौरा किया था। सरकारी मीडिया के अनुसार, किम ने सामरिक निर्देशित हथियारों के उत्पादन को मौजूदा स्तर से दोगुना से भी अधिक बढ़ाने का आह्वान किया है।

हाल के हफ्तों में किम जोंग उन लगातार हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों का दौरा कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी का निरीक्षण भी किया और कई मिसाइल परीक्षणों की निगरानी की है।

ये सभी गतिविधियां अगले साल होने वाली वर्कर्स पार्टी की नौवीं पार्टी कांग्रेस से पहले की जा रही हैं, जिसमें देश की प्रमुख नीतियों पर फैसला होना है। उत्तर कोरिया ने नवंबर में भी एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। यह परीक्षण उस समय किया गया था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की योजना को मंजूरी दी थी। हाल के वर्षों में प्योंगयांग ने मिसाइल परीक्षणों की संख्या में काफी इजाफा किया है।

मादुरो की तरह पुतिन का भी हो हाल?

जेलेंस्की ने इशारों में कहा- अमेरिका जानता है, अगला कदम क्या होना चाहिए

वॉशिंगट, 4 जनवरी (एजेंसियां)। नवेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की ओर से नाटकीय ढंग से पकड़े जाने के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है। जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वाशिंगटन अब तानाशाहों से निपटने के लिए आगे क्या करना है यह जानता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जेलेंस्की से मादुरो की गिरफ्तारी पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा मैं क्या कह सकता हूं? अगर तानाशाहों के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो अमेरिका जानता है कि अगला कदम क्या होना चाहिए। उनका यह बयान साफ तौर पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर संकेत माना जा रहा है।

इस बीच रूस ने अमेरिका से मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को रिहा करने की अपील की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मादुरो वेनेजुएला के वैध रूप से चुने गए राष्ट्रपति हैं और अमेरिका को उन्हें तुरंत रिहा करना चाहिए। रूस ने यह भी जोर दिया कि अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवादों का समाधान बातचीत के जरिए होना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, मादुरो और उनकी पत्नी को कारा कास से एक संयुक्त अभियान में पकड़ा गया और अमेरिका लाया गया। उन पर न्यूयॉर्क के साउदर्न डिस्ट्रिक्ट में ड्रग तस्करी और नार्को-आतंकवाद से जुड़े आरोप लगाए गए हैं। ट्रंप ने कहा कि दोनों को अमेरिकी अदालत में पेश किया जाएगा। अमेरिका ने मादुरो की हथकड़ियों में 'पर्प वॉक' का वीडियो भी जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, जो अपनी खराब और अमानवीय परिस्थितियों के लिए कुख्यात है।

आईएसआईएस के ठिकानों पर ब्रिटेन-फ्रांस का बड़ा हवाई हमला

पलमायरा के पास पहाड़ों में आतंकियों का अंडरग्राउंड अड्डा किया तबाह

लंदन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल डेस्कः ब्रिटेन और फ्रांस ने मिलकर सीरिया में आतंकी संगठन आईएसआईएस के खिलाफ एक बड़ा संयुक्त एयर स्ट्राइक ऑपरेशन किया है। यह हमला सीरिया के ऐतिहासिक शहर पलमायरा से कुछ मील उत्तर में स्थित पहाड़ी इलाके में किया गया, जहां आईएसआईएस का एक गुप्त अंडरग्राउंड ठिकाना मौजूद था। इस संयुक्त अभियान में ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) और फ्रांस की वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, आरएएफ के टाइफून एफजीआर4 फाइटर जेट्स और फ्रांस के लड़ाकू विमानों ने मिलकर इस एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया। इन विमानों को हवा में ही ईंधन देने के लिए वॉयेजर एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग टैंकर का इस्तेमाल किया गया।

हमले में अत्याधुनिक पेववे मैं वी गाइडेड बम इस्तेमाल किए गए, जिनका निशाना उन सुरंगों और भूमिगत

रास्तों पर था, जो आतंकियों के अड्डे तक जाते थे। इससे अंडरग्राउंड संरचना को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया।

खुफिया एजेंसियों की गहन जांच में यह सामने आया था कि यह अंडरग्राउंड ठिकाना हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री जमा करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। राहत की बात यह रही कि यह इलाका पूरी तरह सुनसान था और आसपास कोई नागरिक आबादी नहीं थी। शुरुआती आकलन में बताया गया है कि लक्ष्य पूरी तरह तबाह हो गया और किसी भी नागरिक के हताहत होने की सूचना नहीं है। सभी ब्रिटिश और फ्रांसीसी लड़ाकू विमान सुरक्षित अपने बेस पर लौट आए

आईएसआईएस की हार के बाद भी आरएएफ की लगातार निगरानी हालांकि मार्च 2019 में सीरिया के बाघूज फवकानी इलाके में आईएसआईएस को सैन्य रूप से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बावजूद आरएएफ लगातार सीरिया के ऊपर निगरानी और गश्त करता रहा है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि आईएसआईएस दोबारा संगठित न हो और क्षेत्र में फिर से आतंकी गतिविधियां शुरू न कर सके। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने इस एयर स्ट्राइक पर बयान देते हुए कहा कि यह कार्रवाई दिखाती है

सावधान! इंदौर में मिले 'मौत के बैक्टीरिया' कितने खतरनाक? आप भी चौंक जाएंगे

इंदौर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पिछले कई दिनों से सप्लाई हो रहे नर्मदा जल को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। सरकारी और निजी लैब में की गई सैंपलिंग की रिपोर्ट में सामने आया है कि इस पानी में हैजा और डायरिया जैसी जानलेवा बीमारियों के बैक्टीरिया मौजूद हैं। स्वास्थ्य विभाग ने पानी को घरेलू उपयोग और पीने के लिए पूरी तरह अनुपयुक्त पाया है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग और प्राइवेट लैबों के सूत्रों के मुताबिक जांच रिपोर्ट में पता चला है कि यह पानी पीने योग्य नहीं है।

जांच रिपोर्ट के अनुसार पानी में फीकल कॉलिफॉर्म, ई-कोलाई, विब्रियो और प्रोटोजोआ जैसे खतरनाक बैक्टीरिया मिले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन जीवाणुओं की मौजूदगी का सीधा अर्थ यह है कि पीने के पानी की लाइन में सीवर का गंदा पानी (सीपेज) मिल रहा है। रिपोर्ट में पानी के सैंपल्स को अनसैटिस्फैक्ट्री श्रेणी में रखा गया है।

क्षेत्र में लगातार हो रही मौतों और बीमारी के बाद रविवार से पानी के सैंपल्स लिए जा रहे हैं। हालांकि कलेक्टर शिवम वर्मा ने खुद क्षेत्र का दौरा किया और पानी पीकर रहवासियों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की कि पानी साफ है। वहीं संक्रमण के समय लिए गए पानी की लैब कल्चर की रिपोर्ट कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। शहर के 100 से अधिक कॉलेजों और निजी अस्पतालों की लैब में भेजे गए मरीजों और पानी के सैंपल्स ने स्थिति को चिंताजनक बताया है।

रिपोर्ट में विब्रियो कोलेरी बैक्टीरिया मिलने की पुष्टि हुई है जो हैजा फैलाने के लिए जिम्मेदार है। सूत्रों के मुताबिक सरकारी तंत्र अब भी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं कर रहा है और इस मामले को टालने का प्रयास किया जा रहा है जबकि क्षेत्र में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

'आई लव मोदी', मशहूर डांसर की होगी बीजेपी में एंट्री ?

हनुमान बेनीवाल को चुनौती देने तैयार है ये 'बच्ची'

दौसा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की 'शकीरा' कही जाने वाली मशहूर डांसर गोरी नागोरी अब कला के मंच से उतरकर राजनीति के अखाड़े में उतरने को पूरी तरह तैयार हैं। दौसा के आगरा रोड पर जब भाजपा की पूर्व विधायक अमृता मेघवाल के साथ गोरी नागोरी का काफिला पहुंचा, तो प्रशंसकों का तांता लग गया। लेकिन यह सिर्फ एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि एक बड़े सियासी धमाके की दस्तक थी।

नागौर की 'बच्ची' अब मचाएगी तूफान

दौसा में जोरदार स्वागत के बाद गोरी नागोरी ने अपने इरादे साफ कर दिए। उन्होंने खुले मंच से ऐलान किया कि वे आगामी चुनाव में अपने गृह क्षेत्र नागौर से ताल ठोकेंगी। जब उनसे दिग्गज नेता हनुमान बेनीवाल के उस बयान पर सवाल किया गया जिसमें उन्होंने गोरी को 'बच्ची' कहा था, तो गोरी ने तीखा पलटवार करते हुए कहा- 'आजकल के बच्चे ही दुनिया में असली तूफान मचा रहे हैं।' यह बयान सीधा संकेत है कि वे नागौर की राजनीति में स्थापित चेहरों को कड़ी टक्कर देने के मूड में हैं।

'ईडी की रेड डलवानी है क्या ?'

सियासत में धनबल के सवाल पर गोरी नागोरी ने बड़े ही मजाकिया लहजे में मीडिया को निरुत्तर कर दिया। उन्होंने हंसते हुए कहा- 'मेरे पास पैसों की कोई कमी नहीं है, बस सेवा का जज्बा है। लेकिन आप ऐसे सवाल पूछकर क्या मुझ पर ईडी की रेड पटकवाना चाहते हो?' गोरी ने स्पष्ट किया कि वे भ्रष्टाचार से दूर, इंसानियत वाली राजनीति करना चाहती हैं। उनका मानना है कि एक राजनेता को अपनी जनता को परिवार की तरह मानना चाहिए।

'आई लव यू मोदी, आई लव यू भाजपा'

गोरी ने बड़े भावुक अंदाज में कहा कि जब भी राजस्थान का जिक्र होता है, दुनिया जयपुर, उदयपुर और जैसलमेर की बातें करती है। वे चाहती हैं कि नागौर का नाम भी उसी फेहरिस्त में शामिल हो। नागौर के विकास और उसकी पहचान बदलने के लिए वे भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहती हैं। उन्होंने खुलेआम 'आई लव यू मोदी, आई लव यू भाजपा' के नारे लगाकर अपनी निष्ठा स्पष्ट कर दी है।

बॉर्डर पर पकड़ा गया राजस्थान का संदिग्ध मौलवी

अलर्ट मोड़ पर आईं जांच एजेंसियां

जैसलमेर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जैसलमेर से लगती भारत-पाकिस्तान सीमा पर एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड ने एक संदिग्ध मौलवी को पकड़ा है। आतंकवादी गतिविधियों के खुफिया इनपुट के आधार पर टीम ने तनोट-किशनगढ़ क्षेत्र में कुरिया बेरी गांव में दबिश दे मौलवी को पकड़ जयपुर ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ होगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आतंकवादी गतिविधियों के शक में मौलवी अली खान को पकड़ा गया है।अली खान बीकानेर में छत्तरगढ़ तहसील का रहने वाला है। एटीएस पिछले कई दिनों से मौलवी अली खान पर नजर बनाए हुई थी। जयपुर से आई एटीएस की टीम ने कुरिया बेरी गांव में संदिग्ध को घेरा और उसे अपने साथ ले गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए संदिग्ध को सीधे जयपुर ले जाया गया है।

वही इस संबंध में जोधपुर एटीएस आईजी विकास कुमार से जब बात की गई तो उनका कहना है कि इस मामले में उन्हें जानकारी नहीं है॥

किशनगढ़ फील्ड फायरिंग रेंज और तनोट माता मंदिर के निकटवर्ती क्षेत्रों में इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों का मिलना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से चिंताजनक है। एटीएस अब यह पता लगाने में जुटी है कि क्या यह शख्स किसी बड़े 'स्लीपर सेल' का हिस्सा है या सीमा पार जासूसी के नेटवर्क से जुड़ा है और उसका यहां आने का क्या मकशद था। उधर, संदिग्ध की गिरफ्तारी को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

पंचायतों के पुनर्गठन-नवसृजन के बाद गांवों में गरमाई राजनीति

बिछने लगी चुनावी चौसर

सवाईमाधोपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पंचायतों के पुनर्गठन व नवसृजन के बाद राजस्थान सहित सवाईमाधोपुर जिले के गांवों में राजनीति की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। हाल ही में जिला कलक्टर काना राम ने जिला परिषद एवं पंचायत समितियों के एकल सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) के पुनर्गठन/पुनर्सीमांकन का प्रारूप भी प्रकाशित कर दिया है। इसके बाद पंचायतराज चुनाव की हलचल और बढ़ गई है। गांवों में चुनावी बिसात बिछने लगी है।

जिला परिषद सवाईमाधोपुर में वर्ष 2021 में कुल 25 सीटें थी, जिन्हें अब बढ़ाकर 31 कर दिया गया है। वार्ड बढ़ने से ग्रामीण राजनीति में नेताओं के आगे आने के अवसर भी बढ़ गए हैं। वहीं जिले की आठ पंचायत समितियों में कुल 160 वार्ड गठित किए गए हैं। वार्ड गठन के हिसाब से संबंधित ग्राम पंचायतों में स्थानीय नेता सक्रिय हो गए हैं।

अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा ने बताया कि जिला परिषद सवाई माधोपुर के कुल 31 निर्वाचन क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। वहीं पंचायत समिति बामनवास में 23, बौंली में 19, मलारना डूंगर में 17, सवाई माधोपुर में 23, चौथ का बरवाड़ा में 21, खण्डार में 23, गंगापुर सिटी में 19 तथा वजीरपुर में 15 निर्वाचन क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वार्डों के पुनर्गठन का प्रकाशित प्रारूप संबंधित उपखण्ड अधिकारी कार्यालय, पंचायत समिति कार्यालय एवं तहसील कार्यालय में आमजन के अवलोकन के लिए उपलब्ध है। इस प्रारूप के संबंध में कोई भी मतदाता अपनी लिखित आपत्ति 5 जनवरी तक संबंधित उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार अथवा जिला कलक्टर कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के बाद वार्डों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

हालांकि अभी निर्वाचन विभाग की ओर से पंचायत चुनावों की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है और ना ही आरक्षण के आधार पर सीटों का निर्धारण किया गया है, इसके बावजूद संभावित उम्मीदवारों ने तैयारियां शुरू कर दी है। अधिकतर निर्वाचन क्षेत्रों में दावेदारों की नजरें आरक्षण लॉटरी पर टिकी हुई हैं। गांव-गांव में चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों की सक्रियता दिखाई देने लगी है। लॉटरी में वार्ड आरक्षण तय होने के बाद कुछ नेता जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य चुनाव के लिए अपना निर्वाचन क्षेत्र बदल भी सकते हैं। वहीं लॉटरी में वार्ड दूसरे वर्ग के लिए आरक्षित होने पर कई नेता चुनावी दौड़ से बाहर भी हो सकते हैं।

इस बार वार्डों का निर्धारण पूरी तरह जनसंख्या के आधार पर किया गया है। जिन ग्राम पंचायतों की आबादी 3000 तक है, वहां 7 वार्ड बनाए गए हैं। इसके बाद प्रत्येक एक हजार की जनसंख्या बढ़ने पर दो-दो वार्ड बढ़ाए गए है। इस अनुपात में 9, 11, 13, 15 अथवा उससे अधिक वार्ड तय किए गए है, ताकि सभी वर्गों का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। उधर, पंचायत समिति कैटेगरी में एक लाख की आबादी में 15 वार्ड रखे गए। ऐसे में जिस पंचायत समिति की आबादी एक लाख से 15 हजार अधिक है तो दो वार्ड जुड़ गए। 15000-15000 पर दो-दो वार्ड जुड़ने का फॉर्मूला रहा। ऐसे में ये आंकड़ा 15 से बढ़कर 17, 19, 21 तक जा सकता है। जिला परिषदों में 4 लाख की आबादी पर 17 वार्ड बनाए। परिषद में चार लाख से अधिक एक लाख की आबादी में दो वार्ड जोड़े गए।

स्कूल मान्यता रद्द का विरोध, 5500 बच्चों का भविष्य दांव पर

अभिभावक सड़क पर उतरे

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। नीरजा मोदी स्कूल में छात्रा की आत्महत्या मामले में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ओर से स्कूल की मान्यता रद्द किए जाने के निर्णय के विरोध में अभिभावक सड़कों पर उतर गए। अभिभावकों ने बच्चों के साथ स्कूल परिसर के बाहर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान सीबीएसई से मांग की गई कि स्कूल मान्यता रद्द करने के निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए। अभिभावकों और विद्यार्थियों ने कहा कि सीबीएसई के इस निर्णय से करीब 5,500 बच्चों का भविष्य असमंजस की स्थिति में आ गया है।

बच्चों की पढ़ाई पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। बीच सत्र में इस तरह के निर्णय से विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारी, नियमित अध्ययन, मानसिक स्थिति और शैक्षणिक निरंतरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

अभिभावकों ने यह भी चिंता जताई कि अन्य स्कूलों में स्थानांतरण की स्थिति में बच्चों को नई व्यवस्था में ढलने, वातावरण बदलने और अनावश्यक दबाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जिन मापदंडों के कारणों की वजह से विद्यार्थियों को दूसरे स्कूलों में भेजने की बात कही है, क्या उन स्कूलों में सभी मापदंड पूरी तरह निर्धारित हैं।

अभिभावकों और विद्यार्थियों ने मांग की है कि सीबीएसई बाल मनोविज्ञान को ध्यान में रखकर नीरजा मोदी स्कूल की मान्यता पुनः बहाल करे। ताकि बच्चों की पढ़ाई बिना बाधा के जारी रह सके।

निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच हो : शिवसेना

नीरजा मोदी स्कूल में एक मासूम बच्ची की गिरने से मृत्यु और उसके बाद बने हालात पर शिवसेना (शिंदे गुट), राजस्थान ने सटीक प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश मुख्य सचिव इंजीनियर जितेन्द्र हिन्दू ने कहा कि शिवसेना इस दुख की घड़ी में बच्ची के परिवार के साथ पूरी संवेदना के साथ खड़ी है और यदि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक गंभीर और दुखद घटना के आधार पर पूरे विद्यालय की केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) मान्यता रद्द करना और उसके कारण सैकड़ों निर्दोष बच्चों का भविष्य और मानसिक संतुलन प्रभावित करना न्यायसंगत नहीं है।

इंजीनियर जितेन्द्र हिन्दू ने कहा कि मान्यता रद्द होने से विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों में भय, तनाव और मानसिक अस्थिरता उत्पन्न हो रही है, अभिभावक असमंजस में हैं तथा बच्चों की पढ़ाई, परीक्षाएं और भविष्य अनिश्चित हो गया है। उन्होंने कहा कि शिवसेना का मानना है कि दोषियों को दंड मिले और सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाए, लेकिन निर्दोष बच्चों को सामूहिक सजा न दी जाए।

एसीबी का बड़ा एक्शन, 'प्रधानमंत्री आवास की राशि' के बदले मांगी घूस

मैनेजर रंगे हाथों गिरफ्तार

अजमेर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। गरीबों के सिर पर छत देने वाली 'प्रधानमंत्री आवास योजना' में भ्रष्टाचार का घिनौना खेल सामने आया है। अजमेर के भिनाय क्षेत्र में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक बड़ी स्ट्राइक करते हुए धांतोल को-ऑपरेटिव सोसायटी के सहायक प्रबंधक परमेश्वर प्रजापत को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब धांतोल निवासी मंगलाराम ने एसीबी के पास गुहार लगाई। पीड़ित ने बताया कि उसे प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त मिलनी थी, लेकिन सहायक प्रबंधक परमेश्वर प्रजापत बिना 'गुड़' (रिश्वत) के फाइल आगे बढ़ाने को तैयार नहीं था। वह गरीब ग्रामीण से किस्त जारी करने की एवज में 30 हजार रुपये की मांग कर उसे लगातार मानसिक रूप से परेशान कर रहा था। शिकायत मिलते ही एसीबी अजमेर के एसपी डॉ. महावीर सिंह राणावत ने जाल बिछाया। सबसे पहले शिकायत का गुप्त सत्यापन कराया गया, जिसमें घूस मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद एएसपी वंदना भाटी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

देवरी में खुदाई के दौरान मिली सिल्वर देग

खजाने की आशंका से उमड़ा ग्रामीणों का सैलाब

टोंक, 4 जनवरी (एजेंसियां)। टोंक जिले की निवाई तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सींदड़ा के गांव देवरी में उस समय सनसनी फैल गई, जब खुदाई के दौरान एक सिल्वर देग मिलने की सूचना सामने आई। सूचना मिलते ही निवाई पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया।

खेतों के समीप स्थित चरागाह भूमि में कुछ ग्रामीणों ने ताजा गुलाब की पत्तियां बिखरी हुई देखीं, साथ ही वहां एक चप्पल की जोड़ी भी पड़ी मिली। इस संदिग्ध स्थिति की जानकारी ग्रामीणों ने गांव में दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के सरपंच रामसहाय मीणा को बुलाया। सरपंच द्वारा तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई।

मौके पर एकत्रित ग्रामीणों ने आशंका जताई कि उक्त स्थान पर कोई लाश दबी हो सकती है। इसके बाद जेसीबी मशीन मंगवाकर वहां खुदाई करवाई गई। खुदाई के दौरान वहां से एक सिल्वर देग निकलकर सामने आई। देग को देखकर ग्रामीणों में खजाना मिलने की संभावना को लेकर चर्चा शुरू हो गई, जिससे मौके पर सैकड़ों ग्रामीण जमा हो गए।

खजाने की सूचना पर थानाधिकारी घासीराम, तहसीलदार नरेश गुर्जर, भू-अभिलेख अधिकारी सहित पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस और प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए देग को अपने कब्जे में लिया और उसे निवाई थाने ले जाया गया। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी एसडीएम प्रीति मीणा को दी गई।बाद में अधिकारियों के निर्देशानुसार तहसीलदार नरेश गुर्जर एवं थानाधिकारी घासीराम की मौजूदगी में उक्त सिल्वर देग को पुरानी तहसील कार्यालय स्थित उपकोषाधिकारी कार्यालय के अंदर सील कर सुरक्षित रखवाया गया है।

रिमांड में सुविधा देने के नाम मांगी रिश्वत

एसआई और कांस्टेबल के खिलाफ एसीबी में मामला दर्ज

टोंक, 4 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय जयपुर ने अलीगढ़ के तत्कालीन थाना प्रभारी (एसआइ) पवन कुमार चौधरी और कांस्टेबल कर्मवीर चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला पुलिस थाना अलीगढ़ में रिमांड पर चल रहे आरोपी से मारपीट नहीं करने व सुविधाएं उपलब्ध करवाने के नाम पर रिश्वत की राशि लेने का है। मामले में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने कांस्टेबल कर्मवीर चौधरी को लाइन हाजिर कर दिया। जबकि एसएचओ का स्थानांतरण पहले ही अजमेर हो चुका है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सवाईमाधोपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी ने बताया कि सवाईमाधोपुर एसीबी टीम ने करीब चार महीने पहले इन दोनों पुलिसकर्मियों को रंगे हाथों पकडऩे के लिए ट्रैप की कार्रवाई की थी। लेकिन सफल नहीं हो पाई। इसके बाद एसीबी ने रिपोर्ट जयपुर एसीबी मुख्यालय भेजी। उसके बाद एसीबी मुख्यालय जयपुर ने गत एक जनवरी को तत्कालीन थाना प्रभारी पवन कुमार चौधरी और कांस्टेबल कर्मवीर चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले के अनुसार 10 अगस्त 2025 को अलीगढ़ थाना क्षेत्र में रास्ता रोककर फायरिंग कर एक व्यक्ति से मारपीट कर लूट की वारदात हुई थी।

उदयपुर गैंगरेप मामला: आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

दोबारा भेजे गए जेल, पूछताछ में मिले अहम सबूत

उदयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में चलती कार में आईटी कंपनी की महिला मैनेजर से गैंगरेप के सनसनीखेज मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। इस मामले में गिरफ्तार आईटी कंपनी के सीईओ, महिला कार्मिक (एग्जीक्यूटिव हेड) और उसके पति को अदालत से राहत नहीं मिली है। बता दें कि तीनों आरोपियों की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। जमानत अर्जी खारिज होने के बाद तीनों आरोपियों को पुनः जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद रिमांड पर लिया गया था। रिमांड अवधि के दौरान पुलिस ने तीनों से कड़ी पूछताछ की, जिसमें मामले से जुड़े कई अहम और ठोस सबूत सामने आए।

इन्हीं सबूतों के आधार पर पुलिस ने कोर्ट में मजबूत पक्ष रखा। रिमांड पूरी होने के बाद आरोपियों को जेल भेजा गया था, जहां से उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दायर की थी। हालांकि, कोर्ट ने मामले की गंभीरता और अब तक सामने आए तथ्यों को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले चलती कार में आईटी कंपनी की महिला मैनेजर से गैंगरेप का मामला उजागर हुआ था। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कंपनी के सीईओ की बर्थडे पार्टी के दौरान जमकर शराब पार्टी हुई थी। इसके बाद घर छोड़ने के बहाने उसे कार में बैठाया गया। आरोप है कि इसी दौरान चलती कार में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता ने अपनी ही कंपनी के सीईओ, महिला एग्जीक्यूटिव हेड और उसके पति पर गंभीर आरोप लगाए थे। मामला सामने आते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद लंबी पूछताछ के लिए उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेजा गया था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आगे भी जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जमानत खारिज होने के बाद आरोपियों का जेल में रहना तय हो गया है, जबकि पुलिस सबूतों के आधार पर मजबूत चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

कड़ाके की सर्दी का असर, कई जिलों में शीतलहर और 9 में घने कोहरे का अलर्ट

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सर्दी का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को प्रदेश के 5 जिलों में शीतलहर और 9 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के केवल तीन शहरों को छोड़कर सभी जगह न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। माउंट आबू में लगातार दूसरे दिन तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं शेखावाटी और जयपुर संभाग के जिलों में सर्द हवाओं के कारण ठिठुरन और गलन बढ़ गई है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में अगले एक सप्ताह तक तेज सर्दी, शीतलहर और कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान उत्तर-पूर्वी और उत्तर-दक्षिणी जिलों-जयपुर, भरतपुर, बीकानेर, कोटा और अजमेर के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के साथ शीतलहर चली, जिससे दिन में भी कड़ाके की ठंड महसूस की गई। माउंट आबू के बाद फतेहपुर (सीकर) प्रदेश का दूसरा सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फतेहपुर, सीकर और अलवर के ग्रामीण इलाकों में पाला पड़ने लगा है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। शीतलहर और कोहरे के कारण धूप का असर कम हो गया है। अधिकांश शहरों में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 4 डिग्री कम दर्ज किया गया। सबसे ठंडा दिन पिलानी (झुंझुनूं) में रहा, जहां अधिकतम तापमान केवल 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर और सीकर में अधिकतम तापमान 18 डिग्री, श्रीगंगानगर में 18.2, कोटा में 17.6, अलवर में 18.5, अजमेर में 18.2, वनस्थली (टोंक) में 18.8, चूरू में 16.9, सिरोही में 17.4, करौली में 16.8, झुंझुनूं में 16, दौसा में 18.9 और उदयपुर में 20.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कुएं में चल रही थी शराब फैक्ट्री, पांच महीने बाद पुलिस ने दबोचे फरार आरोपी

झालावाड़, 4 जनवरी (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले में पुलिस ने अवैध शराब बनाने और तस्करी से जुड़े पांच महीने पुराने मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गांव लुहारिया से इस मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 31 जुलाई 2025 को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव लुहारिया में अवैध रूप से शराब बनाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी फतेह सिंह के खेत में बने कुएं पर छापा मारा था। वहां अवैध शराब बनाने की पूरी फैक्ट्री पकड़ी गई थी।

मौके से पुलिस ने स्प्रिट केमिकल से भरे दो ड्रम, शराब भरने के करीब छह हजार खाली पव्वे, ढक्कन पैकिंग मशीन, प्लास्टिक सील, ब्रांड रैपर, ग्लोबल नींबू स्पेशल देशी शराब के लेबल, 30 कैम्पर, यूरिया से भरा एक कट्टा, कार्टन बनाने का गत्ता, नमूना सील और जनरेटर सहित बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की थी। इस मामले में डग थाना पुलिस ने केस दर्ज किया था।

प्रकरण में फरार चल रहे आरोपियों की तलाश के लिए थानाधिकारी भंवर सिंह के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम ने गांव लुहारिया से रणजीत सिंह (23) पुत्र शंकर सिंह और दिवान सिंह (59) पुत्र भगवान सिंह को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को जांच के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इस मामले में पहले ही बालू सिंह और फतेह सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

टीपीसीसी कार्यकारी अध्यक्ष जग्गारेड्डी ने हरीश राव पर कसा तंज

> विपक्ष ने एक परियोजना को 100 बार प्रचारित किया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी कार्यकारी अध्यक्ष जग्गारेड्डी ने गांधी भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और जल संसाधन मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के इरिगेशन प्रेजेंटेशन की तुलना बीआरएस नेता हरीश राव की प्रस्तुति से की और इसे 'भ्रामक' बताया।

जग्गारेड्डी ने कहा कि जब आप सत्ता में होते हैं तो आंध्र प्रदेश की जल योजनाओं की चोरी याद नहीं आती, लेकिन जब विपक्ष में होते हैं तो वही मुद्दा उभरकर सामने आता है। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के शासनकाल और विपक्ष की तुलना करते हुए कहा कि जब केसीआर मुख्यमंत्री या मंत्री थे तो आंध्र के लोगों की जल समस्याएं छिपी रहीं, लेकिन जब विपक्ष में आए तो यह मुद्दा जनता के सामने आया। उन्होंने हरीश राव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पद में रहने वाले नेताओं की बैठकों में कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन जब वही नेता विपक्ष में होते हैं तो राजनीति की आलोचना होती है। उन्होंने कांग्रेस सरकारों द्वारा बनाए गए मंजीरा और सिंगूर परियोजनाओं के पानी का उल्लेख करते हुए कहा कि केसीआर और हरीश राव ने इसे बड़े पैमाने पर बढ़ाया और जनता को इसका श्रेय नहीं दिया। उन्होंने विधानसभा में हंगामे की ओर इशारा करते हुए कहा कि कोमटिरेड्डी और संपत को सवाल पूछने पर निलंबित किया गया, और राजगोपाल रेड्डी और उत्तम कुमार रेड्डी को बोलने के लिए माइक्रोफोन नहीं दिया गया।

जग्गारेड्डी ने यह भी कहा कि टीपीसीसी ने 100 परियोजनाओं पर काम किया, लेकिन उन्हें कभी प्रचारित नहीं किया, जबकि विपक्ष ने एक परियोजना को 100 बार प्रचारित किया। उन्होंने कांग्रेस नेता राजशेखर रेड्डी की पदयात्रा और मुफ्त बिजली की घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री रहे राजशेखर रेड्डी ने मुफ्त बिजली की पहल की, जिससे गरीबों की जमीन और जीवन उन्नत हुआ।

बीआरएओयू ने दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का ब्रॉशर जारी किया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रो. घंटा चक्रपाणी, उपकुलपति, डॉ.बी.आर. आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी ने दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'सतत विकास के लिए व्यापार परिवर्तन' का ब्रॉशर जारी किया। यह सम्मेलन वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन संकाय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में 13 और 14 मार्च को आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने सम्मेलन में मुख्य अतिथि, प्रमुख वक्ता, पैनल चर्चा में भाग लेने के लिए अकादमिक, उद्योग और सार्वजनिक संस्थानों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को आमंत्रित किया है। सम्मेलन छह उप-विषयों पर विचार करेगा, और अनुमानित रूप से देश भर से लगभग 150 प्रतिनिधि इसमें भाग लेंगे।

ज्योतिर्वास्तु विद्यापीठ में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और संगारेड्डी सरकारी अस्पताल की सहमति से फसल वाड़ी स्थित ज्योतिर्वास्तु विद्यापीठ में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और मुफ्त हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। हेल्थ कैंप में दांत, आंख और ईसीजी जैसी विभिन्न जांचें आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ टीजीआईआईसी की चेयरपर्सन निर्मला जग्गारेड्डी और महेश्वर शर्मा सिद्धांती ने किया।

इस मौके पर निर्मला जग्गारेड्डी ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से कई जीवन बचाए जा सकते हैं और यह सभी दानों में सबसे मूल्यवान और महत्वपूर्ण दान है। उन्होंने सभी से रक्तदान में भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रतिनिधि, प्रमुख चिकित्सक डॉ. श्रीधर, संगारेड्डी सरकारी अस्पताल के चिकित्सक एवं स्टाफ और विद्यापीठ के सेवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीजेपी दो साल में तेलंगाना में सत्ता में आएगी : रघुनंदन राव

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक लोकसभा सदस्य एम. रघुनंदन राव ने रविवार को भविष्यवाणी की कि दो साल बाद बीजेपी निश्चित रूप से तेलंगाना में सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि पलामुरु जिले के लोगों को न्याय तभी मिलेगा जब उनकी पार्टी सत्ता में आएगी। उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस पार्टी के नेताओं को सलाह दी कि विधानसभा में विषय पर चर्चा करें और व्यक्तिगत हमलों से बचें। सांसद रघुनंदन राव, एमएलसी अंजी रेड्डी और बीजेपी जिला अध्यक्ष गोदावरी ने रविवार को संगारेड्डी जिले के पठानचेरू में एक गेस्ट हाउस में प्रमुख बीजेपी क्षेत्रीय नेताओं की बैठक में भाग लिया। अवसर पर सांसद रघुनंदन राव ने सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों की आलोचना करते हुए कहा कि वे पलामुरु और कृष्णा नदी के जल विषय पर चर्चा करने के बजाय केवल एक-दूसरे को अपमानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में कोई गंभीर चर्चा नहीं होती और सिर्फ बीआरएस पार्टी कांग्रेस की आलोचना करती है, और कांग्रेस पार्टी बीआरएस की।

उन्होंने कहा कि न तो बीआरएस ने अपने दस साल के शासन में और न ही कांग्रेस ने अपने दो साल के शासन में पलामुरु जिले के लिए कुछ किया, जो पलायन के लिए जाना जाता है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि लोग उम्मीद कर रहे थे कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जो पलामुरु जिले के बेटे हैं, उनके लिए कुछ करेंगे, लेकिन वे निराश हुए। उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने अपने कार्यकाल में केवल नुकसान पहुंचाया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें x@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटःwww.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(http://ireps.gov.in द्वारा)

सं. बी/इ. सीएन (जीएस)/61/I/वायपी-एनबीआर वाया अमरावती दि.1-1-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु दो पैकेट टेंडरिंग प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 एनआयटी सं.निविदा सं.02-2025-2026-इ-जीएस-सीएन-बीजेडए, कार्य विवरणः बिजली निर्माण/बीजेडएः विजयवाडा डिवीजनः न्यू अमरावती लाइन के हिस्से के रुप में नाम्बूरु (एमबीआर) से एर्रुपालेम (वायपी) स्टेशनों के बीच न्यू बीजी लाईन के निर्माण कार्य सहित संबंधित नाम्बूरु व कोत्तापल्ली स्टेशनों के बीच स्थित विभिन्न स्थानों पर,मौजूदा पावर लाइन क्रासिंग्स 44 संख्यक का अस्थायी रुप से (33केवी के 05 संख्यक, 11केवी एचटी 19 संख्यक, एलटी 20 संख्यक, डीटीआर 3 संख्यक तथा समानांतर लाइन का परिवर्तन) के प्रति शिफ्टिंग/परिवर्तन या मोडिफिकेशंस कार्य। **विवरणः अनुमानित लागत** रु.3,00,45,436.24, **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु.3,00,200/-, **निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 (बारह) महिने, बंद करने की तिथिः 23-01-2026 के 15.00 बजे

1.बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लागिन करें। **2.बोली** सुरक्षा/पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को आईआरईपीएस के ई-पेमेंट गेटवे माध्यम से नकद रुप में जमा करना चाहिए या भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से, एफए एण्ड सीएओ/सी/एससी के पक्ष में आहरित बैंक गारण्टी बाण्ड रुप में प्रस्तुत करना चाहिए या निविदा दस्तावेजों में विवरित सूचनानुसार प्रस्तुत करना चाहिए। यह गारंटी बाण्ड अनुलग्नक-VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बांड बोली वैधता अवधि से परे, 120 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। **3. निविदाकारों** को अपने आफर्स, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान अर्थात् निविदा बंद करने की तिथि से पहले पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए। **4. निविदाकार,** किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन में जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(http://ireps.gov.in द्वारा)

सं. बी/इ. सीएन (जीएस)/29/I/वायपी-एनबीआर वाया अमरावती दि.1-1-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु दो पैकेट टेंडरिंग प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 एनआयटी सं.निविदा सं.03-2025-2026-इ-जीएस-सीएन-बीजेडए, कार्य विवरणः बिजली निर्माण/बीजेडएः **विजयवाडा डिवीजनः** न्यू अमरावती लाइन के हिस्से के रुप में नाम्बूरु (एमबीआर) से एर्रुपालेम (वायपी) स्टेशनों के बीच न्यू बीजी लाईन के निर्माण कार्य सहित संबंधित एर्रुपालेम व कोत्तापल्ली स्टेशनों के बीच स्थित विभिन्न स्थानों पर,मौजूदा पावर लाइन क्रासिंग्स 64 संख्यक का अस्थायी रुप से (33केवी के 02 संख्यक, 11केवी एचटी 38 संख्यक, एलटी 24 संख्यक, डीटीआर 02 संख्यक तथा समानांतर लाइन का परिवर्तन) के प्रति शिफ्टिंग/परिवर्तन या मोडिफिकेशंस कार्य। **विवरणः अनुमानित लागत** रु.4,20,06,321.68, **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु.3,60,000.00, **निविदा दस्तावेज मूल्य रु.** शून्य, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 (बारह) महिने, **बंद करने की तिथिः 23-01-2026 के 15.00 बजे**

1. **बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः** http://ireps.gov.in पर लागिन करें। 2.बोली सुरक्षा/पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को आईआरईपीएस के ई-पेमेंट गेटवे माध्यम से नकद रुप में जमा करना चाहिए या भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से, एफए एण्ड सीएओ/सी/एससी के पक्ष में आहरित बैंक गारण्टी बाण्ड रुप में प्रस्तुत करना चाहिए या निविदा दस्तावेजों में विवरित सूचनानुसार प्रस्तुत करना चाहिए। यह गारंटी बाण्ड अनुलग्नक-VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बांड बोली वैधता अवधि से परे, 120 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। 3. निविदाकारों को अपने आफर्स, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान अर्थात् निविदा बंद करने की तिथि से पहले पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए। 4. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन में जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(http://ireps.gov.in द्वारा)

सं. बी/इ. सीएन (जीएस)/29/I/एमआरके-टीएलयु स्टेशन बिल्डिंग्स दि.1-1-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु दो पैकेट टेंडरिंग प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 एनआयटी सं.निविदा सं.04-2025-2026-इ-जीएस-सीएन-बीजेडए, कार्य विवरणः बिजली निर्माण/बीजेडएः गुंटूर डिवीजन-गुंटूर-विद्युतीकरण परियोजना(401.47 किमी) सहित गुंटकल की डबलींग या दोहरीकरण कार्य एवं बिजली व्यवस्थाएं -आफिसर्स रेस्ट हाउस, सब-आर्डिनेट रेस्ट हाउस, एडीइएन आफिस एवम् मारकापुर पर हाय मास्ट्स सहित एसएसइ/पी.वे आफिस आदि के प्रस्तावित निर्माण के प्रति बिजली व्यवस्थाएं। विवरणः अनुमानित लागत रु.1,00,01,869.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,00,000.00, **निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः** 06 (छह) महिने, **बंद करने की तिथिः 23-01-2026 के 15.00 बजे।**

1. बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** http://ireps.gov.in पर लागिन करें। 2.बोली सुरक्षा/पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को आईआरईपीएस के ई-पेमेंट गेटवे माध्यम से नकद रुप में जमा करना चाहिए या भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से, एफए एण्ड सीएओ/सी/एससी के पक्ष में आहरित बैंक गारण्टी बाण्ड रुप में प्रस्तुत करना चाहिए। यह गारंटी बाण्ड अनुलग्नक-VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बांड बोली वैधता अवधि से परे, 120 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। 3.निविदाकारों को अपने आफर्स, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान अर्थात् निविदा बंद करने की तिथि से पहले पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए। 4. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन में जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

-मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.23-01-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः निविदा सूचना सं. व तिथिः एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई20-ओटी-25-26, दि.1-1-2026, **विजयवाडा डिवीजनः**-विजयवाडा डिवीजन में 31 ईआय स्टेशनों/गूमटी पर आरडीएसओ मेक सहित नान आरडीएसओ वर्शन फायर एण्ड स्मोक डिटेक्टर अलार्म सिस्टम का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट तथा 123 इआय स्टेशनों/गूमटी पर रिले रूम, इक्वीपमेंट रूम तथा बैटरी रूम्स में एस्पायरेशन टाइप ब्लू एलइडी आधारित एस्पायरेशन सिस्टम के प्रावधान सहित तत्संबंधित एस एण्ड टी कार्य। निविदा मूल्य रु.8,89,00,739.87, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.5,94,500.00 केवल आनलाइन के माध्यम से या बोली सुरक्षा, **सीटीबी रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः** 365 दिन

क्रम सं.1, कार्य विवरणः बंद करने की तिथि व समयः 23-01-2026 के 15.30 बजे

1. निविदा नियम शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, उपरोक्त कार्य से जुडा तत्समान स्वभाव का कार्य, अर्हता मानदंड आदि, **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है। 2. भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के तत्संबंधित कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से **पहले, वेबसाइटः**www.ireps.gov.in **देखें।**

हमारे वेबसाइटःwww.ireps.gov.in **का अवलोकन करें।**

-विभागीय रेल प्रबंधक (एस &टी)/ विजयवाडा

ए 2175

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in **अथवा** www.scr.indianrailways.gov.in **देखें।**

ब्रेल पाठ्यपुस्तकें अब इंटरमीडिएट और डिग्री स्तर तक उपलब्ध होंगी : अदलुरी

लुई ब्रेल की 217वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और विकलांग कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने चिंता व्यक्त की कि वर्तमान में ब्रेल पाठ्यपुस्तकें केवल कक्षा X तक ही उपलब्ध हैं, जिसके कारण कई दृष्टिबाधित छात्र अपनी पढ़ाई वहीं रोक देते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के साथ इस विषय पर चर्चा पहले ही हो चुकी है और ब्रेल पाठ्यपुस्तकें इंटरमीडिएट और डिग्री स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

इसके लिए जल्द ही सरकारी आदेश जारी किया जाएगा ताकि दृष्टिबाधित छात्रों के उच्च शिक्षा में अवरोध न आए। मंत्री ने दोहराया कि उनके प्रशासनिक क्षेत्र में विकलांग व्यक्तियों को होने वाली सभी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाएगा, और जिन मामलों में उनकी पहुंच नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री के स्तर पर उठाया जाएगा। मलकपेट में विकलांग कल्याण विभाग कार्यालय में लुई ब्रेल की 217वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने लुई ब्रेल की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किए। मंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए लुई ब्रेल को एक दूरदर्शी बताया, जिन्होंने न केवल दृष्टिबाधित व्यक्तियों बल्कि समाज को भी उजाला दिखाया। उन्होंने कहा कि ब्रेल ने अंधापन को एक सीमा नहीं बल्कि अवसर में बदल दिया और यह केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार और आंदोलन का प्रतीक है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में जनता की सरकार दो साल पूरी कर चुकी है, जबकि उन्होंने स्वयं कल्याण विभाग में छह महीने की सेवा पूरी की है।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा के तत्वावधान में आयोजित होने वाले सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन के लिए विचार-विमर्श करते हुए सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार जसवन्त देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, सचिव चेलाराम भायल, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़ व अन्य। सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 क्रिकेट प्रतियोगिता 24 टीमों के मध्य 15 फरवरी से 29 मार्च तक प्रत्येक रविवार सीरवी समाज क्रिकेट ग्राउंड अलियाबाद में खेला जाएगा।

टीपीसीसी ने हरीश राव के आरोपों का खंडन किया

महासचिव चनगानी दयाकर ने दिया जवाब

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हरीश राव ने रविवार को हैदराबाद में तेलंगाना भवन में सिंचाई परियोजनाओं पर पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ तीव्र आलोचना और आरोप लगाए। उन्होंने गुस्से में कहा कि जब तेलंगाना को आंध्र प्रदेश राज्य में मिलाया गया, तब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उन परियोजनाओं को रद्द कर दिया, जो क्षेत्र के लिए फायदेमंद होतीं। हालांकि, टीपीसीसी के महासचिव चनगानी दयाकर ने इन टिप्पणियों का जवाब दिया। रविवार को गांधी भवन में बोलते हुए दयाकर ने हरीश राव को नलगोंडा और पलामुरु जिलों के किसानों का गद्दार कहा।

उन्होंने हरीश राव की आलोचना करते हुए कहा कि वह जनता का सामना न कर पाने के कारण विधानसभा से भाग गए। उन्होंने सवाल किया कि हरीश राव, जो दस साल सत्ता में रहे, उन्होंने पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना क्यों पूरी नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और पूर्व मंत्री हरीश राव ने परियोजनाओं के नाम पर अपनी जेब भरी। उन्होंने पूछा कि उन्होंने नलगोंडा और पलामुरु जिलों के लिए वही प्रेम क्यों नहीं दिखाया जैसा उन्होंने कालेश्वरम परियोजना के लिए दिखाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी के दस साल के शासन में नलगोंडा और पलामुरु जिलों को विभाजित राज्य की तुलना में अधिक अन्याय झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्होंने आंध्र नेताओं के घरों में मछली करी खाते हुए तेलंगाना की आत्म-सम्मान की जमानत गिरवी रख दी।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने भाजपा राज्य कार्यालय, नामपल्ली पर लुई ब्रेल जयंती के अवसर पर उनको पुष्पांजलि अर्पित की।

सावित्री बाई फुले को याद किया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काछी कुशवाहा समाज हैदराबाद के एचपी रोड स्थित कार्यालय में सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। उपस्थित जन समुदाय ने माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर सावित्रीबाई फुले को याद किया। इस अवसर पर काछी कुशवाहा समाज हैदराबाद के अध्यक्ष गेनालाल कुशवाहा, डॉ. राजन कुमार, बी मोहन सिंह, सत्येंद्र सिंह कुशवाहा, धनंजय सिंह कुशवाहा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे।

गेनालाल कुशवाहा ने सावित्रीबाई फुले के जीवन से शिक्षा लेने का संदेश दिया। बी मोहन सिंह ने सावित्रीबाई फुले को याद करते हुए बताया कि वे अपने निर्देशन में चल रहे विद्यालय में अगले वर्ष से सावित्रीबाई फुले जी की जयंती का आयोजन करेंगे। डॉ. राजन कुमार ने सावित्रीबाई फुले के जीवन परिचय पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. कुमार ने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने किन विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए अपने पति ज्योतिबा फुले जी की प्रेरणा से अपने जीवन में शिक्षा की ज्योति जलाई। और इस ज्योति को सीमित नहीं रखते हुए कुल अठारह स्कूल खोल डाले। जहां स्त्रियों और समाज के वंचित वर्ग के लोगों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। सावित्रीबाई फुले ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि बाल विवाह उन्मूलन, विधवा पुनर्विवाह, सती प्रथा उन्मूलन जैसे कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। सत्येंद्र सिंह कुशवाहा ने सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए एक गीत प्रस्तुत किया। जिसमें शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया था। कार्यक्रम के अंत में शिक्षा और ज्ञान के प्रतीक के रूप में उपस्थित जन समुदाय और बच्चों के बीच कलम का वितरण किया गया।

तेलंगाना में चिकन के दाम आसमान छूने लगे

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नानबेज प्रेमियों और आम उपभोक्ताओं के लिए अचानक बढ़े चिकन के दाम एक झटका साबित हो रहे हैं। सर्दियों के मौसम और बढ़ी हुई मांग के कारण हैदराबाद के बाजार में बिना हड्डी वाले चिकन का दाम 310 प्रति किलो तक पहुंच गया है। व्यापारियों का कहना है कि यह इस मौसम में सबसे ऊंचा रिकॉर्ड किया गया दाम है।

समझा जा रहा है कि कीमतों में इतनी बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि नए साल की छुट्टियां खत्म हो चुकी हैं और संक्रांति का त्यौहार आने वाला है, लेकिन मांग कम नहीं हुई और उत्पादन लागत भी बढ़ गई। हालांकि हैदराबाद में दाम अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं, अन्य क्षेत्रों में पिछले सप्ताह की तुलना में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। विभिन्न शहरों में बिना हड्डी वाले चिकन की कीमतें हैदराबाद में 280 से 310 रुपये, विजयवाड़ा में 290, गुंटूर/वारंगल में 300 तक पहुंच गई है।

पीएसएआरए लाइसेंस के बिना सुरक्षा एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई का आदेश

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पीएसएआरए नियंत्रण अधिकारी ने राज्य की प्राइवेट सुरक्षा एजेंसियों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। सिद्दिपेट कमिश्नरेट क्षेत्र के गजवेल पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या मामले में रंजीत पांडे उर्फ रंजीत राय और रितेश कुमार राय उर्फ रितेश राय नामक दो सुरक्षा गार्ड आरोपी हैं। जांच में पता चला कि ये दोनों संपदा इंडस्ट्रियल सुरक्षा एजेंसी, कुतुबुल्लापुर, मेडचल-मल्काजगिरी में कार्यरत थे, लेकिन एजेंसी के पास वैध पीएसएआरए लाइसेंस नहीं था। इसके चलते एजेंसी के मालिक के खिलाफ एफआईआर नंबर 1994/2025, सेक्शन 223 बीएनएस और पीएसएआरए अधिनियम-2005 की सेक्शन 20-22 के तहत मामला दर्ज किया गया।

मिथिला सामाजिक मंच की नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला सामाजिक मंच के नये प्रशासी निकाय के गठन एवं विगत विद्यापति स्मृति पर्व समारोह की समीक्षा आदि कार्यसूची के साथ मंच की आमसभा आयोजित की गई।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, धीरेंद्र कुमार झा 'धीरु' के अनुसार आम सभा का सभापतित्व मंच के संरक्षक अजित ठाकुर ने किया एवं उनके साथ सभा में उपस्थित पुर्व अध्यक्ष शंभुनाथ झा, वर्तमान अध्यक्ष राम विनोद झा एवं महासचिव रंजन झा भी मंच पर मौजूद थे। रंजन झा के आह्वान पर मैथिल समाज के अमरेन्द्र कुमार झा, तारा कांत झा, डॉ सोमनाथ, प्रवीन्द्र झा एवं डॉ अहिल्या मिश्र आदि के निधन पर दु:ख प्रकट करते हुए दो मिनट मौन रखा गया। अध्यक्ष राम विनोद झा के ने सर्वसम्मति से मौखिक रूप से वर्तमान प्रशासी निकाय एवं कार्यकारिणी को भंग करने की सिफारिश की। रंक्षक एवं सलाहकार की टीम ने अध्यक्ष हेतु धीरेंद्र कुमार झा 'धीरु' का नाम प्रस्तावित किया तथा राम विनोद झा को संयोजक रूप में मनोनीत किया गया। इसके साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष पद के लिए अखिलेश कुमार मिश्र, कोषाध्यक्ष के लिए केशव मोहन झा एवं महासचिव पद के लिए रंजन झा नामित किया गया। राहुल कुमार झा, मुरारी चौधरी, धर्मेंद्र कुमार झा, आदित्य झा, आदित्य कुमार झा, जीवेश झा, हृदय नारायण झा, सतीश कुमार झा, पंकज कुमार झा एवं अनिल कुमार झा के साथ-साथ साधना झा, संध्या दास, दुर्गा झा, सरस्वती झा, बेबी देबी, गुड़िया देवी, भवानी पाठक, कल्याणी झा, अमिता मिश्र, शबनम झा चांदनी झा आदि के नामों के साथ उन्होनें आश्वस्त किया कि शेष कार्य कारिणी समिति का गठन एक महीने के अंदर कर लिया जाएगा।

आंध्र प्रदेश में पूर्व सैनिक ने आत्महत्या की

विशाखापट्टनम, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने रविवार को बताया कि एक 64 साल के पूर्व सैनिक ने चलती ट्रेन के आगे रेलवे ट्रैक पर लेटकर आत्महत्या कर ली। रेलवे पुलिस ने मृतक की पहचान एन वेंकट रमना के रूप में की है, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में शामिल होने से पहले सेना में काम किया था और बाद में यहां गाजुवाका में एक सुपरमार्केट चलाया। अधिकारी ने बताया, रमना ने शनिवार को वाल्टेयर डिवीजन के तहत दुव्वाडा रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर लेटकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि रमना प्लेटफॉर्म पर खड़े थे, जैसे ही बेंगलूरू जाने वाली ट्रेन पास आई, तो वह ट्रैक पर लेट गए। ट्रेन उनके ऊपर से गुजर गई, जिससे उनकी मौत हो गई।

जनसेवा संघ की मदद से लाश यूपी भेजी गई

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लालजी यादव उम्र 43 मोहम्मदपुर बदरिया, आजमगढ़, संजरपुर, उत्तर प्रदेश के निवासी ने गत दिनों सांगारेडी जिला में पेड से लटक कर फांसी लगा ली। इसकी जानकारी मिलते ही जन सेवा संघ के वरिष्ठ सदस्य वी डी चौबे, अमित चौबे और योगेश पांडेय ने उनके पार्थिव शरीर को उनके गांव संजरपुर, उत्तर प्रदेश में उनके परिजनों को भिजवाने के लिए व्यवस्था कराई। संघ पदाधिकारियों के इस मानवतावादी मदद के लिए पीड़ित परिजनों ने संस्था के पदाधिकारीयों को बहुत-बहुत धन्यवाद किया और आभार प्रकट किया है।

सालाना परीक्षाओं में अच्छे नतीजे लाने की दिशा में कदम उठाएं : दीपक तिवारी

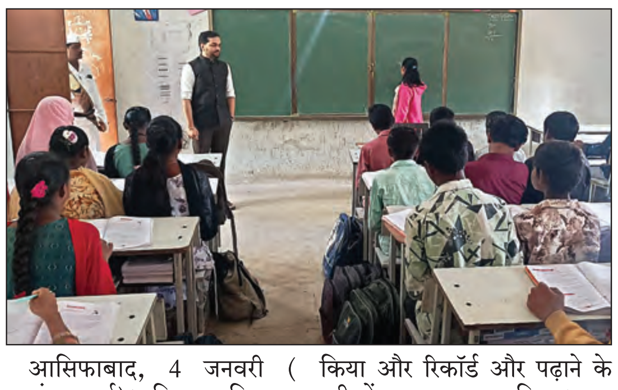

आसिफाबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एडिशनल कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी ने कहा कि 10वीं क्लास की सालाना परीक्षाओं में सबसे अच्छे नतीजे लाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। रविवार को उन्होंने डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर के जनकपुर ज़िला परिषद हाई स्कूल का दौरा किया और रिकॉर्ड और पढ़ाने के तरीकों का मुआयना किया। इस मौके पर एडिशनल कलेक्टर ने कहा कि 10वीं क्लास की सालाना परीक्षाओं में सबसे अच्छे नतीजे लाकर ज़िले को राज्य में सबसे आगे रखना है।

उन्होंने कहा कि सरकार सभी सरकारी स्कूलों में बेसिक सुविधाएं देगी, मेन्यू के हिसाब से पौष्टिक खाना और पीने का साफ़ पानी देगी और स्टूडेंट्स की सेहत का खास ध्यान रखेगी।

उन्होंने कहा कि एक्सपर्ट टीचरों द्वारा स्टूडेंट्स को सालाना परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा, और इस प्रोसेस में स्पेशल क्लास लगाई जाएंगी और पिछड़े स्टूडेंट्स को समझने लायक तरीके से पढ़ाया जाएगा। टीचर्स को इस बात पर खास ध्यान देना चाहिए कि स्टूडेंट्स हर दिन स्कूल आएं, इसके लिए टीचर्स और स्टूडेंट्स के अटेंडेंस रिकॉर्ड चेक करने चाहिए और टीचर्स को अपनी ड्यूटी के लिए ज़िम्मेदार होना चाहिए। बाद में, स्टूडेंट्स ने खुद सब्जेक्ट पढ़ाए और अपनी सीखने की क्षमता को टेस्ट किया। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों और दूसरे लोगों ने हिस्सा लिया।

मदनूर मंडल में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका

मदनूर, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल में ग्राम पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद कांग्रेस व भाजपा के कार्यकर्ता व नेताओं ने दल बदलने का निर्णय लिया है। मदनूर मंडल हंडे केलूर गांव के कांग्रेस पार्टी नेता पंढरी ने आपने समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी को छोड़कर जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व विधायक हणमंत शिंदे के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्र समिति पार्टी में शामिल हो गए। स्थानिक जनता का कहना है कि ग्राम पंचायत चुनाव में केलूर गांव के कांग्रेस पार्टी समर्थक उम्मीदवार के रूप में पंढरी का नाम सूचित किया गया था लेकिन वर्तमान विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव ने पंढरी के नाम को नजरंदाज कर दूसरे समर्थक को टिकट दे दिया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टी-20 वर्ल्डकप, बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में हो सकते हैं

आईसीसी को चिट्ठी लिख सकता है बीसीबी; भारत से मुस्तफिजुर विवाद के बाद फैसला

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत में होने वाले अपने मैचों को श्रीलंका में कराने की मांग कर सकता है। इसके लिए बोर्ड इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को लेटर लिखने की तैयारी में है। यह फैसला बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को IPL 2026 से बाहर किए जाने के बाद लिया गया है।

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाना है। बांग्लादेश को ग्रुप स्टेज के अपने सभी चार मुकाबले भारत में ही खेलने हैं। तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर और एक मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में है।

सुरक्षा का मुद्दा उठाएगा बोर्ड

बीसीबी ने एक आपात बैठक में फैसला किया कि वह आईसीसी को लेटर लिखकर अपनी चिंताएं बताएगा। बोर्ड के मीडिया कमेटी के अध्यक्ष अमजाद हुसैन ने कहा कि बांग्लादेश के तीन मैच कोलकाता में होने हैं, इसलिए यह मामला आईसीसी के सामने रखना जरूरी है। वहीं, स्पोर्ट्स एडवाइजर आसिफ नजरुल ने फेसबुक पर लिखा कि वे आईसीसी से मांग करेंगे कि बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में कराए जाएं, क्योंकि जब एक बांग्लादेशी खिलाड़ी भारत में नहीं खेल पा रहा है, तो पूरी टीम की सुरक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि उन्होंने बांग्लादेश के सूचना और प्रसारण मंत्रालय से आईपीएल के प्रसारण को भी रोकने का आग्रह किया है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

ग्रुप स्टेज का शेड्यूल

तारीख	समय	मैच	वेन्यू
7 फरवरी	11:00 AM	PAK vs NED	एसएससी, कोलंबो
7 फरवरी	3:00 PM	WI vs BAN	कोलकाता
7 फरवरी	7:00 PM	IND vs USA	मुंबई
8 फरवरी	11:00 AM	NZ vs AFG	चेन्नई
8 फरवरी	3:00 PM	ENG vs NEP	मुंबई
8 फरवरी	7:00 PM	SL vs IRE	प्रेमदासा, कोलंबो
9 फरवरी	11:00 AM	BAN vs ITA	कोलकाता
9 फरवरी	3:00 PM	ZIM vs OMA	एसएससी, कोलंबो
9 फरवरी	7:00 PM	SA vs CAN	अहमदाबाद
10 फरवरी	11:00 AM	NED vs NAM	दिल्ली
10 फरवरी	3:00 PM	NZ vs UAE	चेन्नई
10 फरवरी	7:00 PM	PAK vs USA	एसएससी, कोलंबो
11 फरवरी	11:00 AM	SA vs AFG	अहमदाबाद
11 फरवरी	3:00 PM	AUS vs IRE	प्रेमदासा, कोलंबो
11 फरवरी	7:00 PM	ENG vs WI	मुंबई
12 फरवरी	11:00 AM	SL vs OMA	कैंडी
12 फरवरी	3:00 PM	NEP vs ITA	मुंबई
12 फरवरी	7:00 PM	IND vs NAM	दिल्ली
13 फरवरी	11:00 AM	AUS vs ZIM	प्रेमदासा, कोलंबो
13 फरवरी	3:00 PM	CAN vs UAE	दिल्ली
13 फरवरी	7:00 PM	USA vs NED	चेन्नई
14 फरवरी	11:00 AM	IRE vs OMA	एसएससी, कोलंबो
14 फरवरी	3:00 PM	ENG vs BAN	कोलकाता
14 फरवरी	7:00 PM	NZ vs SA	अहमदाबाद
15 फरवरी	11:00 AM	WI vs NEP	मुंबई
15 फरवरी	3:00 PM	USA vs NAM	चेन्नई
15 फरवरी	7:00 PM	IND vs PAK	प्रेमदासा, कोलंबो
16 फरवरी	11:00 AM	AFG vs UAE	दिल्ली
16 फरवरी	3:00 PM	ENG vs ITA	कोलकाता
16 फरवरी	7:00 PM	AUS vs SL	कैंडी
17 फरवरी	11:00 AM	NZ vs CAN	चेन्नई
17 फरवरी	3:00 PM	IRE vs ZIM	कैंडी
17 फरवरी	7:00 PM	BAN vs NEP	मुंबई
18 फरवरी	11:00 AM	SA vs UAE	दिल्ली
18 फरवरी	3:00 PM	PAK vs NAM	एसएससी, कोलंबो
18 फरवरी	7:00 PM	IND vs NED	अहमदाबाद
19 फरवरी	11:00 AM	WI vs ITA	कोलकाता
19 फरवरी	3:00 PM	SL vs ZIM	प्रेमदासा, कोलंबो
19 फरवरी	7:00 PM	AFG vs CAN	चेन्नई
20 फरवरी	7:00 PM	AUS vs OMA	कैंडी

बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर केकेआर से बाहर

इससे पहले, 3 जनवरी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद बीसीसीआई ने शाहरुख खान की आईपीएल टीम केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था, हाल के दिनों में जो घटनाक्रम सामने आए हैं, उन्हें देखते हुए बोर्ड ने केकेआर को मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश दिया है। अगर फ्रेंचाइजी किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की मांग करती है, तो उसे इसकी अनुमति दी जाएगी।

बांग्लादेश में वहां पिछले 15 दिन में 4 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी। जबकि लीग का फाइनल मैच 31 मई को खेला जाएगा।

बांग्लादेश का ग्रुप मुश्किल

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज में कुल 20 टीमें शामिल हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया। हर टीम अपने ग्रुप में 4 लीग मुकाबले खेलेगी। लीग स्टेज के बाद हर ग्रुप से 2-2 टॉप टीमों को सुपर-8 स्टेज में एंट्री मिलेगी।

ग्रुप-सी की बांग्लादेश और ग्रुप-डी की अफगानिस्तान का ग्रुप सबसे मुश्किल नजर आ रहा है, क्योंकि इनमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। चारों टीमों को फाइनल खेलने का अनुभव है, वहीं बांग्लादेश और अफगानिस्तान कभी किसी वर्ल्ड कप के फाइनल में नहीं पहुंच सकीं।

20 फरवरी तक चलेगा ग्रुप स्टेज

ग्रुप स्टेज में 7 फरवरी से 19 फरवरी तक हर दिन 3 मैच खेले जाएंगे। 20 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और ओमान के बीच एक ही मैच होगा। पहले राउंड में 40 मैच होने हैं। 21 फरवरी से सुपर-8 राउंड शुरू हो जाएगा, जिसमें 12 मुकाबले होंगे। यहां 22 फरवरी, 26 फरवरी और 1 मार्च को 2-2 मैच होंगे। वहीं बाकी दिन 1 ही मैच होगा। मुकाबले शुरू होने की टाइमिंग सुबह 11.00, दोपहर 3.00 और शाम 7 बजे रहेगी।

भारत का बांग्लादेश दौरा रद्द हो सकता है

राजनीतिक तनाव बढ़ा, सितंबर में होने वाली सीरीज पर बीसीसीआई की सहमति नहीं

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत का बांग्लादेश दौरा रद्द हो सकता है। दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ रहे राजनीतिक तनाव की वजह से सीरीज ठंडे बस्ते में जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक बीसीसीआई इस बार भी अपनी टीम को बांग्लादेश भेजने के मूड में नहीं है।

एक दिन पहले शुक्रवार को बांग्लादेश बोर्ड ने सितंबर में 6 मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज की घोषणा की थी। बीसीबी का कहना था कि तारीखें तय करने से पहले बीसीसीआई से बात की गई है। प्रस्तावित शेड्यूल के अनुसार भारतीय टीम 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। फिर 1, 3 व 6 सितंबर को तीन वनडे खेलती। इसके बाद 9, 12 और 13 सितंबर को तीन टी20 मैच रखे गए हैं।

बीसीसीआई के मना करने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अर्जेंट मीटिंग बुलाई हैं, जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। इससे पहले भी भारत ने दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के चलते अपना बांग्लादेश दौरा रद्द कर दिया था। यही नहीं, बीसीसीआई के प्रतिनिधियों ने ढाका में होने वाली एशियन क्रिकेट काउंसिल की बैठकों में जाने से भी इनकार किया था।

भारतीय बोर्ड की तरफ से अभी तक इस दौरे पर सहमति के संकेत नहीं मिले हैं। माना जा रहा है कि बांग्लादेश में पिछले छह महीनों से जारी राजनीतिक हिंसा और अस्थिरता बीसीसीआई की सबसे बड़ी चिंता है। इससे पहले पिछले साल भी सुरक्षा कारणों से यह सीरीज अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई थी।

बीसीसीआई की सख्ती का संकेत आईपीएल से भी मिला। बोर्ड के निर्देश पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया। अगले महीने बांग्लादेश को भारत में टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में बांग्लादेश बोर्ड का रुख अहम माना जा रहा है।

अगर हालात और बिगड़े तो भारत-पाकिस्तान जैसी स्थिति बनना भी पूरी तरह नामुमकिन नहीं माना जा रहा। भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते खराब होने के बाद दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट में, वह भी न्यूट्रल वेन्यू पर खेलती हैं। इसी कड़ी में टी20 वर्ल्ड कप का भारत-पाकिस्तान मुकाबला अगले महीने श्रीलंका में होना है।

भारत ने साउथ अफ्रीका को 25 रन से हराया: हरवंश और अम्ब्रिश की फिफ्टी; सूर्यवंशी यूथ वनडे के सबसे युवा कप्तान बने

बेनोनी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने यूथ वनडे सीरीज के पहले मैच में साउथ अफ्रीका को 25 रन से हराया। बेनोनी के विलोमूर पार्क स्टेडियम में बारिश से प्रभावित इस मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 301 रन बनाए। 302 रन का टारगेट चेज कर रही साउथ अफ्रीकी टीम ने 27.4 ओवर में 4 विकेट पर 148 रन ही बनाए थे। तभी गरज-लपक के बाद बारिश शुरू हो गई। ऐसे में खेल पूरा नहीं हो सका और भारतीय टीम को डकवर्थ लुईस मैथड़ के तहत विजेता घोषित कर दिया गया।

इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस सीरीज का दूसरा मैच 5 जनवरी और तीसरा मैच 7 जनवरी को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

वैभव यंगेस्ट कैप्टन बने

वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के कप्तान बन गए हैं। वैभव की उम्र सिर्फ 14 साल 282 दिन के है। उन्होंने 16 साल से पहले किसी भी फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय अंडर-19 मैच में टीम की कमान संभालने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के अहमद शहजाद के नाम था। अहमद ने साल 2007 में 15 साल 141 दिन की उम्र में पाकिस्तान अंडर-19 टीम की कप्तानी की थी। वैभव ने इस 19 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

भारत की बात करें तो यूथ वनडे में सबसे कम उम्र में कप्तानी करने का पिछला रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम था। उन्होंने 2016 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 16 साल 105 दिन की उम्र में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी।

भारत की पारी में हरवंश पंगालिया ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 95 गेंदों पर 93 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा, आरएस अंब्रिश ने 79 गेंदों पर 65 रन की अहम पारी खेली। कनिष्क चौहान ने 23 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि खिलान पटेल ने तेज 26 रन जोड़े। भारत की टीम पूरे 50 ओवर में 301 रन पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका के जेजे बैसन ने 4 विकेट झटके। माजोला, सोनी और मबाथा को एक-एक विकेट मिले।

बीबीएल 26: आधी टीम ने कर दिया सरेंडर

फिर प्रीति जिंटा के खिलाड़ी ने 9 गेंदों में पलटी बाज़ी, दिलाई जीत

गाबा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बिग बैश लीग के 20वें मुकाबले में ब्रिसबेन हीट ने मेलबर्न स्टार्स को 4 विकेट से हरा दिया. गाबा में खेले गए इस मुकाबले में मेलबर्न की टीम 20 ओवर में 195 रन बनाए, जवाब में ब्रिसबेन ने 2 गेंद पहले लक्ष्य हासिल किया. दिलचस्प बात ये है कि एक वक्त ऐसा था जब ब्रिसबेन की टीम एकतरफा हार की ओर बढ़ रही लेकिन इसके बाद 8वें नंबर पर उतरे जेवियर बार्टलेट ने अपनी ताबड़तोड़ बैटिंग से मैच पलट दिया. उन्होंने मैक्स ब्रायंट के साथ मिलकर महज 25 गेंदों में मेलबर्न स्टार्स के होश उड़ा दिए.

बार्टलेट-ब्रायंस का कमाल

196 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही ब्रिसबेन हीट की टीम ने 16वें ओवर तक 133 ओवर में 6 विकेट गंवा दिए थे. मेलबर्न की जीत तय नजर आ रही थी लेकिन फिर इसके बाद हुआ एक चमत्कार. 8वें नंबर पर बैटिंग के लिए उतरे जेवियर बार्टलेट ने मैक्स ब्रायंट के साथ मिलकर सिर्फ 25 गेंदों में 66 रन बना डाले.

आखिरी 4 ओवर में चाहिए थे 60 रन

ब्रिसबेन की टीम 16 ओवर में 6 विकेट गंवा चुकी थी और उसे आखिरी 4 ओवर में 60 रनों की दरकार थी. 17वें ओवर में ब्रायंट ने स्वेप्सन के ओवर में छक्का और चौका लगाकर मैच पलटना शुरू कर दिया. इस ओवर में कुल 16 रन आए. 18वें ओवर में पीटर सिडल आए, जिनके ओवर में कुल 17 रन बने. ब्रायंट ने उनकी आखिरी तीन गेंदों पर 15 रन बटोरे. 19वें ओवर में फिर 17 रन बने, इस बार ब्रायंट और बार्टलेट ने उनके ओवर में चौका और छक्का लगाया. आखिरी ओवर में ब्रिसबेन को 10 रन चाहिए थे और ब्रायंट ने उनकी तीसरी और चौथी गेंद पर छक्का-चौका लगाकर ब्रिसबेन को मैच जिता दिया.

मैक्स ब्रायंट को 26 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया, वहीं जेवियर बार्टलेट ने 9 गेंदों में नाबाद 21 रन बनाकर मैच जिताया. बता दें बार्टलेट आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाड़ी हैं. प्रीति जिंटा ने उन्हें 80 लाख रुपये में रिटेन किया है.

एशेज-सिडनी टेस्ट के पहले दिन 45 ओवर का ही खेल

स्टंप्स तक इंग्लैंड 211/3; रूट-ब्रुक के बीच नाबाद शतकीय साझेदारी

सिडनी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज 2025-26 का पांचवां यानी अंतिम टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। पहले दिन बारिश और खराब रोशनी के कारण सिर्फ 45 ओवर का खेल हो सका।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। टीम ने पहले दिन स्टंप्स तक 3 विकेट के नुकसान पर 211 रन बना लिए हैं। जो रूट (72) और हैरी ब्रूक (78) नाबाद लौटे। दोनों के बीच नाबाद 154 रन की साझेदारी हो चुकी है। दूसरे दिन का खेल सोमवार को सुबह भारतीय समयनुसार 4:30 बजे से शुरू होगा।

रूट और ब्रूक के अर्धशतक

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था, जोकि सही भी साबित हो रहा है। इंग्लैंड के शुरुआती 3 विकेट जल्दी गिर गए थे। 57 रन के स्कोर पर इंग्लैंड के 3 विकेट गिर गए थे। इसके बाद जो रूट और हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। पहले दिन इंग्लैंड का स्कोर 211 रन रहा। रूट और ब्रूक दोनों अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे।

इससे पहले, बेन डकेट 27, जैक क्रॉली 16 और जैकब बेथेल 10 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क, माइकल नेसर और स्कॉट बोलैंड को 1-1 विकेट मिला।

सिडनी टेस्ट के लिए दोनों टीमों की प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलियाः ट्रेविस हेड, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, ब्यू वेबस्टर, माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड।

इंग्लैंडः जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, ब्रायडन कार्स, मैथ्यू पॉट्स, जोश टंग।

विजय हजारे ट्रॉफी में सैमसन के शतक से केरल जीता

हार्दिक की सेंचुरी, पंत की फिफ्टी; पडिक्कल का 5 मैच में चौथा शतक

अहमदाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। विजय हजारे ट्रॉफी में केरल ने संजू सैमसन के शतक की बदौलत झारखंड को 8 विकेट से हरा दिया। संजू ने 95 गेंदों में 101 रन की पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्होंने कप्तान रोहन कुन्नुमल के साथ पहले विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी की। रोहन ने 78 गेंदों पर 124 रन बनाए। दूसरी ओर, दिल्ली ने कप्तान ऋषभ पंत और प्रियांश आर्या की फिफ्टी की मदद से सर्विसेज को 8 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में अर्शदीप सिंह ने 5 विकेट लेकर पंजाब को 10 विकेट से जीत दिलाई।

राजकोट में बड़ौदा के लिए हार्दिक पंड्या ने शतक लगाते हुए विदर्भ के सामने 294 रन का लक्ष्य रखा, जवाब में विदर्भ ने एक विकेट खोकर 41.4 ओवर में जीत हासिल कर ली। वहीं अहमदाबाद में कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल का शानदार फॉर्म जारी रहा और उन्होंने पांच मैचों में अपना चौथा शतक जड़ा।

वनडे सीरीज में क्या होगी भारत की प्लेइंग-11: टॉप ऑर्डर तय, श्रेयस की फिटनेस ने नंबर-4 की समस्या बढ़ाई

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड से वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। कप्तान शुभमन गिल के साथ उप कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी टीम में वापसी कर ली। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी स्क्वॉड में मौका दिया गया। श्रेयस को अब तक फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिला है, ऐसे में उनका प्लेइंग-11 में शामिल होना भी मुश्किल ही है।

बैटिंग का टॉप ऑर्डर तय

कप्तान शुभमन गिल की वापसी से भारत का टॉप ऑर्डर एक बार फिर फिक्स हो चुका है। गिल पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करते नजर आएंगे। वहीं वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विराट कोहली नंबर-3 पर बैटिंग करेंगे। कोहली ने वनडे की पिछली 4 पारियों में हर बार 50 प्लस रन बनाए हैं। इनमें 2 शतक भी शामिल हैं।

संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं विराट

विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट के दूसरे टॉप स्कोरर बनने के करीब हैं। उनके नाम 556 मुकाबलों में 27,975 रन हैं। 25 रन बनाते ही वे 28 हजार रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं 42 रन बनाते ही वे दूसरे टॉप स्कोरर श्रीलंका के कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ देंगे।

विराट सीरीज में 443 रन बनाकर वनडे में अपने 15 हजार रन भी पूरे कर सकते हैं। वे ऐसा करने वाले दूसरे ही खिलाड़ी बनेंगे। सचिन तेंदुलकर इस फॉर्मेट में 49 शतक लगाकर 18426 रन बना चुके हैं। विराट सीरीज में 3 और सेंचुरी लगाते ही लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बन जाएंगे। यहां भी सचिन 60 सेंचुरी के साथ टॉप पर हैं। विराट के नाम 58 शतक हैं।

श्रेयस की फिटनेस पर नंबर-4 पोजिशन निर्भर

उप कप्तान श्रेयस अय्यर को टीम में तो शामिल कर लिया गया है, लेकिन उनका प्लेइंग-11 में खेलना फिटनेस पर निर्भर करता है। अगर वे फिट हो गए तो सभी मुकाबले खेलेंगे, लेकिन अनफिट रहे तो उनकी जगह विकेटकीपर ऋषभ पंत भी नंबर-4 पोजिशन पर बैटिंग कर सकते हैं। उनके नाम 31 वनडे में 1 शतक और 5 फिफ्टी हैं। वहीं श्रेयस 3000 वनडे रन से 83 रन ही दूर हैं।

फिनिशर्स की पोजिशन मजबूत नहीं

विकेटकीपर केएल राहुल 5 या 6 नंबर की पोजिशन संभालते नजर आएंगे। फिनिश करने के लिए उन्हें वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा का साथ मिलेगा। जडेजा और सुंदर दोनों ही इस पोजिशन पर ज्यादा मजबूत नहीं हैं, दोनों मिडिल ओवर्स में तो बैटिंग कर लेते हैं, लेकिन बड़े-बड़े शॉट्स खेलने में कमजोर हैं।

ऑलराउंडर्स की जगह भी तय नहीं

टीम में पेस बॉलिंग ऑलराउंडर के रूप में नीतीश रेड्डी शामिल हैं। सुंदर या जडेजा में से किसी एक को बैठाकर नीतीश को भी प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। वे लोअर ऑर्डर में बड़े-बड़े शॉट्स खेलने के साथ मीडियम पेस बॉलिंग भी कर लेते हैं।

कुलदीप होंगे इकलौते स्पेशलिस्ट स्पिनर

जडेजा और सुंदर के अलावा स्क्वॉड में स्पिनर कुलदीप यादव भी मौजूद हैं। कुलदीप तीनों मैच खेलते नजर आएंगे और वे ही टीम के इकलौते स्पेशलिस्ट स्पिनर हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछली सीरीज में कुलदीप ने 3 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे। वे अपनी लेफ्ट आर्म लेग स्पिन से कीवी बल्लेबाजों की परेशानियां बढ़ा सकते हैं।

प्रसिद्ध या सिराज में कोई एक ही खेलेगा

3 तेज गेंदबाज प्लेइंग-11 का हिस्सा रह सकते हैं। टीम में अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ मोहम्मद सिराज भी मौजूद हैं। सिराज ने पिछली सीरीज नहीं खेली थीं, लेकिन वे प्लेइंग-11 का हिस्सा बन सकते हैं। उन्हें प्रसिद्ध की जगह खिलाया जा सकता है, जिन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खूब रन लुटाए थे। सिराज वनडे के नंबर-1 गेंदबाज रह चुके हैं और नई गेंद से बेहतरीन स्विंग बॉलिंग करते हैं।

सिराज का साथ देने के लिए हर्षित और अर्शदीप भी प्लेइंग-11 में रहेंगे। दोनों टी-20 वर्ल्ड कप की टीम का हिस्सा भी हैं और वनडे के बाद टी-20 सीरीज भी खेलेंगे। हर्षित ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ नई गेंद से गेंदबाजी कर प्रभावित किया था। वहीं अर्शदीप ने पिछली सीरीज में 5 विकेट लिए थे।

11 से 18 जनवरी तक 3 वनडे खेलेगा भारत

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 वनडे की सीरीज 11 से 18 जनवरी तक खेली जाएगी। वडोदरा, राजकोट और इंदौर में तीनों मुकाबले खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान वनडे से पहले ही कर दिया था। 5 टी-20 मैच 21 से 31 जनवरी तक खेले जाएंगे।

वनडे सीरीज के लिए भारत की पॉसिबल-11

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, वॉशिंगटन सुंदर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह।

एक्स्ट्राः प्रसिद्ध कृष्णा, यशस्वी जायसवाल, नीतीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर)।

बीआरएस के विधानसभा बहिष्कार ने कांग्रेस को झूठ बोलने में मदद की : कविता

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष के. कविता ने आरोप लगाया कि चल रहे विधानसभा सत्र में गंभीर लोकतांत्रिक कमजोरियां देखी जा रही हैं, क्योंकि मुख्य विपक्ष की अनुपस्थिति के कारण सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार झूठे और भ्रामक बयान दे रही है। सूर्यपेट में रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए काविता ने कहा कि कांग्रेस ने कृष्णा नदी जल वितरण पर चर्चा आयोजित करने की घोषणा तो की थी, लेकिन सभी हितधारक राज्यों को शामिल करके कोई व्यापक बहस नहीं कराई गई। उन्होंने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार कर्नाटक के अलमटी बांध की ऊंचाई बढ़ाने के निर्णय पर चुप है, जिससे तेलंगाना लगभग 100 टीएमसी जल खो सकता है। कविता ने मांग की कि तेलंगाना विधानसभा तुरंत अलमती बांध की ऊंचाई वृद्धि और अपर भद्र परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा दिए जाने के खिलाफ प्रस्ताव पारित करे। उन्होंने सवाल उठाया कि पालमुरु-रंगारेड्डी और नारायणपेट-कोडंगल परियोजनाओं के लिए जल आवंटन क्यों घटाया गया, और किसने तेलंगाना के जल हिस्से में कमी को मंजूरी दी। उन्होंने स्पष्ट जवाब मांगे कि किस समझौते ने तेलंगाना का हिस्सा 3 प्रतिशत कम किया और जुराला से श्रीसैलम तक जल लेने के बिंदुओं को क्यों स्थानांतरित किया गया। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार और बीआरएस नेतृत्व पर राजनीतिक नाटक करने का आरोप लगाया और कहा कि विधानसभा बहिष्कार ने विपक्ष की जिम्मेदारी कमजोर कर दी कि वह झूठ को

चुनौती दे सके। उन्होंने पूछा कि क्या बहिष्कार का निर्णय पूर्व मंत्री हरीश राव ने व्यक्तिगत रूप से लिया या बीआरएस उच्च कमान ने, चेतावनी देते हुए कहा कि विधानसभा बहस को छोड़ देना एक गंभीर राजनीतिक गलती है। कविता ने सूर्यपेट जिले में भ्रष्टाचार, भूमिगत अतिक्रमण, अव्यवस्थित बुनियादी ढांचा, अवैध बालू खनन, अधूरी सिंचाई परियोजनाएं, पीने के पानी की कमी, कृष्णा नदी का प्रदूषण और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग जैसी गंभीर शिकायतों को भी उठाया। उन्होंने इन मुद्दों पर तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की। अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कविता ने कहा कि उनका किसी नेता के प्रति कोई व्यक्तिगत रंजिश नहीं है और उनका संघर्ष केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ है, जो लोगों के अधिकारों को छीनता है और लोकतंत्र को कमजोर करता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान कुछ गलतियां हुई हैं और नेताओं को जिम्मेदारी स्वीकार कर पिछली गलतियों को सुधारना चाहिए। काविता ने दोहराया कि उन्होंने नैतिक आधार पर अपना एमएलसी पद त्यागा और तेलंगाना जागृति के माध्यम से लोगों के मुद्दों को निर्भीक रूप से उठाती रहेंगी। कविता ने कहा कि वह जिलेवार दौरे जारी रखेंगी, सीधे लोगों से संवाद करेंगी और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलती रहेंगी, चाहे इसके राजनीतिक परिणाम कुछ भी हों। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना का भविष्य जवाबदेही, पारदर्शिता और जनता के हित पर आधारित होना चाहिए।

बंडलागुडा और चंद्रयानगुट्टा में दो लोगों ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात शहर के बांडलागुडा और चंद्रयानगुट्टा इलाकों में अलग-अलग मामलों में दो व्यक्तियों ने आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, बांडलागुडा थाना क्षेत्र के हाशमाबाद में रहने वाले ऑटो रिक्शा चालक मोहम्मद आरिफ (55) ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। बताया गया कि उन्होंने अपने घर के बाथरूम में रखा एसिड पी लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि आरिफ आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे थे और इसी कारण अवसाद में थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चंद्रयानगुट्टा के फूलबाग इलाके में एक अन्य घटना में निसार पाशा (45) ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार, निसार पिछले कुछ समय से आर्थिक और व्यक्तिगत समस्याओं के कारण तनाव और अवसाद में था। शनिवार को घर में अकेले होने पर उसने तौलिये की मदद से छत के पंखे से फांसी लगा ली। इस मामले में भी पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है।

तेलंगाना ने पोलावरम-नल्लमल्ल सागर परियोजना विस्तार रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर की

मुख्यमंत्री और जल विभाग मंत्री सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील से मिलें

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने आंध्र प्रदेश द्वारा गोदावरी नदी पर चलाए जा रहे पोलावरम-नल्लमल्ल सागर परियोजना के विस्तार को रोकने के लिए वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञों के साथ अहम बैठक की है। इस परियोजना के खिलाफ राज्य सरकार ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। दायर किए गए रिट याचिका की सुनवाई सोमवार को होने वाली है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और जल विभाग मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को मुंबई में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी के साथ विशेष बैठक की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे परियोजना से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज और प्रमाण तैयार रखें और कोर्ट में प्रभावी तर्क पेश करें। राज्य सरकार ने कोर्ट में तर्क दिया कि बिना अनुमति पोलावरम से बनकाचर्ल या नल्लमल्ल सागर से

लिंक करने का आंध्र प्रदेश का विस्तार अवैध है। याचिका में कहा गया कि परियोजना का मूल स्वीकृत स्वरूप ही लागू होना चाहिए, जबकि बिना अनुमति विस्तार करना कानूनन गलत है। तेलंगाना ने यह भी विरोध जताया कि नल्लमल्ल सागर परियोजना की प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्टों पर केंद्र सरकार ने राज्य की आपत्तियों को नजरअंदाज कर विचार किया। राज्य ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि केंद्रीय जल आयोग, केंद्रीय जल मंत्रालय और गोदावरी जल प्रबंधन बोर्ड को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं। याचिका में यह भी कहा गया कि आंध्र प्रदेश सरकार डीपीआर तैयार कर रही है, जो केंद्रीय जल आयोग की दिशानिर्देशों के विपरीत है। तेलंगाना ने अदालत से आग्रह किया कि केंद्र सरकार परियोजना के लिए पर्यावरण अनुमति या वित्तीय सहायता न दे और विस्तार कार्य तुरंत रोका जाए।

श्री गुरु गोविंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पर्व श्रद्धा से मनाया गया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खालसा पंथ के संस्थापक और दसवें सिख गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पर्व रविवार को शहर में धार्मिक उत्साह, भक्ति और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालुओं के साथ अन्य समुदायों के लोग भी कार्यक्रमों में शामिल हुए। समापन समारोह का मुख्य कार्यक्रम सिकंदराबाद के गुरुद्वारा साहिब की प्रबंधक समिति के तत्वावधान में तिवोली गार्डन में आयोजित किया गया। यहां गुरु ग्रंथ साहिब जी की विशेष प्रार्थना के साथ विशाल दीवान सजाया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रबंधक समिति के अध्यक्ष एस. बलदेव सिंह बग्गा, महासचिव एस. जगमोहन सिंह और सचिव एस. हरप्रीत सिंह गुलाटी ने बताया कि इस अवसर पर प्रसिद्ध रागी जत्थों द्वारा गुरुबानी कीर्तन और कथा का पाठ किया गया। कार्यक्रम में भाई सरबजीत सिंह (पटना साहिब वाले), सिंह साहिब ज्ञानी जसविंदर सिंह, ज्ञानी जगदेव सिंह और भाई वरजिंदर सिंह ने कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं को पारंपरिक गुरु का लंगर परोसा गया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भाईचारे और सेवा की भावना देखने को मिली।

संगठित संघर्ष से ही बीसी को राजनीतिक अधिकार मिलेगा : डॉ. राव

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कहा है कि जनसंख्या में बहुसंख्यक होने के बावजूद पिछड़ा वर्ग (बीसी) को राजनीतिक सत्ता में उचित प्रतिनिधित्व न मिलना लोकतांत्रिक व्यवस्था की गंभीर कमी है। यह बात उन्होंने रविवार को हैदराबाद के सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में बीसी जाति संगठनों के संयुक्त मंच द्वारा आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

बैठक की अध्यक्षता संयुक्त मंच के अध्यक्ष कट्टम नरसिंह यादव ने की। डॉ. कृष्ण मोहन राव ने कहा कि बीसी को राजनीतिक अधिकार कोई दान नहीं है। यह केवल संगठित प्रयास और सामूहिक संघर्ष से ही संभव है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बीसी अपनी संख्यात्मक शक्ति को राजनीतिक निर्णय शक्ति में परिवर्तित नहीं करते हैं, तो वे व्यवस्था में हाशिये पर ही बने रहेंगे। उन्होंने जाति जनगणना कराने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे भविष्य में पिछड़ा वर्ग से संबंधित नीतिगत फैसलों के लिए मजबूत आधार तथा सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. कृष्ण मोहन राव ने तेलंगाना राज्य सरकार से मांग की कि बीसी के खिलाफ हो रहे भेदभाव और अत्याचारों को रोकने के लिए पिछड़ा वर्ग के लिए अलग एट्रोसिटी एक्ट तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और संरक्षण के बिना सामाजिक न्याय संभव नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में 42 प्रतिशत आरक्षण लागू किए बिना चुनाव कराना लोकतांत्रिक भावना के विरुद्ध बताते हुए कहा कि जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक प्रतिनिधित्व न देना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

उन्होंने जोर देकर कहा, सामाजिक लोकतंत्र मजबूत होगा तभी राजनीतिक लोकतंत्र टिकेगा। सामाजिक न्याय के बिना लोकतंत्र पूर्ण नहीं हो सकता। डॉ. कृष्ण मोहन राव ने फुले दंपति, पेरियार, नारायण गुरु, राम मनोहर लोहिया, कर्पूरी ठाकुर और डॉ. बी.आर. आंबेडकर द्वारा परिकल्पित सामाजिक समानता के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बीसी समाज की एकता को और मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मोंडा मार्केट की कॉरपोरेटर कोंतम दीपिका, राज्य भाजपा मोर्चा अध्यक्ष आनंद गौड़, प्रमुख बीसी नेता निरंजन यादव, सिटी अध्यक्ष वेंकटेश गौड़, वाई.वी. श्रीधर और रमेश सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे। तेलंगाना के विभिन्न जिलों से बीसी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया।

आईआईसीटी के वैज्ञानिक डॉ. चाडाराजी रेड्डी बने इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के फेलो

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) के वरिष्ठ मुख्य वैज्ञानिक डॉ. चाडा राजी रेड्डी को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज (आईएएस), बेंगलुरू का फेलो चुना गया है। यह सम्मान उन्हें विशेष रूप से स्वास्थ्य से जुड़े अनुप्रयोगों के लिए फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया है।

डॉ. रेड्डी का शोध कार्य मुख्य रूप से कार्बनिक संश्लेषण पर केंद्रित है। उनके शोध में औषधि खोज कार्यक्रमों के तहत जैवसक्रिय प्राकृतिक उत्पादों सहित नए अणुओं के निर्माण के लिए नवीन रासायनिक तकनीकों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उनके नेतृत्व में शोध समूह ने निकरगोलिन, फैविपिराविर, रेमडेसिविर सहित कई सक्रिय फार्मास्युटिकल अवयवों के लिए प्रभावी और बड़े स्तर पर उपयोग योग्य प्रक्रियाएं विकसित की हैं। इनमें से कई तकनीकों को सफलतापूर्वक फार्मास्युटिकल उद्योगों में अपनाया गया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, डॉ. चाडा राजी रेड्डी भारत बायोटेक द्वारा विकसित स्वदेशी कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सिन में उपयोग किए गए एक सहायक अणु के लिए स्केलेबल प्रक्रिया विकसित करने वाले प्रमुख वैज्ञानिकों में भी शामिल रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का केसीआर के फार्महाउस पर प्रदर्शन

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्षी नेता के. चंद्रशेखर राव के एर्रावली, सिद्दिपेट स्थित कृषि फार्महाउस पर प्रदर्शन किया।

गजवेल कांग्रेस इकाई की अध्यक्ष अंकशा रेड्डी के नेतृत्व में पार्टी के सदस्य यह प्रदर्शन कर रहे थे कि केसीआर विधानसभा सत्र में भाग लेकर गजवेल विधानसभा क्षेत्र के मुद्दों को हल करें। प्रदर्शनकारियों ने नारों और प्लेकार्ड के माध्यम से केसीआर की आलोचना की, यह कहते हुए कि वह गजवेल में वोट पाने के लिए मेहनत करते हैं, लेकिन विधानसभा में क्षेत्र के मुद्दों पर ध्यान नहीं देते।

स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करें डिप्टी कमिश्नर-कर्णन

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) के कमिश्नर आर. वी. कर्णन ने ज़ोनल और डिप्टी कमिश्नरों को निर्देश दिए हैं कि वे स्वच्छता पर और अधिक ध्यान केंद्रित करें और महानगर हैदराबाद में सफाई सुधारने के लिए सक्रिय कदम उठाएं। वेबएक्स आधारित दृश्य समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, कमिश्नर ने अतिरिक्त कमिश्नरों, ज़ोनल कमिश्नरों, वरिष्ठ इंजीनियरिंग अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ जीएचएमसी विशेष स्वच्छता अभियान और अन्य विकासात्मक कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि विशेष स्वच्छता कार्यक्रम को निर्धारित कार्य योजना के अनुसार और व्यापक रूप से लागू किया जाए। कमिश्नर ने स्वच्छता और सफाई के महत्व के बारे में व्यापक जन जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सक्रिय जन भागीदारी की अपील की ताकि मिलकर महानगर हैदराबाद को स्वच्छ और स्वास्थ्यपूर्ण शहर में बदला जा सके। उन्होंने कहा कि अब तक 1,458 मीट्रिक टन कचरा और 547 मीट्रिक टन निर्माण मलबा हटाया गया है। विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत पहले दिन फुट ओवरब्रिज की सफाई के साथ हुई थी, और पिछले छह दिनों में इसे फलीओवर्स, सड़कों के किनारे, डिवाइडर, केंद्रीय मेडियन्स, केर्ब स्टोन, झीलों, नालों, फुटपाथ, पार्कों और निर्माण एवं विध्वंस कचरे को हटाकर पूरी तरह से लागू किया गया। जीएचएमसी की सीमा में आने वाले 300 वार्डों में 1,204 पहचाने गए क्षेत्रों और बिंदुओं पर विशेष स्वच्छता कार्य किए गए, जिसमें फुट ओवरब्रिज, फलीओवर्स, कचरा संवेदनशील स्थल और पार्क शामिल हैं। इस अभियान के दौरान अब तक अतिरिक्त 1,458 मीट्रिक टन ठोस कचरा और 547 मीट्रिक टन निर्माण एवं विध्वंस कचरा हटाया गया है।

माधापुर में महिला ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के माधापुर इलाके में शनिवार रात एक महिला ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, माधापुर निवासी 39 वर्षीय टी. अनत लक्ष्मी अपने पति के साथ किराए के मकान में रहती थीं। शनिवार शाम वह काम से घर लौटीं और एक कमरे में चली गईं। उन्होंने घर का मुख्य दरवाजा बंद किया और छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

महिला के पति ने पुलिस को बताया कि अनंत लक्ष्मी कुछ समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं, जिसके कारण वह अवसाद में थीं। आशंका जताई जा रही है कि इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच की जा रही है।

कांग्रेस पर तेलंगाना के जल अधिकारों से विश्वासघात का आरोप

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के उपसभापति और पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर तेलंगाना के नदी जल अधिकारों (खासकर कृष्णा नदी बेसिन में) के साथ लगातार विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार आंध्र प्रदेश के दबाव में काम कर रही है और तेलंगाना के भविष्य को खतरे में डाल रही है।

रविवार को तेलंगाना भवन में आयोजित एक प्रस्तुति में हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस की नीतियों के कारण तेलंगाना को दशकों तक अन्याय झेलना पड़ा। उन्होंने बताया कि कृष्णा नदी बेसिन का 68 प्रतिशत हिस्सा तेलंगाना में होने के बावजूद राज्य को केवल 34 प्रतिशत पानी मिला, जबकि आंध्र प्रदेश को 66 प्रतिशत जल आवंटन दिया गया। उन्होंने कहा कि यह 66:34 का अनुपात कांग्रेस की देन है, जिसे बीआरएस सरकार ने चुनौती दी थी, लेकिन मौजूदा

कांग्रेस सरकार ने फिर से लागू कर दिया। हरीश राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर विधानसभा को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के फैसलों के कारण तेलंगाना लंबे समय तक सूखा, पलायन और किसानों की बदहाली झेलता रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाजन के बाद भी कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना की कई परियोजनाओं को नजरअंदाज किया, जिससे राज्य को अपने हक के पानी के लिए कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। हरीश राव ने बीआरएस सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 से 2023 के बीच सिंचाई के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई और लाखों एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिली। उन्होंने मौजूदा कांग्रेस सरकार पर इन उपलब्धियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया और कहा कि कृष्णा परियोजनाओं को केंद्र के हवाले कर तेलंगाना के अधिकार कमजोर किए गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बीआरएस राज्य के जल अधिकारों की रक्षा के लिए जनआंदोलन शुरू करेगी।

रायलसीमा लिफ्ट परियोजना पर नायुडू ने रेवंत रेड्डी का दावा बताया गलत

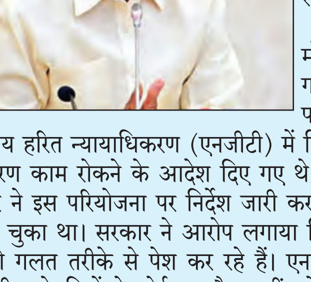

अमरावती, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के उस बयान को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि रायलसीमा लिफ्ट परियोजना को कांग्रेस नेता के अनुरोध पर रोका गया। आंध्र प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया कि परियोजना रोकने का फैसला किसी राजनीतिक दबाव या सम्मान के कारण नहीं लिया गया।

सरकार के मुताबिक, यह परियोजना पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के कार्यकाल में बिना जरूरी कानूनी मंजूरी के शुरू की गई थी। सरकार ने बताया कि तेलंगाना सरकार ने पहले ही इस परियोजना को लेकर आपत्ति जताई थी और अदालत, केंद्र सरकार व राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) में शिकायतें दर्ज कराई थीं। जांच के बाद आवश्यक अनुमतियां न होने के कारण काम रोकने के आदेश दिए गए थे। आंध्र प्रदेश सरकार ने कहा कि 2020 में ही एनजीटी और केंद्र सरकार ने इस परियोजना पर निर्देश जारी कर दिए थे, यानी मौजूदा सरकार के सत्ता में आने से पहले ही काम बंद हो चुका था। सरकार ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कुछ राजनीतिक दल राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। एनडीए सरकार ने साफ कहा कि वह राज्य के जल अधिकारों और रायलसीमा के हितों से कोई समझौता नहीं करेगी। सरकार ने यह भी बताया कि जल्द ही इस मामले से जुड़े सभी दस्तावेज और तथ्य सार्वजनिक किए जाएंगे, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके।

शराब पीकर ड्राइविंग की जांच के दौरान हंगामा

> ऑटो चालक ने पुलिस को मरे हुए सांप से दी धमकी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रयानगुट्टा इलाके में शनिवार रात शराब पीकर वाहन चलाने की जांच के दौरान एक अजीब और चौंकाने वाली घटना सामने आई। जांच के दौरान पकड़े जाने पर एक ऑटो रिक्शा चालक ने यातायात पुलिसकर्मियों को मरे हुए सांप से धमकाने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, शराब पीकर ड्राइविंग के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ऑटो रिक्शा चालक इरफान को रोका गया। ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट में उसके शराब के सेवन की पुष्टि हुई, जिसके बाद यातायात पुलिस ने उसका ऑटो रिक्शा जब्त कर लिया। इस कार्रवाई से नाराज होकर इरफान ने अपना आपा खो दिया। आरोप है कि उसने अपने ऑटो रिक्शा से एक मरा हुआ सांप निकाला और पुलिसकर्मियों को दिखाते हुए वाहन छोड़ने की मांग करने लगा। एक यातायात पुलिस अधिकारी ने बताया, इरफान मरा हुआ सांप लेकर आया और हमारे कर्मचारियों को धमकाने लगा। जब पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो वह मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

SBI भारतीय स्टेट बैंक

क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-04, बिदर-585401

निविदा आमंत्रण सूचना

लीज पर परिसर चाहिए

भारतीय स्टेट बैंक, (स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया -एसबीआई), क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय, केईबी आफिस के पास, बिदर-585401 को, बिदर शाखा-20250 के लिए, वाणिज्यिक/कार्यालय उपयोग हेतु निर्मित क्षेत्र करीब 4000 स्के. फीट+/-10% अधिमापनयुक्त परिसर, लीज/रेन्टल अथवा पट्टा या किराया आधार पर चाहिए। यह परिसर वर्तमान परिसरों से मेन रोड पर 1.0 किमी की परिधि में स्थित होना चाहिए। उपरोक्त परिसर हेतु भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई), क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा संपत्ति मालिकों/पावर आफ अटार्नी होल्डर्स से निविदाएं आमंत्रित हैं।

उपरोक्त परिसर में सभी तत्संबंधित सुविधाओं सहित पर्याप्त पावर लोड, पानी की आपूर्ति, पार्किंग की जगह, जनरेटर रखने के लिए जगह, ई-लॉबी तथा वी-सैट, गूड फ्रन्टेज (निःशुल्क) आदि व्यवस्थाएं होनी चाहिए। तत्संबंधित परिसर जोकि प्रधानतया वन सिंगल फ्लूर पर, ग्राउण्ड फ्लूर पर स्थित होना चाहिए। यह परिसर या प्लॉट तुरंत प्रवेश/ दाखिला के लिए तैयार होना चाहिए। निविदा प्रस्तुति से संबंधित, विस्तृत विवरण, मानकों, नियम व शर्तें एवं मूल्य बोली या प्राइस बिड से युक्त तकनीकी बोली या टेक्नीकल बिड के प्रारूप को, एसबीआई के तहत न्यूज/प्रोक्यूरमेंट न्यूज के अंतर्गत दि.05-01-2026 से 19-01-2026 के मध्य एसबीआई वेबसाइट: www.sbi.co.in से डाउनलोड किया जा सकता है। इस मामले में सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र इकाईयों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को प्रधानता दी जायेगी। यथावत रूप से संपूर्णतया भरकर मुहरबंद लिफाफे में डाले हुए, तत्संबंधित प्रस्ताव या आफर्स, भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय, केईबी कार्यालय, बिदर-585401 पर दि.19-01-2026 के दोपहर 3.00 बजे तक या इसके पहले प्रस्तुत किये जाने चाहिए। एसबीआई के पास कोई भी कारण न देते हुए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। इस मामले में ब्रोकर्स पर कतई विचार नहीं किया जायेगा।

हस्ता./-

क्षेत्रीय प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक,
क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-04, बिदर

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.